CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAFL1 User: cci Time: 04-12-2026 23:06 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 13 अप्रैल 2026 > चैत्र 23 शक 1948 वैशाख कृष्ण एकादशी, विक्रम संवत 2083 WATCH GOD WA

NB नवभारत

8 सितंबर 1933 - 12 अप्रैल 2026

2011 में गिनीज़ बुक में नाम दर्ज, सबसे ज्यादा गाने का रेकॉर्ड

अभी न जाओ छोड़कर... सुरों की आशा

आशा भोसले पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत लोगों के जीवन में हमेशा गूंजते रहेंगे। उनके साथ हुई बातचीत की यादें मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। -नरेन्द्र मोदी, पीएम

■ NBT रिपोर्ट

सुरों की वो आशा अब इस दुनिया में नहीं रही, जिसने कभी गुनगुनाया था- अभी न जाओ छोड़कर कि दिल अभी भरा नहीं... और सचमुच, आज भी दिल भरा नहीं है।

92 साल की उम्र में आशा भोसले ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में दिल और सांस की तकलीफ से जूझते हुए इस दुनिया को अलविदा कह दिया। आज शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार होगा। मशहूर रंगकर्मी और शास्त्रीय गायक दीनानाथ मंगेशकर की बेटी, लता मंगेशकर की छोटी बहन, लेकिन सिर्फ इतना कहना उनके कद को छोटा करना होगा। नौ साल की उम्र में पिता के गुजर जाने के बाद, 10 साल की उम्र में सुरों को सहारा बनाया, फिर वही उनकी पहचान बन गए।

92 साल की उम्र में आशा भोसले का निधन

1943 में मराठी गीत 'चला चला नवबाला' से शुरू हुआ सफर हिंदी सिनेमा के अनगिनत रंगों में ढलता गया। ग़ज़ल, भजन, रोमांस या कैबरे हर अंदाज में उन्होंने अपनी अलग दुनिया रची। 1961 में रिलीज फिल्म 'हम दोनों' का वो गीत 'अभी न जाओ छोड़कर' आज भी जैसे हवा में ठहरा हुआ है। आज आशा ताई रुख्सत हो गई हैं, लेकिन उनके गाए हर गीत में एक आशा अब भी जिंदा है, अनंत, अमर और दिल के बेहद करीब। अलविदा आशा ताई! आप हमेशा जिंदा रहेंगी, क्योंकि सुर कभी नहीं मरते, फिजा में गूंजते रहेंगे। » पेज 9

12,000 से ज्यादा गाने गाए

आशा ने 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए, जिनमें 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' जैसे सुपरहिट सॉन्ग शामिल हैं। पद्म विभूषण, दादा साहेब और ग्रैमी पुरस्कार से भी सम्मानित।

फटाफट खबरें

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से होगी शुरू

पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी। 'प्रथम पूजा' 29 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन होगी। श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के अनुसार, यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होगा। » पेज 12

25 दिन डिजिटल अरेस्ट, 18 लाख ठगे

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले रेलवे से रिटायर अधिकारी (69) को 25 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगों ने 18 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया, फिर मनी लॉन्ड्रिंग केस में नाम आने की बात कहकर एक कमरे में कैद किया था।

मोदी ने कहा, TMC ने 15 साल में बंगाल को बर्बाद कर दिया

■ पीटीआई, सिलीगुड़ी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'टुकड़े-टुकड़े' गैंग ने पूर्वोत्तर को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने के लिए रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटने की धमकी दी थी, और तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने अपनी तुष्टीकरण की राजनीति को साधने के लिए सड़क से संसद तक उनका समर्थन किया। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक चुनावी रैली में मोदी ने कहा कि TMC ने अपने 15 साल के कार्यकाल में राज्य को बर्बाद कर दिया। मोदी ने कहा कि अवैध घुसपैठ से पूरे इलाके का सामाजिक संतुलन बिगड़ रहा है। घुसपैठिए यहां के लोगों की नौकरियां छीन रहे हैं। » अंदर देखें

PTI

पीएम मोदी ने सिलीगुड़ी में एक रैली को संबोधित किया।

BJP आई तो कई बेघर होंगे: ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि इस बार चुनाव में बीजेपी सत्ता में आती है, तो राज्य में कई लोगों को बेघर होना पड़ सकता है। पूर्व बर्धमान जिले में एक चुनावी रैली में ममता ने कहा, "बीजेपी आम लोगों से सब कुछ छीन लेगी।"

DTC बस ने बच्ची को कुचला, ड्राइवर अरेस्ट

सेंट्रल दिल्ली के बलजीत नगर में हादसा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सेंट्रल दिल्ली के बलजीत नगर में शादीपुर डिपो के पास शुक्रवार रात DTC बस ने 11 साल की बच्ची को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पटेल नगर पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर ड्राइवर कमान सिंह को गिरफ्तार किया है।

सेंट्रल जिले के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि सियाराम की बेटी उनकी दुकान के पास खेल रही थी, तभी रात करीब साढ़े 9 बजे बस ने कुचल दिया। चश्मदीदों ने बताया कि बस में से ड्राइवर को सड़क पर खेल रही बच्ची दिखाई नहीं दी, जिसकी वजह से हादसा हुआ। हादसे के बाद आसपास के लोगों की सूचना पर पटेल नगर पुलिस पहुंची और बच्ची को तुरंत अस्पताल पहुंचाया था। » पेज 3

File

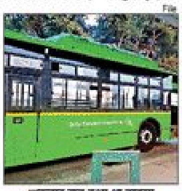

शुक्रवार रात हुआ था हादसा

बाइक चला रही युवती की गाज़ियाबाद में मौत

वेव सिटी क्षेत्र के डासना स्थित IMS कॉलेज के सामने अंडरपास में रविवार सुबह करीब 4 बजे स्पोर्ट्स बाइक सवार युवक और युवती दीवार से टकरा गए। हादसे में युवती की मौत हो गई, जबकि युवक घायल है। बताया गया कि बाइक युवती चला रही थी।

मणिपुर में 21 बंकर नष्ट किए

■ पीटीआई, इंफाल: मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उखरूल और तेंगनौपाल जिलों में 21 बंकरों को नष्ट कर दिया। पुलिस ने रविवार को बताया कि ये बंकर उग्रवादियों ने बनाए थे। वहीं, तेंगनौपाल जिले के मोरेह इलाके में एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया।

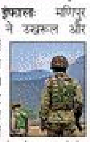

दिल्ली-NCR में छापा

ED ने ज़ब्त किए 6.3 करोड़ कैश

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली, गुरुग्राम समेत 10 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी कर ईडी ने 6.3 करोड़ रुपये कैश और 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज जब्त किए। केंद्रीय एजेंसी ने शनिवार को बताया कि रियल एस्टेट कंपनी और उसके प्रमोटर्स के यहां छापा मारा गया था।

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

आज आपने लिया क्या?

इस हफ्ते पढ़ें
- FY27 में शेयर बाजार में सही मौके कहां हैं?
- इस हफ्ते भी क्या बनी रहेगी बाजार की रफ्तार?
- ऑप्शन ट्रेडिंग में घाटे से बचने के लिए खास रणनीति
- अच्छे पोर्टफोलियो में कितने फंड्स होने चाहिए?

हर सोमवार NBT Wealth
सिर्फ 6 रुपये में
अपने वेंडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।

ब्रेन डेड हुआ था डोनर | ओखला के अस्पताल में 26 साल के मरीज को मिली जिंदगी, AIIMS को लिवर, पैंक्रियास दिया

85 मिनट में रोहतक से दिल्ली पहुंचा धड़कता दिल, 98 किमी. तक पुलिस ने बनाया ग्रीन कॉरिडोर

■ पीटीआई, नई दिल्ली

रोहतक से दिल्ली तक करीब 98 किमी से ज्यादा दूरी 85 मिनट में तय कर धड़कते दिल को ओखला के एक अस्पताल पहुंचाया गया। दिल्ली और रोहतक पुलिस ने इसके लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया। 26 साल के मरीज को दिल ट्रांसप्लांट किया गया।

37 साल के डोनर को बेहोशी की हालत में रोहतक के PGIMS में भर्ती कराया गया था। दिमाग में खून के रिसाव से उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया। डोनर के फेफड़े गुरुग्राम में भेजे गए, जबकि लिवर और पैंक्रियास को दिल्ली AIIMS को दिया गया है। किडनी और कॉर्निया PGIMS रोहतक में रखा गया है। ओखला में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स के डॉ. जेड.एस. मेहरवाल ने बताया कि दिल की गंभीर बीमारी के 26 साल के मरीज को यह दिल ट्रांसप्लांट किया गया। 9 अप्रैल को ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था।

- दिमाग में खून के रिसाव से ब्रेन डेड हो गए थे 37 साल के डोनर
- किडनी, कॉर्निया, लिवर, फेफड़े और पैंक्रियास भी दान दिए

File

मौत के बाद 3 लोगों को दे गई नई जिंदगी

45 साल की एक महिला ने मौत के बाद 3 लोगों को नई जिंदगी दी। लखनऊ के एक मरीज में महिला का दिल लगाया गया, जबकि लिवर आर्मी हॉस्पिटल और एक किडनी RML हॉस्पिटल में मरीज को ट्रांसप्लांट किया गया। RML अस्पताल का यह छठा अंग दान था। महिला ब्रेन डेड हो गई थी। लखनऊ PGI तक दिल को एयर ऐम्बुलेंस से भेजा गया। » पेज 3

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH08 User: dilip.lal@timesofindia.com Time: 04-12-2026 22:53 Color:

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली | सोमवार, 13 अप्रैल 2026

लगभग हर वार्ता में सबसे कठिन काम होता है उसे भावनाओं से अलग करना और केवल तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ना।
– हॉवर्ड बेकर, अमेरिकी राजनीतिज्ञ

चिंता बढ़ी

अमेरिका और ईरान के बीच बेनतीजा रही बातचीत ने पूरी दुनिया को फिर से चिंता में डाल दिया है। दोनों पक्ष एक-दूसरे को इस असफलता के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप के होर्मुज स्ट्रेट की नौसैनिक नाकेबंदी के आदेश से तनाव और बढ़ेगा। दोनों पक्षों को समझौते की कोशिश नहीं छोड़नी चाहिए।

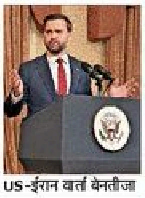
US-ईरान वार्ता बेनतीजा

अविश्वास भरा माहौल | इस्लामाबाद में जिस माहौल में वॉशिंगटन और तेहरान मिले, इस बात की उम्मीद बहुत कम थी कि तुरंत कोई हल निकल आएगा। दोनों के दरम्यान भरोसे की कमी उनके बयानों से स्पष्ट थी। संघर्ष शुरू होने के पहले भी दोनों के बीच बातचीत चल रही थी और उसी दौरान अमेरिका-इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में इस बार तेहरान में अविश्वास, अनिश्चितता और आक्रोश भरा हुआ था। फिर, जिन लक्ष्यों के साथ दोनों वार्ता की मेज पर बैठे, उन्हें पाना भी करीब-करीब असंभव था।

संघर्ष का खतरा | अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान से यह गारंटी चाहता है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और होर्मुज स्ट्रेट से पहले की तरह बेरोकटोक आवागमन होगा। परमाणु मसले पर पहले भी गतिरोध था और इस बार भी उस पर सहमति नहीं बन पाई। अब ट्रंप का होर्मुज पर फोकस करना बताता है कि वह तेल-गैस सप्लाई के लिए अहम इस समुद्री मार्ग को ईरानी कब्जे से छुड़ाना चाहते हैं। हालांकि इससे संघर्ष के फिर से बढ़ने का खतरा है।

जिद से समझौता | इस समय दोनों पक्षों को जरूरत है संयम से काम लेने की, वरना सीजफायर के बाद शांति के लिए जो थोड़ी बढ़त हासिल हुई थी, वह गंवा देंगे। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद पहली बार दोनों देशों के बीच बिना किसी मध्यस्थता के, आमने-सामने की और इतनी लंबी बात हुई है। अब इसे आगे बढ़ाने के रास्ते निकालने होंगे। इसके लिए उन्हें पहले अपनी जिद से समझौता करना पड़ेगा। दोनों पक्षों से लचीलेपन की उम्मीद है।

सीजफायर का पालन | बातचीत अभी रुकी है, पूरी तरह असफल नहीं हुई और दोनों पक्ष समझौते पर आगे बढ़ने के मूड में हैं। हालांकि इसके लिए संघर्ष विराम का पालन बेहद जरूरी है। सीजफायर के समय का इस्तेमाल सैन्य जमावड़ा बढ़ाने और युद्ध की तैयारियों के बजाय डिप्लोमेसी में किया जाए। इससे तनाव कम करने और बातचीत के लिए बेहतर माहौल बनाने में मदद मिलेगी। यह भी जरूरी है कि इस्राइल दुनिया की चिंताओं को समझते हुए लेबनान में जारी हमले भी बंद करे। अमेरिका और ईरान को एक-दूसरे पर भरोसा करना होगा, यही दुनिया के हित में है।

नश्तर

सतुआ लेखन

गांव में सतू को तुरंत भोजनालय भी कहा जाता है यानी फौरन तैयार हो जाने वाला खाना। खाने का मन हुआ तो सतू में कम पानी डाला और गर्मी से तरावट लेने का मन हुआ तो शरबत सरीखा बनाकर पी लिया। लेखकों ने सतू की इस खासियत से सीख लेते हुए सतुआ लेखन भी शुरू कर दिया है यानी तुरत-फुरत लेखन।

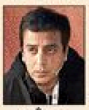
सौरभ श्रीवास्तव

पिछले दिनों एक लेखिका को साहित्य का बड़ा पुरस्कार मिला। पुरस्कार की घोषणा होने के मुश्किल से आधे घंटे के भीतर ही सोशल मीडिया पर कई लंबी टिप्पणियां पोस्ट हुईं। मैं आश्चर्य के समुद्र में डूबने-उतराने लगा। इतनी लंबी टिप्पणी इतनी जल्दी कैसे? अपने लेखक मित्र को फोन लगाया, 'आप लोग सतुआ लेखन कैसे करते हैं?' उसकी आवाज अचानक भारी हो गई। ऐसा लगा कि वह होर्मुज खोलने का रास्ता बताने जा रहा है। किसी को न बताने की पारंपरिक सौगंध देते हुए उसने कहा, 'देखो, एक सेट पैटर्न है। लेखक की एक-दो मशहूर किताबें उठाओ। उनका फ्लैप देखो। कई लोगों ने टिप्पणियां लिखी होंगी। भूमिका पर सरसरी निगाह फेरो, कुछ पंक्तियां ऐसी मिल ही जाएंगी जिन पर मन अटक जाएगा। बाकी कुछ ऐसे वाक्य कि भाषा बहुत सरल पर अर्थों से भरी हुई है, यथार्थ का सटीक चित्रण, समय पर पूरी पकड़, मनुष्यता के पक्षधर आदि को पिरोना है।

यदि लेखक, लेखिका के निधन का मौका है तो एक युग का अंत हो गया, उनकी जगह हमेशा खाली रहेगी या अपने लिखे शब्दों में वह अमर रहेंगे जैसे वाक्य और जोड़ने हैं, और यदि पुरस्कार मिला है तो तारीफ में जो चाहे लिख दो लेखक खंडन नहीं करेगा, क्योंकि उसे पुरस्कार की रकम और प्रतिष्ठा में दिलचस्पी है, आपकी लिखी टिप्पणी में नहीं। गैंगवाला हुआ तो आपकी लिखी टिप्पणियां अपने चेलों से सोशल मीडिया पर रिपोस्ट करवाएगा। गैरत में घाल-मेल हुआ तो खुद ही कर देगा, इस भाव से भरे हुए मौन के साथ कि देखिए पुरस्कार ठीक ही मिला है बल्कि बहुत देर में मिला है। बस आपका सतुआ लेखन पूरा और मेरा कॉलम भी। अब आप प्रकाशक से आने वाले चेक का इंतजार कीजिए और मैं अगले हफ्ते का, नमस्ते।'

एकदा

संकलन : सुभाष चंद्र शर्मा

स्वाभिमान का सवाल

बात उन दिनों की है, जब हमारे देश में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन मजबूत होता जा रहा था। अंग्रेज अपने आप को भारतीयों से श्रेष्ठ मानते थे और उनके साथ खराब व्यवहार करते। एक दिन राजा राममोहन राय पालकी में बैठकर कहीं जा रहे थे। रास्ते में कलेक्टर हैमिल्टन खड़ा था। उसे देखकर भी राजा राममोहन राय पालकी से नीचे नहीं उतरे, तो हैमिल्टन गुस्से से लाल पीला हो उठा। उसने पालकी रुकवा ली। इस पर राममोहन राय नीचे उतरे और कलेक्टर से पूछा कि क्या बात है? गुस्से से भरे हैमिल्टन ने भला-बुरा कहना शुरू कर दिया। राजा राममोहन राय बिना कुछ बोले, कलेक्टर की अनदेखी कर वापस में पालकी में बैठे और आगे बढ़ गए। उन्होंने इस बात की शिकायत लॉर्ड मिंटो से की। लॉर्ड मिंटो ने हैमिल्टन को मामूली चेतावनी देकर बात वहीं खत्म कर दी, पर राजा राममोहन राय संतुष्ट नहीं हुए। उनका कहना था कि यह भारत के स्वाभिमान का सवाल है। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा हिंदुस्तानियों से किए जा रहे बुरे बर्ताव के खिलाफ कानून बनाने की ठान ली और बाद में अपने अथक प्रयासों से एक ऐसा कानून बनवाने में सफल भी हुए।

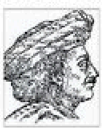

मैदानों का आर्थिक और विकास मॉडल उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्यों में कारगर नहीं

पहाड़ों पर विकास का मॉडल क्या हो

19 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू होने जा रही है, लेकिन क्या पहाड़ इसके लिए तैयार हैं? पहाड़ों पर कभी 'चौमासे' का अर्थ था चारों ओर हरियाली, बादलों की अठखेलियां और रिमझिम फुहारें। जंगल की पगडंडियों पर पैरों से चिपकती जोंक भले ही परेशान करतीं, लेकिन बारिश में धुले वृक्षों से लदे पहाड़ अपनी सुंदरता के चरम पर होते थे। ऐसा नहीं कि तब भूस्खलन नहीं होता था, लेकिन प्रकृति का वह रूप डराता नहीं था। किसी का खेत या घर क्षतिग्रस्त होना दुखद था, लेकिन आज की तरह पूरे के पूरे गांव का अस्तित्व मिट जाना अकल्पनीय था।

हृदयेश जोशी

साझा स्मृति | यह केवल मेरा अनुभव नहीं, बल्कि 80 और 90 के दशक में पहाड़ को जीने वाले हर व्यक्ति की साझा स्मृति है। सवाल उठना लाजमी है कि हमारा हिमालय इतना 'भंगुर' और संवेदनशील क्यों हो गया? पिछले कुछ बरसों में चरम मौसमी घटनाओं और मारक क्षमता में लगातार वृद्धि हुई है। उत्तराखंड में आपदा से होने वाली मौतों में 30% की वृद्धि दर्ज की गई है।

धराली और छेनागाड़ | उत्तराखंड में आपदा की सबसे ताजा घटना पिछले साल अगस्त की है। उत्तरकाशी जिले के धराली में आई बाढ़ में 55 लोगों की जान चली गई। मलबे में पूरे बाजार का दफन होना घाव की तरह हमारी स्मृति में अंकित है। ऐसी ही मार पड़ी रुद्रप्रयाग के छेनागाड़ पर। अंदरूनी क्षेत्र में बसा यह छोटा-सा गांव यहां के लोगों की जीवनरेखा-सा था। क्लाउड बर्स्ट से हुई तबाही ने इसका नामोनिशान मिटा दिया।

राज्य पर संकट | इसरो के भूस्खलन एटलस में उत्तराखंड के सारे जिले देश के संकटग्रस्त जिलों की सूची में हैं। उत्तराखंड सरकार की 'आपदा उपरांत आवश्यकता आकलन' (PDNA) रिपोर्ट के अनुसार, अकेले वर्ष 2025 में राज्य को लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

प्रॉजेक्ट बनाम पर्यावरण
- उत्तराखंड में आपदा से होने वाली मौतें लगभग 30% बढ़ीं
- बुनियादी ढांचों पर दबाव डालती है भारी भीड़
- 2025 में राज्य को 15 हजार करोड़ का नुकसान

मानकों की अनदेखी | यह सच है कि जलवायु परिवर्तन ने चरम मौसमी घटनाओं को बढ़ाया है, पर विकास के नाम पर वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी ने इस आग में घी का काम किया। पहाड़ों का सीना चीरते बुलडोजर और शांत क्षेत्रों में हेलिकॉप्टरों का शोर इकोलॉजी को भीतर से खोखला कर रहा है।

प्रॉजेक्ट्स का सच | अक्सर चौड़ी सड़कों और मेगा प्रॉजेक्ट्स को रोजगार से जोड़कर देखा जाता है, पर हकीकत इसके उलट है। यह तथाकथित विकास कुछ ठेकेदारों और बड़े होटल मालिकों तक सीमित है। इसका प्रमाण है उत्तराखंड राज्य के तकरीबन पूरी तरह खाली हो चुके 1500 से अधिक गांव, जिन्हें भुतहा (घोस्ट विलेज) कह दिया जाता है।

भीड़ का असंतुलित प्रवाह | सस्टेनेबल डिवेलपमेंट फॉर कम्युनिटीज फाउंडेशन (SDF) के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में आने वाले 72% तीर्थयात्री मात्र 60 दिनों में अपनी यात्रा पूरी कर लेते हैं। कुल यात्रियों का 11% हिस्सा महज एक सप्ताह में उमड़ पड़ता है। यानी यह 'तीर्थयात्रा' नहीं, बल्कि 'भीड़ का सैलाब' है जो बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव डालता है और फिर बाकी दिन सूनापन रहता है।

स्थानीय की उपेक्षा | तेज रफ्तार वाहन और हेलिकॉप्टर से आने वाले पर्यटक प्लास्टिक और कचरा तो छोड़ जाते हैं, लेकिन स्थानीय अर्थव्यवस्था में उनका योगदान नगण्य रहता है। आपदा आते ही जब होटल खाली होते हैं, तो सबसे ज्यादा मार स्थानीय छोटे कारोबारियों पर पड़ती है।

चाहिए टिकाऊ विकास | उत्तराखंड को तेज रफ्तार नहीं, टिकाऊ विकास की जरूरत है। हिमालयी राज्यों का आर्थिक मॉडल मैदानी राज्यों जैसा नहीं हो सकता। यहां 'सस्टेनेबल' (सतत) दृष्टिकोण अपनाना होगा। कुछ जरूरी कदम उठाए जा सकते हैं। मसलन - पर्यटन का विकेंद्रीकरण हो। भीड़ को कुछ खास महीनों में सीमित करने के बजाय पूरे साल वितरित करना होगा।

इको-टूरिज्म और ट्रेनिंग | माउंटेन ट्रेकिंग, विंटर स्पोर्ट्स और जैविक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। इसमें कमान बाहरी कंपनियों के बजाय स्थानीय समुदाय के हाथों में हो। साथ ही संवेदनशील ढलानों पर निर्माण के सख्त नियम और 'कैरिंग कैपेसिटी' (वहन क्षमता) का निर्धारण अनिवार्य हो। राज्य में प्लास्टिक कचरे का नियंत्रण और सख्ती से कलेक्शन व निस्तारण की योजना होनी ही चाहिए।

सबक का समय | अक्षय तृतीया से चारधाम यात्रा का आगाज होने वाला है। हमें तय करना होगा कि हमें ऐसा पर्यटन चाहिए जो पहाड़ों की शांति भंग करे, या ऐसा जो प्रकृति और संस्कृति के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। यदि हमने अब भी सबक नहीं लिया, तो हिमालय की यह संवेदनशीलता भविष्य में और भी भयावह रूप ले सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ज़िंदगी बदलती है, यही है मौसम की सीख

करीब-करीब तैयारी हो गई थी AC चालू करने की। कई लोगों ने तो कर भी दिया था। मार्च में ही जो तेवर दिखाने शुरू किए थे गर्मी ने, तो चिंता होने लगी थी कि मई-जून में क्या होगा। पंखे की हवा हल्की लगने लगी थी, दोपहर की धूप चुभने लगी थी और लोग अभी से आने वाले महीनों की मुश्किलों का हिसाब लगाने लगे थे।

लेकिन मौसम को शायद अभी कुछ और मंजूर था, उसने अचानक चाल बदली। दिल्ली से लखनऊ तक, रह-रहकर होती बारिश और ठंडी हवाओं ने जो माहौल बनाया, उससे एकबारगी गफलत होने लगी कि यह गर्मी की शुरुआत है या ठंड की वापसी। जो चेहरे कुछ दिन पहले पसीने से चिड़चिड़े थे, उनमें फिर से मुस्कान लौट आई।

थोड़ी-सी मोहलत जो मिली है पसीने से, एसी चालू करने से, कड़ी धूप से - इसने तबीयत हरी कर दी सबकी। मौसम को यूं अपने स्वभाव के विपरीत पलटते देखना और कुछ दिन और ठंड का साथ मिल जाना ऐसा है, जैसे बिन मांगे मुराद पूरी होना। ये कुछ दिन वैसे हैं, जैसे एक के साथ एक फ्री का ऑफर। आप निकले थे इस तमन्ना के साथ कि मार्च में सूरज थोड़ी दया दिखा दे, लेकिन साथ में अप्रैल का पहला पखवाड़ा भी बोनस में मिल गया।

दरअसल इंसान की आदत है कि वह आने वाली परेशानी को आज ही जीने लगता है। जो गर्मी मई-जून में पड़नी है, उसकी चिंता मार्च में शुरू हो जाती है। जो मुश्किल अभी सामने भी नहीं आई, वह मन में पहले ही जगह बना लेती है। हम मौसम से पहले ही हार मान लेते हैं, लेकिन जिंदगी बार-बार बताती है कि हर चीज वैसी नहीं होती जैसी हम सोच लेते हैं। यही इस मौसम की पहली सीख है, चिंता अक्सर बेकार होती है। हर चीज का हिसाब पहले से नहीं लगाया जा सकता। जिंदगी कोई गणित का सवाल नहीं, जहां हर उत्तर तय हो।

AI Image

जीवन आनंद
शैलेंद्र पांडेय

वह मौसम की तरह है, अनिश्चित और यही अनिश्चितता उसे रोचक बनाती है। अगर सब पहले से तय होता, तो शायद जीवन इतना सुंदर नहीं लगता।

दूसरी सीख यह है कि जो अच्छा वक्त मिला है, उसे पूरी तरह जी लेना चाहिए। यह सुकून कुछ देर का मेहमान है, लेकिन जब तक है, तब तक इसकी ठीक से खातिरदारी होनी चाहिए। खिड़कियां खोल दीजिए, शाम की हवा महसूस कीजिए, छत पर थोड़ा टहल लीजिए, बिना एसी के सो पाने की खुशी समझिए। हम अक्सर बड़ी खुशियों के इंतजार में छोटी राहतों को नजरअंदाज कर देते हैं। सोचते हैं कि जब सब ठीक होगा तब खुश होंगे, लेकिन 'सब ठीक' कभी होता नहीं। तो तपते दौर में ठंडी हवा का जो झोंका मिला है, उसे जाया मत जाने दीजिए।

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

किसी बात पर क्रोध आए तो चुप रहना ही असली ताक़त

मानसी आनंद

कुछ लोग बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह जाते हैं। जब माहौल गरम हो, शब्द तीखे हों और सामने वाला आपको उकसाने की कोशिश कर रहा हो, तब अगर आप शांत रहते हैं, तो वही मौन सबसे प्रभावशाली उत्तर बन जाता है। यहां यह कहावत सटीक लगती है, 'एक चुप, सौ सुख'। कई बार चुप रह जाना ही सबसे बड़ी समझदारी, सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ी जीत होती है।

जब हम क्रोध में होते हैं या कोई हमें उकसाता है, उस समय तुरंत प्रतिक्रिया देना आसान होता है। लेकिन वहीं रुक जाना, चुप रह जाना ही असली शक्ति है। मौन कमजोरी नहीं, समझदारी और आत्मसंयम का संकेत है। यह दिखाता है कि हमने अहंकार के बजाय संस्कार को चुना है। हमारे शास्त्र भी यही सिखाते हैं। भगवद्गीता में कहा गया है कि जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, वही सच्चा विजेता होता है। हर लड़ाई बाहर नहीं लड़ी जाती, कुछ भीतर भी होती हैं, जहां जीत का मतलब होता है शांत रहना। कई बार जब कोई हम पर आरोप लगाता है या अपमान करने की कोशिश करता है, तो हमें लगता है कि जवाब देना जरूरी है। लेकिन हर बार ऐसा नहीं होता। कभी-कभी चुप रहना ही रिश्तों को बचा लेता है और हमें उस स्तर तक गिरने से रोकता है, जहां से लौटना मुश्किल हो। क्रोध में बोले गए शब्द वापस नहीं आते। बाद में माफी मांगने से भी हर घाव नहीं भरता। इसलिए समझदारी इसी में है कि बोलने से पहले सोचें- क्या यह उत्तर सच में जरूरी है?

AI Image

कुछ लोग चुप रहने को कमजोरी समझ लेते हैं, लेकिन सच यह है कि मौन भी एक उत्तर होता है और अक्सर सबसे प्रभावशाली। जो लोग अपनी शांति और समय की कीमत समझते हैं, वे हर बहस में नहीं पड़ते। ध्यान से देखिए, जब कोई गुस्से में बोल रहा होता है और सामने वाला शांत रहता है, तो वही शांति दूसरे को असहज कर देती है। यही मौन की ताकत है।

अंत में, हर समस्या का समाधान शब्दों में नहीं होता।

कांटे की बात

अलेक्जेंडर और मंगोलों के सेनापति भी फारस की खाड़ी का 2500 साल पुराना नाम नहीं बदल सके। इसलिए आपके इसे अरब की खाड़ी कहने से सच्चाई बदल नहीं जाएगी। आप (पीट हेगसेथ) एक कसान से अधिक कुछ नहीं हैं।

अब्दुलकरीम होसैनजादेह, ईरान के उपराष्ट्रपति

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) आने से कई IT कंपनियां अपने वर्कफोर्स को रीस्ट्रक्चर कर रही हैं। हाल ही में अमेरिकी IT फर्म Oracle ने 30 हजार कर्मचारियों को निकाल दिया। भारत में भी 12 हजार कर्मचारियों पर असर पड़ा है।

काम छीनने पर नए मौक़े भी दे रहा AI

डेटा Window

मीम बहार

फार्मा सेक्टर में रिसर्च, रोज़गार और विकास का नया दौर

भारत आज दुनिया की 'फार्मेसी' के तौर पर अपनी पहचान और पुख्ता कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप अब हम जेनेरिक दवा बनाने वाले देश से आगे बढ़कर नवाचार आधारित वैश्विक शक्ति बनाने की दिशा की ओर अग्रसर हैं। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है, जिससे देश के सभी नागरिक को कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण दवाएं मिल सकें। सरकार निरंतर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देकर देश के फार्मा उद्योग को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रयासरत है।

अनुप्रिया पटेल

रोजगार के नए मौके

भारत की अब तक की सफलता उसकी उत्पादन क्षमता, लागत दक्षता और गुणवत्ता मानकों पर आधारित रही है। विश्व की लगभग 20% जेनेरिक दवाओं और 60% वैक्सीन आपूर्ति के साथ देश ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार ने 8 से 10 बरसों में देश को उच्च-मूल्य, नवाचार-आधारित बायोफार्मा और उन्नत चिकित्सकीय उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसकी आधारशिला के रूप में बजट में घोषित 10,000 करोड़ रुपये की बायोफार्मा शक्ति पहल महत्वपूर्ण है। आंकड़े दर्शाते हैं कि फिलहाल, भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग 50 अरब डॉलर का है। जिस रफ्तार से हम आगे बढ़ रहे हैं 2030 तक इसके 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। फार्मास्युटिकल उद्योग 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। 2030 तक हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में 20 से 25 लाख नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। बायोफार्मा, मेडटेक और क्लीनिकल रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं।

रिसर्च-इनोवेशन को बढ़ावा

हमारी सरकार का मानना है कि युवाओं की सफलता की नींव एक मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर टिकी होती है। इसलिए सरकार ने देश में तीन नए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (NIPER) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, अभी कार्यरत सात NIPER को अपग्रेड किया जा रहा है। इन सात संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है, जो अनुसंधान और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है, NIPER मोहाली में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं की खोज एवं विकास, अहमदाबाद में मेडिकल डिवाइसेज, हैदराबाद में बल्क ड्रग्स, कोलकाता में फ्लो केमिस्ट्री और सतत विनिर्माण, रायबरेली में नोवल ड्रग डिलीवरी सिस्टम, गुवाहाटी में फाइटो फार्मास्युटिकल्स और हाजीपुर में बायोलॉजिकल थेरेप्यूटिक्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं।

इन संस्थानों का सीधा लाभ मारे छात्र केवल जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर और इनोवेटर बनेंगे।

उद्योग-अकादमिक साझेदारी

बदलते दौर में काम करने के तरीके बदल रहे हैं। 2030 तक फार्मा सेक्टर के 30-35% कार्यबल को री-स्किलिंग यानी नए कौशल सीखने की जरूरत होगी। डेटा विश्लेषण, डिजिटल हेल्थ और नियामक मामलों में उच्च कौशल वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी। हमारी सरकार का ध्यान इसी स्किल गैप को भरने पर है। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र क्लीनिकल रिसर्च और अनुसंधान और विकास में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करें। शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल बिठाने के लिए NIPER और उद्योग के बीच 356 MOU पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

युवाओं के लिए रोजगार

कौशल विकास मिशन के जरिये छात्रों को सीधे कंपनियों के साथ जुड़ने के मौके दिए जा रहे हैं। इससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि भारत एक ग्लोबल इनोवेशन हब बनेगा। औषधि क्षेत्र का विकास सकल घरेलू उत्पाद (GDP) बढ़ाने के साथ-साथ देश के युवाओं को सशक्त बनाने का भी एक मिशन है। हम एक ऐसा इकोसिस्टम बना रहे हैं जहां एक छात्र अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से वैश्विक स्तर पर बदलाव ला सके। भारत के औषधि क्षेत्र का यह स्वर्णिम युग हमारे युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है, जो पीएम मोदी के विकसित भारत @2047 के विजन को साकार करने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार कर रहा है।

(लेखिका स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की राज्य मंत्री हैं)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH09 User: cci Time: 04-12-2026 22:36 Color:

1933–2026

किसी नज़र को तेरा इंतज़ार आज भी है, कहां हो तुम कि…

इस सफर में मेरा नाविक संगीत है, जो मुझे जीवन की नदी को पार कराने वाला मार्गदर्शक है

चेस्ट इंफेक्शन के चलते आशा भोसले ने 92 साल की उम्र में रविवार को दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बाद ना सिर्फ म्यूज़िक के चाहने वालों में, बल्कि पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई:

अभी न जाओ छोड़ कर, ये दिल अभी भरा नहीं

चुरा लिया है तुमने जो दिल को
कहीं आग लगे लग जावे
पिया तू अब तो आजा

Rekha.Khan@timesofindia.com

'मैं फिल्म लाइन की आखिरी मुगल हूं'। सुरों की मलिका आशा भोसले ने जब यह कहा था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि वे एक दिन संगीत की दुनिया को यूं दर्द से सन्नाटे में छोड़ जाएंगी। करीब दो साल पहले, 91 की उम्र में दुबई के लाइव कॉन्सर्ट में 'दम मारो दम' गाकर उन्होंने न सिर्फ दर्शकों को झुमाया, बल्कि विकी कौशल के मशहूर 'तौबा तौबा' स्टेप से सभी को मंत्रमुग्ध भी कर दिया था।

खुली किताब सी थी जिंदगी

सुरों की मलिका आशा भोसले से हमारी तीन-चार मुलाकातें रहीं और हर मुलाकात यादगार। पहली ही मुलाकात में उन्होंने चौंका दिया था। दरवाजे की घंटी बजाने पर उन्होंने खुद दरवाजा खोला-सादी सी सफेद साड़ी में एक बेहद सरल, घरेलू स्त्री। उनकी शहद-सी मीठी आवाज में 'आइए' सुनकर लगा, कोई इतना सच्चा, सरल, बिंदास और प्रतिभाशाली कैसे हो सकता है। अपने हाथ की चाय की मीठी चुस्कियों के साथ उन्होंने अपने जीवन के कड़वे पल भी साझा किए थे। उन्होंने कहा था, 'मेरी जिंदगी एक खुली किताब रही है। मैंने कभी खुद को परदे के पीछे नहीं रखा, न ही किसी तरह का भेदभाव किया, शायद यही वजह है कि लोग मुझे अपना मानते हैं।'

'इसे तो लड़की नहीं लड़का होना चाहिए था'

8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र में जन्मी आशा भोसले का जन्म संगीतमय परिवार में हुआ था। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर एक जाने-माने अभिनेता और शास्त्रीय गायक थे। संगीत विरासत में मिला, मगर आशा को संगीत से ज्यादा खेलकूद में रुचि थी। उन्होंने बताया था, 'मेरे पिताजी संगीत के महारथी थे और भाई-बहन भी संगीत प्रेमी। पिताजी मुझे संगीत की तालीम देने की कोशिश करते, मगर मैं तो खेलकूद और घर के कामों में मगन रहती। हमारे स्कूल में एक मास्टरजी थे, वह जब भी मुझे और दीदी को साथ गाने के लिए कहते, मैं भाग जाती थी। मेरे घर वाले और आस-पड़ोस के लोग मुझे बुद्धू, पठान, पहलवान जैसे नामों से बुलाते थे। मां तो कई बार कहती, गलती से मेरे घर में लड़की पैदा हो गई, इसे तो लड़का होना चाहिए था।'

100 रुपए थी पहले गाने की फीस

आशा ने 13 साल की कच्ची उम्र में परिवार के खिलाफ जाकर खुद से 15 साल बड़े गणपतराव भोसले से शादी की। मगर उसके बाद उनकी जिंदगी आसान नहीं रही। उन्होंने बताया, 'गायिका बनने के बारे में तो मैंने सोचा ही नहीं था। मगर घर की खस्ता हालत पर भोसले साहब ने ही मुझे गाने के लिए प्रेरित किया। दरअसल शादी के बाद दिक्कतें बढ़ गई थीं। हम लोग बोरीवली में रहा करते थे, उस जमाने में लक्ष्मी, मिनर्वा, मूवी टोन जैसे फेमस स्टूडियोज घर से बहुत दूर थे। काम पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। मुझे याद है कि मैं अपनी पहली कमाई, जो मुझे सावन आया सावन आया के लिए मिली थी, वह थी 100 रुपए। मैंने वह पैसे अपने पति भोसले साहब के हाथों में रख दिए थे।' अपनी शादी में आशा ने जिंदगी में प्रताड़ना और अवहेलना सही, मगर मातृत्व उनकी जिंदगी में खुशी का चमकता नगीना था। उन्होंने कहा था, 'मां बनना मेरी सबसे बड़ी खुशी थी और उस खुशी के बाद मैंने भोसले साहब के दिए हुए सारे दुःख माफ कर दिए थे।'

अपनी बहन लता मंगेशकर के साथ आशा भोसले

हर तरह के गानों में थीं माहिर

ओपी नैयर और एसडी बर्मन के साथ उनका जादू सिर चढ़कर बोला। नया दौर (1957) के जरिए इस जोड़ी ने एक इतिहास रच दिया, 'उड़े जब-जब जुल्फें तेरी' जैसे गानों ने आशा को पहली बार फिल्म की मुख्य अभिनेत्री की आवाज बनाया और बीआर चोपड़ा जैसे बड़े कैंप का हिस्सा बना दिया। उसी साल (1957) संगीतकार एसडी बर्मन और लता मंगेशकर के बीच हुए मनमुटाव ने आशा के लिए सफलता के नए दरवाजे खोल दिए। सचिन देव बर्मन, किशोर कुमार, आशा भोसले और मजरूह सुल्तानपुरी की चौकड़ी ने हिंदी सिनेमा में रूमानी और चुलबुले गीतों का नया दौर शुरू किया। 'अच्छा जी मैं हारी' जैसे गीतों से लेकर 'नजर लागी राजा तोरे बंगले पर' जैसे ठुमरी-आधारित गीतों तक उन्होंने उनकी प्रतिभा को उभारा। आरडी बर्मन ने संगीत में पाश्चात्य मिजाज को पिरोया, तो आशा ने उस संगीत में बेबाक कशिश और आवाज की खनक के नए रंग भरे।

विवादों से भी रहा नाता

विवाद और आशा का भी चोली-दामन का साथ रहा। ओपी नैयर के साथ उनकी नजदीकियां, आरडी बर्मन के साथ उनकी शादी और निधन के बाद विरासत को लेकर हुई कॉन्ट्रोवर्सी हो या फिर उनके गानों पर लगा बैन (दम मारो दम) हो, वह हर बार [illegible] साबित हुईं। उनका कहना था, 'गलतियां सभी से होती हैं। मुझसे भी हुई हैं। पर मेरा नाम कई झूठे किस्सों में भी घसीटा गया। मैं उसकी परवाह नहीं करती। मैंने देखा है कि महिलाओं को लोग आसानी से जज कर लेते हैं। इसीलिए मैं किसी महिला के बारे में कुछ भी बोलने से पहले सोचती हूं कि पता नहीं वह किन हालातों से गुजरी होगी।'

लता और आशा की प्रतिस्पर्धा

आशा भोसले और लता मंगेशकर जैसी दो महान बहनों की आपसी प्रतिस्पर्धा किसी से भी छिपी नहीं थी। दोनों बहनों की इस प्रतिस्पर्धा पर उन्होंने सादगी से बताया था, 'देखिए, चांद पर पहली बार एक साथ दो लोग उतरे थे, नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन, मगर लोग पहले नाम को याद रखते हैं, जिसने पहले कदम रखा।'

'मैं मोक्ष प्राप्त करूंगी' कहकर चली गई आशा

आशा भोसले को म्यूजिक से इतना प्यार था कि अपने आखिरी सालों में भी उन्होंने गानों को अपनी आवाज दी। उनका आखिरी गाना द रैडंट लाइट इसी साल रिलीज हुआ जो उन्होंने ब्रिटिश वर्चुअल बैंड गोरिल्लाज के साथ गाया था। उन्होंने मार्च में सोशल मीडिया पर इसकी एक तस्वीर साझा की और उसके साथ लिखा था, 'द रैडंट लाइट' गाना मेरे लिए बहुत गहरा अर्थ रखता है। वाराणसी में नदी गंगा के किनारे यात्रा करते हुए, जो कुछ मैंने देखा, उसे करीब से समझने पर मुझे जीवन का अर्थ समझ आया कि मैं कौन हूं और इस धरती पर मुझे क्या करना चाहिए।' उन्होंने आगे लिखा, 'द रैडंट लाइट' में इस गहरी नदी को पार करना मेरे जीवन के सफर को दर्शाता है। इस सफर में मेरा नाविक संगीत है, जो मुझे जीवन की इस नदी को पार कराने वाला मार्गदर्शक है और जब मैं दूसरे किनारे पर पहुंचूंगी, तो मेरा सफर पूरा हो जाएगा। मैं मोक्ष प्राप्त करूंगी, जहां मैं उन हजारों ध्वनियों में एक हो जाऊंगी, जो हमारे चारों ओर हर समय रहती हैं। अगर आप उन ध्वनियों को एक साथ जोड़ दें, तो वे एक सुंदर धुन बनाती हैं। मैं भी उन ध्वनियों में एक बन जाऊंगी।'

Photos: asha.bhosle

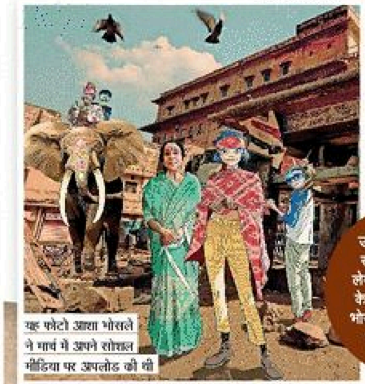

यह फोटो आशा भोसले ने मार्च में अपने सोशल मीडिया पर अपलोड की थी

उपलब्धियां

- पद्म विभूषण (2008)
- दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड (2000)
- 2 राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड
- 9 फिल्मफेयर अवॉर्ड्स
- 18 महाराष्ट्र फिल्म अवॉर्ड्स
- दो बार ग्रैमी में नॉमिनेशन
- 12 हजार से ज्यादा गानों के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में नाम

उस्ताद अली अकबर खान के साथ एल्बम लेगेसी में बेहतरीन काम के लिए 1997 में आशा भोसले को ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेशन मिला था

ब्रेट ली ने भी गाया था आशा संग गाना

साल 2007 में आशा भोसले ने एल्बम आशा एंड फ्रेंड्स के लिए एक खास गाना 'यू आर द वन फॉर मी' रिकॉर्ड किया। इस गाने में क्रिकेटर ब्रेट ली उनके साथ थे, जो उस दौर के सबसे फेमस बॉलर्स में शुमार थे। गाने में ब्रेट ली ने हिंदी में भी लाइन गाई, 'हां, मैं तुम्हारा हूं, तुम्हारा ही रहूंगा' जो आज भी इस गाने की सबसे यादगार लाइन मानी जाती है। तब ब्रेट ली ने उन्हें बेहद विनम्र महिला बताया था।

दम मारो दम गाना आशा भोसले ने ही कहकर फिल्म में रखवाया

फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा के गाने 'दम मारो दम...' आशा जी के जीवन का अहम गाना था। लेकिन यह गाना लगभग फिल्म से हटा ही दिया गया था। 'मोमेंट्स इन टाइम' सीरीज में आशा भोसले ने बताया था कि आशा भोसले ने यह गाना रिकॉर्ड किया। लेकिन दो दिन बाद पंचम दा (आरडी बर्मन) ने फोन करके बोला कि यह गाना फिल्म से हटा दिया गया है। ये बात सुनते ही आशा जी निर्देशक के घर चली गईं। उन्होंने उनसे कहा कि ये गाना आप प्लीज मत हटाइए। आशा जी के बार-बार कहने पर निर्देशक बोले, आप कह रही हैं तो मैं गाना रख लेता हूं। इस तरह ये गाना लोगों तक पहुंच सका।

आशा भोसले ने अपना अंतिम गाना इसी साल गोरिल्लाज के साथ गाया

जब आशा ताई ने खुद को बताया फिल्म लाइन की 'आखिरी मुगल'

एक शो के दौरान आशा जी ने लता मंगेशकर का जिक्र करते हुए कहा था, 'एक दिन लता दीदी ने कहा था कि सब गायक चले गए, किशोर (गायक किशोर कुमार) चले गए, रफी (मोहम्मद रफी) साहब चले गए, मुकेश भाई (म्यूजिक डायरेक्टर) चले गए, अभी हम दोनों आखिरी मुगल रुके हैं। उस दिन (लता जी के निधन के बाद) मैंने दीदी को कहा कि तू भी चली, अब मैं आखिरी मुगल हूं। अब उस जमाने की मैं आखिरी मुगल हूं। 1943 में मैंने पहला गाना गाया था और आज तक मैं गा रही हूं और मैं आखिरी मुगल हूं।'

सितारों ने दी श्रद्धांजलि

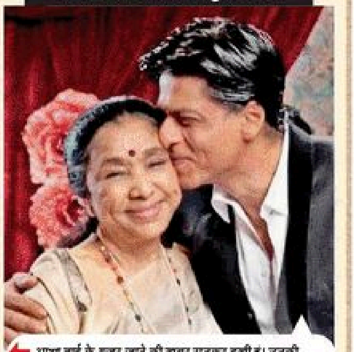

आशा ताई के गुजर जाने की खबर सुनकर दुखी हूं। उनकी आवाज भारतीय सिनेमा के लिए एक पिलर की तरह है और सदियों तक गूंजती रहेगी। उनमें ऐसी प्रतिभा थी जिनका असर कई लोगों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने हमेशा मुझे प्यार और आशीर्वाद दिया है। मैं उन्हें याद करूंगा। - शाहरुख खान

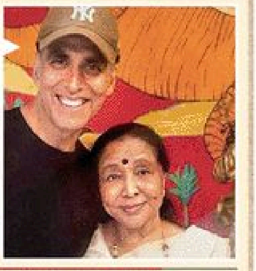

आशा भोसले जी के निधन से मुझे जो क्षति हुई है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनकी सुरीली आवाज हमेशा-हमेशा के लिए अमर रहेगी। - अक्षय कुमार

कुछ चोट ऐसी होती हैं जिनके लगने पर लगता है कि आपके बचपन, आपके घर और आपकी यादों का एक हिस्सा खो गया। बहुत लोगों के लिए आशा जी वह थीं। - प्रियंका चोपड़ा

- एक ऐसी आवाज जिसने पीढ़ियों को परिभाषित किया। आशा जी की विरासत हमेशा हमारे साथ रहेगी। ओम शांति। - अनुष्का शर्मा

भारतीय संगीत जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति। आशा जी के निधन की खबर सुनकर दिल टूट गया है। एक ऐसी आवाज जिसकी जगह कोई नहीं ले पाएगा। आपके गाने आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। - सलमान खान

- कुछ आवाजें ऐसी होती हैं जो पूरे दौर को परिभाषित करती हैं और फिर आती हैं आशा जी। एक ऐसी लेजेंड जिन्होंने कई पीढ़ियों, जॉनर और भावनाओं को अपनी आवाज से सजाया। आज दुनिया थोड़ी खामोश है। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे आशा जी। - अनिल कपूर

आशा जी और उनकी आवाज हमेशा हमारे साथ रहेगी। ओम शांति। - सनी देओल

आशा भोसले के सुपरहिट गाने

आशा भोसले ने 20 से ज्यादा भाषाओं में 12 हजार से ज्यादा गाने गाए। इसके लिए 2011 में उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में शामिल हुआ।

- मांग के साथ तुम्हारा (नया दौर, 1957)
- आइये मेहरबां (हावड़ा ब्रिज, 1958)
- अभी न जाओ छोड़कर (हम दोनों, 1961)
- ओ हसीना जुल्फों वाली (तीसरी मंजिल, 1966)
- दम मारो दम (हरे रामा, हरे कृष्णा, 1971)
- पिया तू अब तो आजा (कारवां, 1971)
- चुरा लिया है तुमने जो दिल को (यादों की बारात, 1972)
- ये मेरा दिल यार का दीवाना (डॉन, 1978)
- दिल चीज क्या है (उमराव जान, 1981)
- तन्हा तन्हा (रंगीला, 1995)
- दिल ले गई ले गई (दिल तो पागल है, 1997)
- कहीं आग लगे लग जावे (ताल, 1999)
- राधा कैसे न जले (लगान, 2001)
- दिल के बदले सनम (क्यों की)

एक गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान स्टूडियो में आशा भोसले

लता मंगेशकर ने बहन आशा के साथ मिलकर यादगार गाने दिए

मेरा नाम जोकर की रिकॉर्डिंग करतीं आशा

लो मेरा प्यार ले लो की रिकॉर्डिंग करते पंचम दा, प्रेम चोपड़ा के साथ आशा

गाने की रिहर्सल करते किशोर कुमार, आशा और पंचम दा

म्यूजिक डायरेक्टर आरडी बर्मन के साथ आशा भोसले

2017 में दिल्ली स्थित मैडम टुसॉड्स म्यूजियम में आशा भोसले का मोम का पुतला लगाया गया जिसका उद्घाटन खुद उन्होंने किया

38*

रन बनाए थे क्रिस मॉरिस ने 9 गेंदों में 422.22 स्ट्राइक रेट से, दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए राइजिंग पुणे सुपरजायंट के खिलाफ साल 2017 के एक IPL मैच में। यह IPL की एक पारी में कम से कम 25 रन बनाने वाले बैटर्स के बीच बेस्ट स्ट्राइक रेट है

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1 IPL की एक पारी में बेस्ट स्ट्राइक रेट का रेकॉर्ड किस प्लेयर के नाम है?
A) आंद्रे रसेल B) क्रिस गेल C) एबी डिविलियर्स D) क्रिस मॉरिस

2 वैभव सूर्यवंशी IPL-19 में कितने रन बना चुके हैं?
A)190 B)200 C)199 D)195

कल के जवाब
1. A) 1 2. A) 7

WINNER

1. बलबीर सिंह, गाजियाबाद, यूपी
2. कुसुम भट्ट, द्वारका, दिल्ली
3. शेखर, लुधियाना, पंजाब

अब आप अपने जवाब हमें वॉट्सऐप करें
8796958780
पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

झारखंड को खिताब

■ रांची: झारखंड ने डिविजन 'ए' के फाइनल में मध्य प्रदेश को 2-1 से हराकर हॉकी इंडिया सब जूनियर विमिंस नैशनल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। तीसरे और चौथे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में ओडिशा ने उत्तर प्रदेश को 4-2 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

इंटर काशी की जीत

■ कोलकाता: मोहम्मद आसिफ के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत इंटर काशी ने इंडियन सुपर लीग में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत से इंटर काशी आठ मैच में 11 अंक के साथ तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गई है। मोहम्मडन सबसे निचले स्थान पर है।

घरेलू मैदान पर गुजरात से हारी लखनऊ की टीम

कृष्णा के साथ गिल के 'जोश' से जीते टाइटंस

■ आशीष राजपूत

लखनऊ: प्रसिद्ध कृष्णा (4/28) की सटीक पेस बोलिंग के बाद शुभमन गिल (56 रन, 40 बॉल, 6 फोर, 1 सिक्स) और जोस बटलर (60 रन, 37 बॉल, 11 फोर) की 84 रन की सूझबूझ भरी पार्टनरशिप की बदौलत गुजरात टाइटंस (GT) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को सात विकेट से शिकस्त दी। पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ ने गुजरात के खिलाफ 164/8 का स्कोर बनाया। गुजरात ने काफी संयमित अंदाज में लक्ष्य का पीछा किया और आठ गेंद बाकी रहते 18.4 ओवर्स में मंजिल हासिल कर ली। यह गुजरात की चार मैचों में लगातार दूसरी जीत है।

नहीं आया कोई बड़ा स्कोर: इससे पूर्व, लखनऊ को पारी का पहला झटका काफी जल्दी लगा। उन्होंने मैच के दूसरे ओवर में ही मिचेल मार्श (11 रन) को पवेलियन भेज दिया। कप्तान ऋषभ पंत (18 रन) भी पावरप्ले के भीतर आउट हो गए। उन्हें मोहम्मद सिराज (1/19) ने अपनी लेंथ-बॉल पर फंसाया। एडेन मारक्रम ने (30 रन) पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके।

सूझबूझ भरी साझेदारी: लक्ष्य का पीछा करने उतरे गुजरात को कप्तान गिल और साई सुदर्शन (15) ने तेज शुरुआत दी। पांच ओवर्स में 45 रन बन चुके थे। दिग्वेश राठी ने पावरप्ले के अंतिम ओवर में साई को आउट किया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। इसके बाद, गिल को बटलर का साथ मिला और दोनों ने मिलकर 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। अंत में वॉशिंगटन सुंदर (21*) और राहुल तेवतिया (10*) ने जीत सुनिश्चित की।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

बटलर एलीट लिस्ट में शामिल

बटलर ने अपनी पारी के दौरान IPL में अपनी 27वीं फिफ्टी पूरी की। वह उनके टी20 करियर की 100वीं फिफ्टी भी थी। वह टी20 क्रिकेट में 100 फिफ्टी जमाने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी हैं। उनके अलावा डेविड वॉर्नर और विराट कोहली यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। बटलर के टी20 में 14000 रन भी पूरे हो गए हैं। वह टी20 में ऐसा करने वाले पांचवें बैटर हैं।

स्कोरकार्ड

LSG: एडेन मारक्रम को वॉशिंगटन बो कृष्णा 30, मिचेल मार्श को गिल बो सिराज 11, ऋषभ पंत को तेवतिया बो सिराज 18, आयुष बडोनी को फिलिप्स बो कृष्णा 9, निकोलस पूरन को शुभमन बो कृष्णा 19, अब्दुल समद बो कृष्णा 18, मुकुल चौधरी 18, अवेश खान नॉट आउट 4 रन **एक्स्ट्राज:** 8 **टोटल:** 20 ओवर्स में आठ विकेट पर 164 रन **विकेट:** 1-14, 2-45, 3-69, 4-74, 5-109, 6-118, 7-131, 8-157 **बोलिंग:** मोहम्मद सिराज 4-0-19-1, कगिसो रबाडा 4-0-54-1, राशिद खान 4-0-25-0, अशोक शर्मा 4-0-32-2, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-28-4

GT: साई सुदर्शन को अवेश खान बो राठी 15, शुभमन गिल 56, जोस बटलर को मार्करम बो शमी 60, वॉशिंगटन सुंदर नॉट आउट 21, राहुल तेवतिया नॉट आउट 10 रन **एक्स्ट्राज:** 3 रन **टोटल:** 18.4 ओवर्स में तीन विकेट पर 165 रन **विकेट:** 1-45, 2-129, 3-135 **बोलिंग:** मोहम्मद शमी 4-0-36-1, प्रिंस यादव 4-0-31-1, दिग्वेश राठी 4-0-31-1, जॉर्ज लिंडे 3-0-28-0, अवेश खान 2-0-24-0, एडेन मार्करम 1.4-0-15-0

चैलेंजर्स की चुनौती के आगे मुंबई पस्त

बेंगलुरु ने दर्ज की तीसरी जीत, MI को मिली तीसरी हार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली/मुंबई: ओपनर फिल सॉल्ट (78 रन, 36 बॉल, 6 फोर, 6 सिक्स) और कप्तान रजत पाटीदार (53 रन, 20 बॉल, 4 फोर, 5 सिक्स) की तेज फिफ्टी के साथ विराट कोहली की 50 रन की एंकर पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने मुंबई इंडियंस को उसके घर पर 18 रन से शिकस्त दी। गत चैंपियन RCB ने तीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत वानखेड़े पर अपना हाइएस्ट टोटल (240/4) बनाया। इससे पहले साल 2015 में उसने इस मैदान पर 235/1 का अपना रेकॉर्ड टोटल बनाया था। इसके जवाब में मेजबान मुंबई की टीम 222/5 रन तक ही पहुंच सकी। कप्तान हार्दिक पंड्या (40) ने बीच में उम्मीद बनाए रखी, लेकिन अच्छी शुरुआत नहीं मिलने का नुकसान मुंबई को हुआ। इम्पैक्ट प्लेयर शेरफेन रदरफोर्ड (71 रन, 31 बॉल, 1 फोर, 9 सिक्स) ने मैच हाथ से निकल जाने के बाद आखिर में तेजी से रन बटोरकर हार के अंतर को कम किया। RCB की चार मैचों में यह तीसरी जीत रही जबकि मुंबई की चार मैचों में तीसरी हार।

RCB MI
मैच नंबर-20

फिल-रजत ने दिए जख्म: इससे पहले, सॉल्ट-विराट की जोड़ी ने पावरप्ले में RCB के खाते में 71 रन जोड़ दिए। इसमें विराट के नाम 14 बॉल पर 22 रन रहे, जबकि सॉल्ट ने 22 बॉल पर 47 रन ठोके। सॉल्ट ने फिर 25 बॉल पर अपनी फिफ्टी पूरी की। टीम का टोटल भी 8.4 ओवर्स में तीन अंकों में पहुंच गया। शार्दुल ने 11वें ओवर में सॉल्ट को आउट करके 120 रन की साझेदारी तोड़ी। इसके बाद पाटीदार ने क्रीज पर आते ही मयंक मार्कंडे पर तीन लगातार सिक्स के साथ पारी का आगाज किया। रजत 11 बॉल पर 44 रन पर पहुंच गए थे। वह IPL की सबसे तेज फिफ्टी से सिर्फ एक सिक्स दूर थे, लेकिन इस कमाल से वह चूक गए। उन्होंने 17 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की।

स्कोरकार्ड

RCB: फिल सॉल्ट को हार्दिक बो शार्दुल 78, विराट कोहली को सूर्यकुमार बो हार्दिक 50, रजत पाटीदार को तिलक बो सैंटनर 53, टिम डेविड नॉट आउट 34, जितेश शर्मा एलबीडब्ल्यू बो बोल्ट 10, रोमारियो शेफर्ड नॉट आउट 2 **एक्स्ट्राज:** 13 **टोटल:** 20 ओवर्स में चार विकेट पर 240 रन **विकेट:** 1-120, 2-185, 3-194, 4-231 **बोलिंग:** ट्रेंट बोल्ट 4-0-50-1, हार्दिक 4-0-39-1, बुमराह 4-0-35-0, सैंटनर 4-0-43-1, मार्कंडे 2-0-40-0, शार्दुल ठाकुर 2-0-32-1

MI: रयान रिकेल्टन को भुवनेश्वर बो सुयश 37, रोहित शर्मा रिटायर्ड हर्ट 19, सूर्यकुमार यादव को रसिख बो क्रुणाल 33, तिलक वर्मा को डफी बो सुयश 1, हार्दिक पंड्या को शेफर्ड बो डफी 40, शेरफेन रदरफोर्ड नॉट आउट 71, नमन धीर को पाटीदार बो रसिख 1, मिचेल सैंटनर नॉट आउट 8, **एक्स्ट्राज:** 12, **टोटल:** 20 ओवर्स में पांच विकेट पर 222 रन, **विकेट:** 1-72, 2-74, 3-121, 4-144, 5-154 **बोलिंग:** जैकब डफी 4-0-58-1, भुवनेश्वर कुमार 4-0-38-0, रसिख सलाम 2.5-0-23-1, क्रुणाल पंड्या 4-0-26-1, सुयश शर्मा 4-0-47-2, रोमारियो शेफर्ड 1.1-0-28-0

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

आयुष का ड्रीम रन सिल्वर पर थमा

■ एजेंसियां, निंगबो (चीन): भारत के आयुष शेट्टी का बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में ड्रीम रन सिल्वर मेडल पर थम गया। संडे को हुए फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ उन्हें 8-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष हार के बावजूद दिनेश खन्ना के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय मेंस सिंगल्स खिलाड़ी बने। खन्ना इस प्रतियोगिता में एकमात्र भारतीय सिंगल्स चैंपियन हैं। उन्होंने 1965 में यह खिताब जीता था।

आयुष शेट्टी

रॉयल्स को रोकने उतरेगा SRH

■ एजेंसियां, हैदराबाद: राजस्थान रॉयल्स (RR) आज उप्पल स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य मेजबान टीम के खिलाफ लगातार हार के सिलसिले को खत्म करना होगा। दोनों के बीच पिछले पांच मुकाबलों में से चार में सनराइजर्स ने जीत दर्ज की है और साल 2023 के बाद से राजस्थान उसको नहीं हरा पाया है। हालांकि, इस सीजन रॉयल्स ने दबदबा जमाते हुए अब तक अपने चारों मैच जीते हैं। इस जीत में क्रिकेट की दुनिया के नई सनसनी वैभव सूर्यवंशी का बड़ा योगदान रहा है। वह चार पारियों में 200 रन बना चुके हैं। दूसरी ओर, हेनरिक क्लासेन के अलावा अभिषेक शर्मा सहित SRH के अन्य बैटर्स निरंतरता से रन नहीं बना पाए हैं।

SRH RR
मैच नंबर-21

राजस्थान के बैटर वैभव

मैराथन

सावन ने तोड़ा 48 साल पुराना रेकॉर्ड

■ एजेंसियां, रोटरडैम: सावन बरवाल ने संडे को रोटरडैम एनएन मैराथन में भारतीय ऐथलेटिक्स के इतिहास में सबसे लंबे समय से कायम 48 साल पुराने राष्ट्रीय मैराथन रेकॉर्ड को तोड़ दिया। सावन ने दो घंटे 11 मिनट और 58 सेकंड का समय लेकर मैराथन में 20वां स्थान हासिल किया। इस समय के साथ उन्होंने शिवनाथ सिंह के नाम 1978 से कायम दो घंटे 12 मिनट के पिछले नैशनल रेकॉर्ड को तोड़ दिया।

सावन बरवाल

वैशाली टॉप पर मज़बूत

■ एजेंसियां, पाफोस: भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली ने विमिंस कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट के 11वें राउंड में रूस की अलेक्सांद्रा गोर्याचकिना को मात देकर टॉप पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। वैशाली की यह चौथी जीत थी और 11 मुकाबलों में अब उनके नाम सात अंक हो गए हैं। इस जीत के साथ वैशाली ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी अन्ना मुजीचुक और जिनेर झू पर भी बढ़त बढ़ा दी। ओपन वर्ग में भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गनानंदा के नाम 4.5 अंक हैं और वह खिताबी दौड़ से बाहर हो चुके हैं।

चेस बोर्ड

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली

आरित, शिविका का कमाल

नई दिल्ली: दिल्ली के 10 वर्षीय आरित कपिल ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता के अंतिम दौर में ऑस्ट्रेलिया के सैमुअल असाका के साथ ड्रॉ खेला और इंटरनैशनल मास्टर (IM) नॉर्म हासिल करने वाले भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। **उधर, बुडापेस्ट में** भारत की 18 वर्षीय शिविका रोहिल्ला सैटरडे चेस टूर्नामेंट की नौ बाजियों में 4.5 अंक जुटाकर विमिंस इंटरनैशनल मास्टर बन गईं।

ज्योति, मधुरा, प्रगति की तिकड़ी को स्वर्ण

■ एजेंसियां, पुएब्ला (मेक्सिको): भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धामनगांवकर और प्रगति की कंपाउंड महिला तिकड़ी ने आर्चरी वर्ल्ड कप के पहले चरण में अमेरिका को 233-232 से हराकर गोल्ड जीता। यह इस सीजन की शुरुआती प्रतियोगिता में भारत का पहला मेडल है। रिकर्व और मेंस के कंपाउंड वर्ग के कोई भी तीरंदाज अपने लक्ष्य को भेद नहीं पाए और खाली हाथ लौटे। भारत की कंपाउंड मिक्स्ड टीम प्रगति और ओजस प्रवीण देवताले को ब्रॉन्ज मेडल मैच में हार का सामना करना पड़ा।

आर्चरी वर्ल्ड कप

बायर्न ने अपना ही 54 साल पुराना रेकॉर्ड तोड़ा

■ एजेंसियां, बर्लिन: बायर्न म्यूनिख ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलिगा में एक सीजन में सर्वाधिक गोल करने का अपना ही 54 साल पुराना रेकॉर्ड तोड़ दिया। लियोन गोरेत्जका का गोल बायर्न का लीग में इस सीजन का 102वां गोल था, जिससे उसने नया रेकॉर्ड बनाया। इससे पहले का रेकॉर्ड (101 गोल) भी बायर्न के नाम पर ही दर्ज था जो उसने 1971-72 में बनाया था। बायर्न ने इस मैच में सेंट पाउली को उसके घरेलू मैदान पर 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत से बायर्न ने बुंडेसलिगा में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को भी मजबूत किया।

फुटबॉल कॉर्नर

एटा ने रचा इतिहास: मारी-लुईन एटा ने बुंडेसलिगा के क्लब यूनियन बर्लिन की मेंस टीम की हेड कोच बनकर इतिहास रच दिया है। वह पहली महिला कोच हैं, जिन्हें बुंडेसलिगा में सीनियर मेंस टीम का हेड कोच बनाया गया है।

एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप

अमन, मुकुल के हाथ आया सिल्वर

■ एजेंसियां, बिश्केक: एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 के अंतिम दिन 61 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में अमन सहरावत को नॉर्थ कोरिया के क्वांग म्योंग किम से 10-13 से हारकर सिल्वर से संतोष करना पड़ा। वहीं 86 किग्रा में मुकुल दहिया ईरान के कमरान घासेमपुर से 0-7 से हार गए। दिनेश ने 125 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज जीता। भारत ने अंतिम दिन दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज के साथ अभियान का समापन किया। कुल मिलाकर भारत ने 2 गोल्ड, 6 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज सहित 17 मेडल जीते। भारत पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। द्वादश भाव (व्यय भाव) में सूर्य की उपस्थिति है, परंतु एकादश भाव (लाभ भाव) का चंद्रमा राज्य से सम्मान तथा रुके हुए कार्यों की सिद्धि कराएगा। धार्मिक यात्रा का प्रबल योग बनेगा, हालांकि किसी कारण से वह स्थगित भी हो सकता है।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आपकी राशि का स्वामी शुक्र द्वादश भाव में रहकर मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि कर रहा है। चंद्रमा दशम भाव (कर्म भाव) में होने से आपकी निर्णय क्षमता और विचार शक्ति का विस्तार होगा। सत्ता और शासन से जुड़े व्यक्तियों के सहयोग से धन लाभ के योग हैं। अवसर का लाभ उठाने के लिए तत्पर और सचेष्ट रहें।

GEMINI 21 May - 21 Jun
राशि स्वामी बुध, कुंभ राशि में राहु के साथ नवम भाव (भाग्य भाव) में गोचर कर रहे हैं। इसके प्रभाव से अज्ञात शत्रुता या बिना बात की चिंता मन को घेर सकती है। चतुर्थ भाव में केतु और जन्म राशि से क्रूर की स्थिति माता के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। व्यवसाय में अधिक सावधानी बरतें।

CANCER 22 Jun - 22 July
आज का दिन आपके लिए सुख-शांति लेकर आएगा। पिछले कई दिनों से चल आ रहा मानसिक तनाव आज कम होगा। राशि स्वामी चंद्रमा अष्टम भाव में होने के बावजूद आपके पराक्रम में वृद्धि करेंगे और कोर्ट-कचहरी के मामलों में विजय दिलाएंगे। मिथुन राशि का शुक्र आपकी पत्नी को रोगमुक्त करेगा।

LEO 23 July - 22 Aug
राशि स्वामी सूर्य अष्टम भाव में कुंभ राशि का होकर गोचर कर रहे हैं। चंद्रमा सप्तम भाव में होने के कारण अचानक बड़ी मात्रा में धन लाभ कराकर आपके कोष की वृद्धि करेंगे। शाम के समय कोई खुशी देने वाला समाचार प्राप्त होगा और रात में किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज आपके स्वास्थ्य और पिछले कुछ समय से सुस्त पड़े कारोबार में सुधार होगा। मन के अनुकूल धन लाभ होने से आपका मनोबल बढ़ेगा। पत्नी और संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। यदि रिश्तेदारों के साथ मनमुटाव है, तो उसे दूर करने का यह अच्छा समय है।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आपकी राशि के स्वामी शुक्र का मेष राशि में प्रवेश हो चुका है। इससे आपको राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने के नए अवसर प्राप्त होंगे। सांसारिक सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी और परिवार में मांगलिक परिवर्तन के योग हैं। रात में किसी विशिष्ट व्यक्ति से मुलाकात होने से आपके लंबे समय से रुके हुए महत्वपूर्ण कार्यों में गति आएगी। अच्छा सही समय है, अतः अवसरों का लाभ उठाने से न चूकें।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज का दिन विशेष व्यस्तता भरा रहेगा, फिर भी आप स्वयं को तनावमुक्त महसूस करेंगे। आपकी राशि से पंचम भाव में शनि का योग बना हुआ है, इसलिए विवेक और धैर्य से काम लें। निकटवर्ती लोगों से व्यर्थ के विवाद में न उलझें, अन्यथा हानि हो सकती है। खान-पान में सावधानी बरतें।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आपकी राशि पर मंगल की दृष्टि अग्नि या चोरी का भय उत्पन्न कर सकती है, सतर्क रहें। पंचम भाव में शनि की उपस्थिति व्यर्थ के व्यय और जीवनसाथी को कष्ट दे सकती है। यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। तृतीय भाव का चंद्रमा शाम तक कोई शुभ समाचार देगा, जिससे मन खुश रहेगा।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज का दिन आपके प्रभाव और प्रताप को बढ़ाने वाला है। चतुर्थ भाव (सुख भाव) में राहु की स्थिति भूमि और संपत्ति के कार्यों से अप्रत्याशित लाभ कराएगी। अच्छे पुरुषों के सान्निध्य से मन प्रसन्न रहेगा। उच्चाधिकारियों के सहयोग से सरकारी या राजकीय क्षेत्रों में बिगड़े हुए काम फिर से बन जाएंगे।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आपकी राशि का स्वामी शनि, मीन राशि में होकर द्वितीय भाव (धन भाव) में स्थित है। चंद्रमा आज आपकी ही राशि (प्रथम भाव) में गोचर कर रहा है, जो आय के नए स्रोत विकसित करेगा। आपके शत्रु और प्रतिद्वंद्वी पराजित होंगे। कोई नया परिचय स्थायी मित्रता में बदल सकता है। समय का पूरा लाभ उठाएं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
राशि स्वामी गुरु पिछले कई दिनों से मिथुन राशि में होकर चतुर्थ भाव में भ्रमण कर रहे हैं। चंद्रमा आज द्वादश भाव में होने के बावजूद उत्तम संपत्ति का सुख प्रदान करेगा। खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा वापस मिलने की प्रबल संभावना है। अपनी बुद्धिमानी और सोच-विचार की शक्ति के बल पर आप किसी कठिन समस्या का समाधान खोज लेंगे। मित्रों से सहयोग मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(13 अप्रैल -19 अप्रैल 2026)

[आचार्य नंदिता पांडे]

● मूलांक 1
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं अपने प्रोजेक्ट को सफल बनाने की आपको कई अवसर मिलते जाएंगे। आर्थिक मामलों में कोई नया निवेश आपके लिए धन लाभ की स्थितियां बनाएगा एवं ओवरऑल आर्थिक स्थिति बेहतर होती जाएगी।

● मूलांक 2
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में उतार चढ़ाव रहेंगे एवं लापरवाही नहीं बरतेंगे तो सुख समृद्धि के शुभ संयोग भी बनते जाएंगे। प्रेम संबंध में बातचीत द्वारा उलझनों को सुलझाएं तो बेहतर रहेगा। आर्थिक मामलों में हालांकि खर्च अधिक दिखाई देते हैं एवं आपको अपने निवेशों की तरफ ध्यान देने की जरूरत है।

● मूलांक 3
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
आर्थिक मामलों में स्थितियां बेहतर होती जाएगी एवं आप अपनी मेहनत द्वारा धन अर्जित करने में सक्षम रहेंगे। इस सप्ताह आपको दूसरे लोग मदद करेंगे एवं महिला वर्ग से विशेषकर धन प्राप्ति के संयोग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी।

● मूलांक 4
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
कार्यक्षेत्र से संबंधित कोई सुखद समाचार आपको सप्ताह की शुरुआत में मिल जाएगा। इस सप्ताह आपके प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होते जाएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम को सुदृढ़ बनाने के कई अवसर आपको प्राप्त होंगे।

● मूलांक 5
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं साझेदारी में किए गए कार्य आपके लिए उत्तम स्थितियां बनाएंगे। इस सप्ताह साझेदारी में किए गए कोई भी कार्य आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आ रहे हैं। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा।

● मूलांक 6
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
आर्थिक मामलों में स्थितियां अच्छी रहेंगी एवं आप उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। इस सप्ताह किए गए निवेश भी आपके लिए उत्तम स्थितियां बनाएंगे एवं धन वृद्धि के योग बनेंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा।

● मूलांक 7
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। हालांकि,

स्थितियां अभी आपकी अपेक्षाओं से कमतर ही रहेंगी, लेकिन फिर भी उन्नति होगी। आर्थिक मामलों में भावनात्मक कारणों की वजह से व्यय अधिक होंगे।

● मूलांक 8
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी एवं निवेशों द्वारा धन प्राप्ति के योग बनते जाएंगे। इस सप्ताह कोई ऐसा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं जिसके द्वारा धन वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में अहं के टकराव बढ़ सकते हैं। मन अशांत रहेगा।

● मूलांक 9
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
इस सप्ताह जीवन में उतार चढ़ाव रहेंगे एवं संयम के साथ किसी भी निर्णय पर पहुंचेंगे तो आपके लिए उत्तम रहेगा। कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार का बाहरी हस्तक्षेप आपके जीवन में कष्ट लेकर आ सकता है।

सुडोकू

		5		8		1		
			4		2			
4	9						7	8
1		6	2		5	9		3
				9				
8		9	3		6	2		7
2	4						5	1
			7		8			
		7		5		8		

कल के सुडोकू का जवाब

9	1	2	8	7	4	3	5	6
4	3	5	6	1	9	7	2	8
6	8	7	2	5	3	9	1	4
5	7	8	9	2	6	1	4	3
2	9	4	7	3	1	6	8	5
3	6	1	5	4	8	2	7	9
8	5	6	1	9	7	4	3	2
7	2	3	4	6	5	8	9	1
1	4	9	3	8	2	5	6	7

TELEVISION big magic

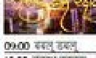

09:00 [illegible]
10:00 [illegible]
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 [illegible]
13:30 [illegible]
14:30 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
16:30 प्यार मोहब्बत [illegible]
19:30 रुद्र के रक्षक
21:00 [illegible]

कल का पंचांग

(मंगलवार, 14 अप्रैल 2026)

राष्ट्रीय मिति चैत्र 24, शक संवत 1948, वैशाख कृष्ण, द्वादशी, मंगलवार, विक्रम संवत 2083। सौर वैशाख मास प्रविष्टे 1, शव्वाल 25, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तदनुसार अंग्रेजी तारीख 14 अप्रैल 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, बसंत ऋतु। राहुकाल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। द्वादशी तिथि अर्धरात्रोत्तर 12 बजकर 13 मिनट तक के बाद त्रयोदशी तिथि का आरंभ। शतभिषा नक्षत्र शाम 4 बजकर 6 मिनट तक के बाद पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र का आरंभ। शुक्ल योग अपराह्न 3 बजकर 40 मिनट तक के बाद ब्रह्म योग का आरंभ। कौलव करण मध्याह्न 12 बजकर 41 मिनट तक के बाद गर करण का आरंभ। चंद्रमा दिन रात कुंभ राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार वरूथिनी एकादशी व्रत, श्री वल्लभाचार्य जयंती।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष आपको रजत पाद से प्रवेश कर रहा है। वर्ष पति बुध दशम केंद्र में फरवरी के शेष दिनों में राज्य मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि करेगा। यह वर्ष पूरी तरह बृहस्पति के प्रभाव क्षेत्र में रहेगा जो वक्री मिथुन राशि पर संचार कर रहा है। अप्रैल से लेकर मई-जून तक आपके ज्ञान-विज्ञान की विशेष वृद्धि होगी, लेकिन जुलाई-अगस्त में आयात-निर्यात के व्यवसाय से जुड़े जातकों को बार-बार नई समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। सितंबर में सभी बाधाएं दूर होकर व्यापार के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। अक्टूबर आते-आते जहां आपको किसी भाग्यवर्धक क्षेत्र से जुड़ना पड़ेगा, वहीं नवंबर में आपके कार्य कौशल व एकाग्रता से सभी कठिन कार्य सरल हो जाएंगे। इस वर्ष के उत्तरार्ध में आपका जीवन स्तर ऊंचा उठेगा और दिसंबर से जनवरी 2027 के मध्य लोग आपके कार्य कौशल की भूरि-भूरि प्रशंसा करेंगे। 1 फरवरी से 10 फरवरी तक का समय कीर्ति की वृद्धि करने वाला है। महिलाओं के दाम्पत्य जीवन में सरसता बढ़ेगी और विद्यार्थियों को साधारण परिश्रम से ही उच्च सफलता प्राप्त होगी। यह वर्ष राज्य से सम्मान व रुके कार्यों की सिद्धि कराने वाला सिद्ध होगा, साथ ही देशाटन व धार्मिक कार्यों पर व्यय करने से आपके पुण्य में बढ़ोतरी होगी।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix
MONDAY, APRIL 13, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

अमिताभ बच्चन ने कहा, 'डिजिटल दौर में लोगों के सोचने का तरीका बदला है'

Pic: @tarasutaria

तारा सुतारिया

'मुझे बर्दाश्त नहीं रिश्ते में बेईमानी'

तारा सुतारिया सुतारिया ने हाल ही में प्यार, शादी और बच्चों के बारे में खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उनके लिए भावनाएं सबसे ज्यादा अहमियत रखती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि प्यार को लेकर दोनों लोगों की सोच एक जैसी या कम से कम मिलती-जुलती होनी चाहिए। बुनियादी बातें मिलनी चाहिए, जैसे आपका आधार और आपकी नींव। आप लोगों के बारे में कैसा महसूस करते हैं, इसमें समानता होनी चाहिए।' इसी के साथ उन्होंने कहा कि विनम्र स्वभाव उनके लिए सबसे ऊपर है।

बकौल तारा, 'विनम्रता ऐसी चीज है जिस पर कोई समझौता नहीं हो सकता।' साथ ही उन्होंने झगड़ों को समझदारी से सुलझाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'जब आपकी राय अलग हो, तब भी आप सामने वाले को कैसा महसूस कराते हैं, आप विवादों को कैसे संभालते हैं और क्या आप असहमति पर भी एक-दूसरे का सम्मान कर पाते हैं, यह बहुत जरूरी है।' गौरतलब है कि तारा और वीर पहाड़िया रिलेशनशिप में थे। मगर कुछ समय पहले दोनों के ब्रेकअप की खबरें आईं। हालांकि दोनों में से किसी ने इस पर बात नहीं की।

> मुझे लगता है कि प्यार को लेकर दोनों लोगों की सोच एक जैसी या कम से कम मिलती-जुलती होनी चाहिए

'प्यार से ज्यादा पसंद जरूरी'

तारा से उन चीजों के बारे में पूछा गया जिन्हें वह रिश्ते में बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकतीं, तो उन्होंने कहा, 'धोखा और विश्वासघात, झूठ, बेईमानी, दिखावा...मैं ये सब बर्दाश्त नहीं कर सकती क्योंकि मैं कभी किसी के साथ ऐसा नहीं करूंगी।' तारा ने कहा कि रिश्ते में सिर्फ प्यार ही काफी नहीं होता। उन्होंने कहा, 'प्यार करने से पहले आपको एक-दूसरे को पसंद करना चाहिए। जब आप किसी से प्यार करते हैं, तो आपको खुद से पूछना चाहिए कि जब आप हर समय उनके साथ होते हैं, तब आप उन्हें असल में कितना पसंद करते हैं? कभी-कभी आपको उन्हें प्यार से भी ज्यादा पसंद करना पड़ता है।' उन्होंने आगे कहा कि गहरे रिश्ते बनाने में खुद की पहचान होना बहुत जरूरी है। तारा के अनुसार, 'अगर आप खुद को नहीं जानते, तो आप किसी और को गहराई से नहीं जान सकते।'

अहान-अनीत ने बताया, कैसा है नई पीढ़ी का प्यार

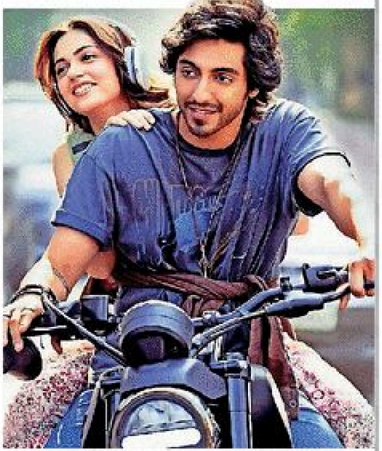

अहान पांडे पांडे और अनीत पड्डा का कहना है कि Gen Z के लिए प्यार हमेशा परियों की कहानियों जैसा परफेक्ट नहीं होता, बल्कि यह काफी उलझा हुआ होता है। अनीत पड्डा ने Gen Z का पक्ष रखते हुए कहा कि उनकी पीढ़ी के लिए प्यार की परिभाषा थोड़ी अलग है। उन्होंने इस सोच को शेयर किया जिसके अनुसार, आज के युवा हर चीज से अलग-अलग रहते हैं। अनीत ने कहा, 'Gen Z असल में बहुत संवेदनशील है और अपने आसपास की हर चीज को लेकर जागरूक है। वे उन चीजों पर सवाल उठाने से नहीं डरते जो उन्हें सही नहीं लगतीं। आज की पीढ़ी केवल सच्चाई में विश्वास रखती है।' वहीं 1997 में जन्मे अहान पांडे ने कहा कि कुछ समय पहले तक मुझे लगता था कि मैं मिलेनियल हूं, लेकिन अब खुद को Gen Z का हिस्सा मानता हूं। वह कहते हैं, 'Gen Z बहुत गहराई से महसूस करता है और उन्होंने अपने लिए स्पेस बनाना और खुश रहना सीख लिया है।'

> Gen Z असल में अपने आसपास की हर चीज को लेकर जागरूक है। वे उन चीजों पर सवाल उठाने से नहीं डरते, जो उन्हें सही नहीं लगती

लाल सिंह चड्ढा के एक सीन में आमिर खान और करीना

...तो जुनैद होते लाल सिंह चड्ढा

आमिर खान ने बताया है कि वह अपने बेटे जुनैद खान को फिल्म लाल सिंह चड्ढा में लेना चाहते थे लेकिन कुछ कारणों की वजह से नहीं ले पाए। आमिर ने कहा, 'जुनैद का टेस्ट परफॉर्मेंस इतना शानदार था कि वह उनके दिमाग में घर कर गया और बाद में जब आमिर ने खुद वह रोल निभाया, तो जुनैद की ऐक्टिंग का असर उनकी परफॉर्मेंस पर साफ नजर आया। आमिर ने कहा, 'इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई जब जुनैद लॉस ऐंजिलिस से अपना ऐक्टिंग कोर्स पूरा करके लौटे थे। मैं उसकी काबिलियत परखना चाहता था, इसलिए मैंने निर्देशक अद्वैत चंदन से जुनैद के साथ फिल्म के करीब 7-8 महत्वपूर्ण सीन शूट करने को कहा।' आमिर ने बताया, 'जब मैंने जुनैद का करीब 20 मिनट का टेस्ट फुटेज देखा, तो मैं दंग रह गया। किरण राव समेत इंडस्ट्री के लोगों ने जुनैद को सराहा।' आमिर ने खुलासा किया कि लॉस ऐंजिलिस स्थित स्टूडियो के हेड निम इस बात को लेकर थोड़े दुविधा में थे। इसलिए जुनैद को फिल्म में कास्ट नहीं किया जा सका।

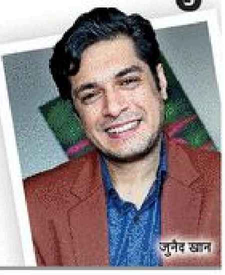

जुनैद खान

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

सुनहरी फसल और नया साल

भांगड़ा और खुशियों के शोर में मनेगा बैसाखी का त्योहार!

File

- बैसाखी रबी फसल के पकने और उसकी कटाई के शुरू होने का त्योहार है। बैसाखी पर किसान कड़ी मेहनत के बाद फसल को लहराते देख खुशी मनाते हैं और नए साल का स्वागत करते हैं।
- बैसाखी का दिन सिख समुदाय के लोगों के लिए बहुत जरूरी माना जाता है। इस दिन साल 1699 में गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।
- कल पूरे देशभर में बैसाखी मनाई जाएगी। खेतों में लहराती सुनहरी फसल और हवा में गूंजती ढोल की थाप के साथ लोग जश्न मनाते, नाचते-गाते दिखेंगे।

गढ़वाली-कुमाऊंनी सीखने का दोबारा मिल रहा मौका

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अगर आपको या आपके बच्चों को गर्मियों की छुट्टी में गढ़वाली-कुमाऊंनी भाषा सीखनी है तो उत्तराखंड लोक-भाषा साहित्य मंच, दिल्ली एक बार फिर इसकी व्यवस्था करने जा रहा है। बीते कई वर्षों से मंच ये कक्षाएं दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में लगाता आ रहा है।

मंच के संयोजक दिनेश ध्यानी ने बताया कि 6 अप्रैल, 2026 को न्यू अशोक नगर दिल्ली में आयोजित भाषा कार्यशाला संचालन समिति की बैठक डीपीएमआई के चेयरमैन, मंच के संरक्षक डॉ विनोद बछेती की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में तय हुआ कि ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का संचालन 24 मई 2026 से होगा।

इससे पहले 10 मई 2026 को शिक्षकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। साथ ही 17 मई, 2026 को प्रत्येक केंद्र को पाठ्यसामग्री वितरित की जाएगी। दिनेश ध्यानी ने बताया कि मंच वर्ष 2016 से लगातार दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तराखण्ड के श्रीनगर, देहरादून, अल्मोड़ा, लोहाघाट में ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का संचालन कर रहा है। साथ ही इंग्लैंड में ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं। ध्यानी ने बताया कि हमारी कोशिश है कि नई पीढ़ी अपनी भाषा, संस्कृति व सरोकारों से जुड़े।

उत्तराखण्ड लोक-भाषा साहित्य मंच दिल्ली के संरक्षक डाक्टर विनोद बछेती ने बताया कि मंच की ओर से आयोजित ग्रीष्मकालीन कक्षाओं में दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट का सहयोग बराबर रहता है। जब हमारी भाषा बचेगी तभी हमारी पहचान बची रहेगी। बैठक में दयाल नेगी, रेखा चौहान, दिग्मोहन कैंतुरा, गिरीश सत्यबली, राजेश डंडरियाल आदि उपस्थित थे।

गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों के लिए क्लासों की शुरुआत 24 मई से होगी

हिमाचली संस्था ने लगाया हेल्थ कैंप

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दिल्ली में रहने वाले हिमाचलियों की संस्था हिम सामाजिक संगठन ने भगवान परशुराम सेवा प्रतिष्ठान के साथ मिलकर रोहिणी में फ्री हेल्थ कैंप लगाया। संस्था के प्रधान कुलदीप सिंह राणा और महासचिव दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि इसमें मैक्स हॉस्पिटल शालीमार बाग के डॉक्टर्स ने जांच की। इस आयोजन को सफल बनाने में मुख्य संरक्षक रविंदर शर्मा, चेयरमैन संजीव शर्मा और संगठन के पदाधिकारी रमेश शर्मा, संजय अवस्थी, प्रताप चंद, राम रतन शर्मा, मेघनाथ ठाकुर, वीर सिंह रिवत, राकेश शर्मा प्रमुख थे।

'गोलज्यू' की देवगाथा का हिंदी में मंचन

14 अप्रैल को कमानी ऑडिटोरियम में होगा नाटक 'बाला गोरिया'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

उत्तराखंड की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपरा को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित करने के लिए निरंतर सक्रिय पर्वतीय लोक कला मंच, दिल्ली की ओर से आगामी 14 अप्रैल 2026 को कमानी ऑडिटोरियम, मंडी हाउस, नई दिल्ली में कुमाऊंनी लोकदेवता गोलज्यू (गोरिया) की देवगाथा पर आधारित भव्य संगीतमय हिंदी नाटक 'बाला गोरिया' का मंचन किया जाएगा।

नाटक की पटकथा एवं निर्देशन हेम पंत की ओर से किया जा रहा है, जबकि डॉ कमल कर्नाटक सह-निर्देशन का दायित्व निभा रहे हैं। प्रस्तुति का संगीत महेंद्र पांडे ने तैयार किया है।

हेम पंत ने बताया कि 'बाला गोरिया' केवल एक नाटक नहीं, बल्कि लोकदेवता गोलज्यू से जुड़ी उस जीवित परंपरा का कलात्मक रूपांतरण है, जिसमें न्याय, श्रद्धा, लोकविश्वास और सांस्कृतिक अस्मिता की गहरी प्रतिध्वनि सुनाई देती है।

इस नाटक की विशेषता यह भी है कि पर्वतीय लोक कला मंच इससे पूर्व इसी कथा का सफल मंचन कुमाऊंनी भाषा में कर चुका है।

इस नाटक के दो पूर्ववर्ती मंचन एक वर्ष 2018 में और दूसरा वर्ष 2025 में कर चुका है जो दर्शकों की ओर से काफी सराहे गए थे।

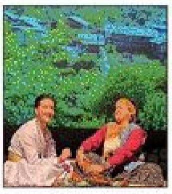

नाटक का निर्देशन हेम पंत ने किया

लोकदेवता की महिमा

'बाला गोरिया' की कथा उत्तराखंड के लोकप्रिय लोकदेवता गोलज्यू की देवगाथा पर आधारित है, जो न्याय, धर्म और लोकआस्था के प्रतीक माने जाते हैं। गोलज्यू देवता का प्राचीन मंदिर उत्तराखंड के अल्मोड़ा में स्थित है जहां भक्त दूर-दूर से आकर न्याय पाने के लिए अर्जी लगाते हैं।

सम्मान समारोह

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कर्मपुरा में हिमाचल सदन में आयोजित हिमाचल सोशल बॉडीज फेडरेशन के वार्षिक सम्मान समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संगठनों और व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आर एस बाली, चेयरमैन हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम, और विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सदस्य अनुराग शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए विभिन्न विभूतियों को हिमाचली टोपी और शॉल देकर सम्मानित किया।

NBT जन्मदिन मुबारक

आप भी भेज सकते हैं देश की जानी-मानी हस्तियों को जन्मदिन की बधाई। बस इस QR कोड को स्कैन करें और विश करें।

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

14 अप्रैल

कुणाल गांजावाला

14 अप्रैल 1972 को जन्मे प्लेबैक सिंगर कुणाल गांजावाला 'मर्डर' के गाने 'भीगे होंठ तेरे' से शोहरत मिली, जिसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। @kunalganjawala

18 अप्रैल

केएल राहुल

18 अप्रैल 1992 को जन्मे लोकेश राहुल भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं। तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले वे चुनिंदा खिलाड़ियों में शुमार हैं। @klrahul @klrahul

15 अप्रैल

मंदिरा बेदी

15 अप्रैल 1972 को जन्मी मंदिरा बेदी एक्ट्रेस, मॉडल और फैशन डिजाइनर हैं। उन्होंने टीवी शो 'शांति' से पहचान बनाई और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' जैसी फिल्म में काम किया। क्रिकेट वर्ल्ड कप की होस्टिंग कर उन्होंने स्पोर्ट्स एंकरिंग में भी नया मुकाम हासिल किया। @mandirabedi @mandybedi

पूनम ढिल्लों

18 अप्रैल 1962 को जन्मी पूनम ढिल्लों ने 1977 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीता था। उन्होंने 'नूरी', 'त्रिशूल' और 'सोनी महिवाल' जैसी क्लासिक फिल्मों में काम किया। ऐक्टिंग के साथ वे राजनीति में भी सक्रिय रही हैं। @poonam_dhillon_

16 अप्रैल

लारा दत्ता

16 अप्रैल 1978 को जन्मी लारा दत्ता ने 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीता। उन्होंने 'अंदाज', 'नो एंट्री' और 'बेल बॉटम' जैसी कई हिट फिल्में दी हैं। @larabhupathi @LaraDutta

19 अप्रैल

अरशद वारसी

19 अप्रैल 1968 को जन्मे अरशद वारसी अपनी जबरदस्त कॉमेडी और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। 'मुन्ना भाई MBBS' के 'सर्किट' वाले रोल ने बड़ी पहचान दी। @arshad_warsi @ArshadWarsi

मुकेश अंबानी

19 अप्रैल 1957 को जन्मे मुकेश अंबानी दुनिया के सबसे प्रभावशाली बिजनेसमैन में से एक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं और सबसे अमीर व्यक्तियों में एक हैं।

17 अप्रैल

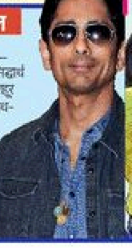

सिद्धार्थ

17 अप्रैल 1979 को जन्मे सिद्धार्थ साउथ और बॉलिवुड के मशहूर एक्टर हैं। वह एक्टिंग के साथ-साथ शानदार सिंगर और स्क्रीनराइटर भी हैं। फिल्म रंग दे बसंती और चिड़ा में उनके काम की काफी तारीफ हुई। @worldofsiddharth

अंजू बॉबी जॉर्ज

19 अप्रैल 1977 को जन्मी अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2003 में पेरिस वर्ल्ड चैंपियनशिप में लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा था। उन्हें 'खेल रत्न', 'पद्म श्री' और 'अर्जुन अवॉर्ड' भी मिल चुके हैं। @anjubgeorge @anjubobbygeorge1

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 04-12-2026 23:54 Color:

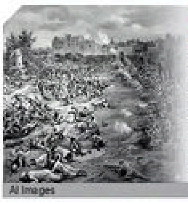
AI Images

NBT आज का इतिहास

जलियांवाले बाग में हजारों हुए थे शहीद

आज ही के दिन 1919 में अमृतसर के जलियांवाला बाग में रॉलेट एक्ट के विरोध में एक शांतिपूर्ण सभा हो रही थी। जनरल डायर ने बिना चेतावनी निहत्थी भीड़ पर अंधाधुंध गोलियां चलवा दीं, जिसमें हजारों लोग शहीद हुए। इसके बाद रविंद्रनाथ टैगोर ने 'नाइटहुड' की उपाधि त्याग दी। इस घटना ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को निर्णायक मोड़ दिया। यह बलिदान भारतीय इतिहास का सबसे दुखद हिस्सा है।

NBT वायरल न्यूज

घिरे युगांडा के आर्मी चीफ

मुहूजी कैनेरुगाबा ने तुर्किये से 1 अरब डॉलर और 'सबसे सुंदर महिला' की मांग की थी। कहा, सोमालिया डील से तुर्किये को फायदा जबकि आतंक से युगांडा लड़ रहा।

SPEED News

नाइजीरियन मिलिट्री जेट्स की स्ट्राइक से

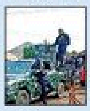

200 लोगों की मौत हो गई। हमला एक मार्केट में हुआ। बोको हरम मिलिटेंट्स पर कार्रवाई बताई गई है।

US में पहली बार स्वामी विवेकानंद

की लाइफ-साइज प्रतिमा का अनावरण सिएटल में किया गया। वेस्टलेक स्क्वेयर में प्रतिमा लगाई है।

हैती में भगदड़ से 30 लोगों की मौत हो

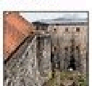

गई। यह घटना देश के उत्तरी इलाके में स्थित एक ऐतिहासिक किले, लाफेरिएर सिटाडेल में हुई।

भीड़ का हिस्सा बनना उसकी फितरत नहीं। वह आज की नारी है, वह 'Gen She' है। IRA 2026 बिना दिखावे के। बिना किसी बनावट के। अपनी शर्तों पर जीने वाली निडर लड़कियां। सुंदरता अब किसी की मोहताज नहीं। हुनर और सौंदर्य की मिसाल बनें। आज ही रजिस्टर करें। व्हॉट्सऐप नंबर -7003490071

लश्कर का इंटरस्टेट आतंकी नेटवर्क ध्वस्त, कई हिरासत में

PTI

- केंद्रीय एजेंसियों के साथ श्रीनगर पुलिस का ऐक्शन, हरियाणा, राजस्थान से कई पकड़े
- 5 आतंकी लश्कर-ए-तैबा से जुड़े बताए गए
- 2 पाकिस्तानी हैं इनमें से
- 16 साल से फरार था पाक आतंकी अब्दुल्ला
- 40 विदेशी आतंकियों को हैंडल किया घाटी में सक्रिय रह कर

■ पीटीआई, श्रीनगर/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर लश्कर-ए-तैबा (LeT) के इंटरस्टेट नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने हरियाणा और राजस्थान से कई लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, ये लोग आतंकियों को फर्जी पहचान दिलाने में मदद करते थे। वे आधार, पैन कार्ड और वोटर आईडी जैसे दस्तावेज बनवाकर आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट दे रहे थे।

जांच श्रीनगर पुलिस ने शुरू की थी, लेकिन नेटवर्क के बड़े दायरे को देखते हुए इसमें केंद्रीय एजेंसियों और अन्य राज्यों की पुलिस को भी शामिल किया गया।

जांच में सामने आया कि उमर उर्फ 'खरगोश', जो पाकिस्तान के कराची का रहने वाला है, 2012 के बाद भारत में घुसा था। उसने 2024 में जयपुर से बनवाए गए फर्जी पासपोर्ट के जरिए देश छोड़ दिया और इंडोनेशिया होते हुए किसी खाड़ी देश में पहुंच गया। वहां से गतिविधियों को अंजाम दे रहा था।

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब श्रीनगर पुलिस ने एक गहरी जड़ें जमा चुके नेटवर्क का भंडाफोड़ कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें पाकिस्तानी आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबु हुरैरा भी शामिल है, जो 16 साल से फरार था।

दोनों पाक आतंकी A+' श्रेणी के थे: श्रीनगर पुलिस ने पाकिस्तानी आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबु हुरैरा और उस्मान उर्फ खुबैब को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नवंबर 2025 के लाल किला ब्लास्ट से जुड़े 'अल-फलाह मॉड्यूल' के भंडाफोड़ के करीब छह महीने बाद हुई है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों पाकिस्तानी आतंकी 'A+' श्रेणी के थे और करीब 16 साल पहले भारत में घुसे थे। इस दौरान उन्होंने कश्मीर घाटी के कई जिलों में सक्रिय रहकर करीब 40 विदेशी आतंकियों को निर्देशित किया, जिनमें से अधिकांश मारे जा चुके हैं।

पूछताछ में अब्दुल्ला ने अपने और उमर के भारत में नेटवर्क के बारे में जानकारी दी। यह नेटवर्क खासतौर पर राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में फैला था। इस दौरान आतंकियों ने कश्मीर में एक आतंकी समर्थक की बेटी से शादी भी की थी। 31 मार्च से शुरू इस ऑपरेशन की निगरानी डीजीपी नलिन प्रभात ने की। जांच में LeT के वित्तीय नेटवर्क का खुलासा हुआ।

तीन कश्मीरी अरेस्ट

अधिकारियों ने बताया कि आतंकी फर्जी दस्तावेजों के जरिए कई राज्यों में अपना नेटवर्क बना रहे थे। हिरासत में लिए गए कुछ लोगों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार भी किया जा सकता है, खासकर वे जो फर्जी पासपोर्ट और दस्तावेज बनवाने में शामिल थे। इस मामले में श्रीनगर के मोहम्मद नजीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को भी गिरफ्तार किया गया है। इन पर आतंकियों को पनाह, भोजन और अन्य मदद देने का आरोप है।

ऐसे शुरू हुई जांच

जांच 31 मार्च को शुरू हुई थी, जब नजीब भट को पड़ाव इलाके से पिस्तौल और अन्य आपत्तिजनक सामान के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसने खुद को लश्कर से जुड़ा बताया और बताया कि उसने हथियार आदिल राशिद से लिए थे। इसके बाद पुलिस मीर और राशिद भट तक पहुंची और कई ठिकानों का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने कई ठिकानों से तीन AK-47 राइफल, एक AK-शिनकोव, पिस्तौल, हैंड ग्रेनेड और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं।

25 साल के सफर पर मंथन आज

NBT उत्तराखंड उत्सव में सीएम धामी शामिल होंगे

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

पुष्कर सिंह धामी

प्रसून जोशी

मधुर भंडारकर

उत्तराखंड राज्य के गठन के 25 साल पूरे होने के मौके पर सोमवार को देहरादून में नवभारत टाइम्स 'NBT उत्तराखंड उत्सव' आयोजित करने जा रहा है। इस खास आयोजन में राज्य के 25 सालों के सफर, उपलब्धियों, चुनौतियों और आगे की दिशा पर व्यापक चर्चा होगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल होंगे। वे राज्य के विकास मॉडल और भविष्य की प्राथमिकताओं पर अपना विजन साझा करेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा करेंगे। वे उत्तराखंड में कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास पर अपनी बात रखेंगे। खासतौर पर हिमालयी क्षेत्र की चुनौतियों और कनेक्टिविटी पर बात होगी।

इस आयोजन में राजनीति, नीति-निर्माण, प्रशासन, सिनेमा और रचनात्मक जगत के कई प्रमुख चेहरे एक मंच पर नजर आएंगे। उत्तराखंड सरकार में मंत्री सुबोध उनियाल और प्रदीप बत्रा राज्य की विकास यात्रा, उपलब्धियों और चुनौतियों पर अपने विचार साझा करेंगे।

कार्यक्रम में फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर और प्रसिद्ध गीतकार-लेखक प्रसून जोशी भी शामिल होंगे। वे उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान, सिनेमा में उसकी संभावनाओं, क्रिएटिव इंडस्ट्री और उत्तराखंडियों की वैश्विक पहचान पर चर्चा करेंगे।

इसके साथ ही कार्यक्रम में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस बात पर भी चर्चा होगी कि सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचाया जा रहा है और आने वाले समय में क्या नई पहल की जा रही है। उत्तराखंड में पर्यटन के धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए 'आस्था और विकास के संतुलन' पर भी एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सिनेमा और रचनात्मक क्षेत्र पर भी खास फोकस रहेगा।

केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा भी बनेंगे उत्तराखंड उत्सव का हिस्सा

मधुर भंडारकर के साथ सिनेमा के बदलते दौर और उसकी चुनौतियों पर चर्चा होगी, जबकि प्रसून जोशी के साथ 'ग्लोबल पहाड़ी' की अवधारणा और उत्तराखंड की रचनात्मक पहचान पर बातचीत होगी। नवभारत टाइम्स इस मौके पर 'NBT उत्तराखंड रत्न अवॉर्ड' की भी शुरुआत कर रहा है। इसका पहला सम्मान प्रसिद्ध गीतकार और लेखक प्रसून जोशी को दिया जाएगा।

'पर्यावरण और विकास' पर भी बात

'NBT उत्तराखंड उत्सव' को कई अलग-अलग सत्रों में बांटा गया है। पहले सत्र में पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन जैसे अहम मुद्दे पर चर्चा होगी। दूसरे सत्र में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ उत्तराखंड के विकास मॉडल और भविष्य की योजनाओं पर अपने विचार रखेंगे। एक अन्य सत्र में कवि और लेखक सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में कविता और मौलिकता पर चर्चा करेंगे।

पूर्व सैनिक ने हासिल की 138 डिग्री-डिप्लोमा

■ पीटीआई, जयपुर

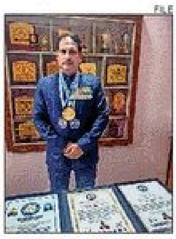
FILE

हाल ही में IGNOU से वैदिक स्टडीज में मास्टर्स डिग्री ली।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पूर्व सैनिक दशरथ सिंह ने 138 डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट हासिल कर अनोखी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्होंने IGNOU से वैदिक स्टडीज में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की। 55 वर्षीय दशरथ सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में 11 वर्ल्ड रिकॉर्ड होने का दावा किया है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

55 साल के हैं राजस्थान के झुंझुनूं जिले के दशरथ सिंह

उन्होंने बताया कि आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी। 1988 में सेना में भर्ती होने के बाद भी वह छुट्टियों में पढ़ाई करते रहे। 2004 में रिटायरमेंट के बाद उन्होंने पढ़ाई को पूरी तरह अपनाया। अब तक वे 3 पीएचडी, 7 ग्रेजुएशन, 46 पोस्टग्रेजुएशन, 23 डिप्लोमा और 52 सर्टिफिकेट हासिल कर चुके हैं। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने कानून की पढ़ाई की और अब सैनिकों से जुड़े मामलों में कानूनी सलाहकार के रूप में काम कर रहे हैं।

80 गुना कम डोज़ में भी असरदार, दांत से दवा देने का ट्रायल सफल

Hemwati.Rajaura1@timesofindia.com

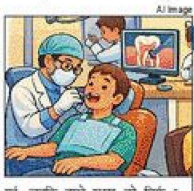
AI Image

■ **नई दिल्ली:** दवा लेने का पारंपरिक तरीका जैसे गोली लेना, आने वाले समय में बदल सकता है। दांत के जरिए दवा को सीधे शरीर में पहुंचाने वाली एक नई तकनीक का पहला रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ह्यूमन ट्रायल सफल रहा है। ट्रायल में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि 80 गुना कम डोज देने के बावजूद दवा का असर लगभग उतना ही पाया गया जितना सामान्य ज्यादा डोज लेने पर होता है।

यह पायलट ट्रायल पुदुचेरी के एक मेडिकल संस्थान में रूट कैनाल (दांत के इलाज) के लिए आए 20 मरीजों पर किया गया। मरीजों को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह को 400 एमजी एंटीबायोटिक दवा (मेट्रोनिडाजोल) सामान्य तरीके से गोली के रूप में दी गई, जबकि दूसरे समूह को सिर्फ 5 एमजी दवा दांत के अंदर एक खास मैक्रोलेफेशियल ड्रग डिलीवरी प्लेटफॉर्म के जरिए दी गई।

इस तकनीक में दवा को दांत के पल्प (अंदरूनी हिस्से) में डाला जाता है, जहां से सीधे खून में पहुंच जाती है। जांच में पाया गया कि दांत के जरिए दी गई दवा तेजी से शरीर में पहुंची और कम मात्रा के बावजूद उसका असर मजबूत रहा।

साइड इफेक्ट नहीं

स्टडी में यह भी सामने आया कि जिन मरीजों को दांत के जरिए दवा दी गई, उनमें 100% मामलों में दवा खून में पाई गई, जबकि गोली लेने वाले मरीजों में यह अनुपात कम रहा। एक महीने तक मरीजों की निगरानी की गई लेकिन किसी भी मरीज में साइड इफेक्ट नहीं मिले।

'जांच की जरूरत'

विशेषज्ञों ने कहा, अभी शुरुआती (पायलट) स्तर का छोटा ट्रायल है। इसे बड़े स्तर पर और अलग-अलग तरह की दवाओं के साथ परखने की जरूरत है। फिलहाल यह तकनीक दांत के इलाज के दौरान ही टेस्ट की गई है।

चीन ने अरुणाचल में बदले नाम, भारत का ऐतराज

■ पीटीआई, नई दिल्ली

File

भारत ने रविवार को चीन द्वारा भारतीय क्षेत्रों को 'काल्पनिक नाम' देने की कोशिशों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि ऐसे 'बेबुनियाद दावे' जमीनी हकीकत को नहीं बदल सकते और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों को नुकसान पहुंचाते हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसे शरारतपूर्ण प्रयास बताते हुए कहा कि ऐसे मनगढ़ंत दावे जमीनी सच्चाई को नहीं बदल सकते।

भारत ने कहा, अरुणाचल हमेशा से हमारा अभिन्न हिस्सा

उन्होंने स्पष्ट कहा कि चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र के हिस्सों को काल्पनिक नाम देना पूरी तरह अस्वीकार्य है। जायसवाल ने दोहराया कि अरुणाचल प्रदेश सहित ये सभी क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे। उन्होंने कहा कि चीन की ओर से गढ़े जा रहे ऐसे झूठे दावे और कथाएं किसी भी तरह से वास्तविक स्थिति को प्रभावित नहीं कर सकतीं। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि इस तरह की हरकतें भारत-चीन संबंधों को सामान्य करने के प्रयासों को कमजोर करती हैं। जायसवाल ने चीन से अपील की कि वह ऐसे कदमों से बचे, जो द्विपक्षीय संबंधों में नकारात्मकता बढ़ाते हैं और आपसी समझ को नुकसान पहुंचाते हैं।

इंडियन एयरफोर्स को चाहिए US के Mk-84 जैसा हवाई बम

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** इंडियन एयरफोर्स को अमेरिका के Mk-84 जैसा हवाई बम चाहिए। इस स्वदेशी बम के लिए एयरफोर्स ने स्वदेशी कंपनियों से जानकारी मांगी है। इसमें बहुत ज्यादा विस्फोटक शक्ति होती है, जिससे बड़ा धमाका होता है।

बंकर का भी काल बन सकता है: दुश्मन के बंकर, इमारत, गोदाम जैसे मजबूत ठिकानों को नष्ट करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। Mk-84 को आधुनिक सिस्टम के साथ जोड़कर इसे प्रिसिजन (सटीक) बम भी बनाया जा सकता है। इंडियन एयरफोर्स ने 1000 किलो के हवाई बम के डिजाइन, विकास और खरीद के लिए जानकारी मांगी है। यह प्रक्रिया रक्षा खरीद प्रक्रिया (DAP 2020) के तहत होगी। इसमें टेल यूनिट और अन्य जरूरी उपकरण भी शामिल होंगे। यह प्रोजेक्ट Make-II (इंडस्ट्री फंडेड) के तहत शुरू होगा और बाद में Buy (Indian-IDDM) कैटेगरी में खरीदी की जाएगी।

अभी ऐसे बम विदेश से खरीदे जाते हैं: यह बम भारी विस्फोट करने वाला और दुश्मन पर ज्यादा दबाव डालने में सक्षम होगा। इसे इस तरह बनाया जाएगा कि यह एयरफोर्स के पास मौजूद रूसी और पश्चिमी दोनों तरह के फाइटर जेट में इस्तेमाल हो सके। अभी ऐसे बम विदेश से खरीदे जाते हैं।

पहले चरण में 6 प्रोटोटाइप होंगे: ये प्रोजेक्ट दो चरणों में होगा। पहले चरण में 6 प्रोटोटाइप (टेस्ट मॉडल) बनाए जाएंगे, जिनमें असली और डमी दोनों शामिल होंगे। इसके बाद उनके परीक्षण होंगे और जरूरी तकनीकी मानकों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस चरण में कम से कम 50 पर्सेंट सामग्री भारत में बनी होनी चाहिए।

Mk-84 है पूरा का एक भारी हवाई बम, जिसे लड़ाकू विमान से गिराया जाता है

जनरल पर्पस बम कई तरह के लक्ष्यों में इस्तेमाल होता है

900-1000 किलो वजन होता है इसका

दूसरे चरण में 600 बम की खरीद

दूसरे चरण में योग्य कंपनियों से 600 बम खरीदे जाएंगे। प्रोजेक्ट में EoI जारी होने से लेकर कॉन्ट्रैक्ट साइन होने तक 2.5 साल लगेंगे। डिजाइन, टेस्टिंग, मूल्यांकन और अन्य प्रक्रियाएं शामिल होंगी। सभी टेस्ट भारत में ही तय जगहों पर किए जाएंगे। एयरफोर्स के पास मौजूद प्लैटफॉर्म से ये टेस्ट किए जाएंगे।

विदेशी कंपनियों से साझेदारी?

इसमें भारतीय कंपनियां (प्राइवेट सेक्टर सहित) हिस्सा ले सकती हैं। जरूरत पड़ने पर विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी भी हो सकती है लेकिन डिजाइन और निर्माण में भारतीय हिस्सेदारी जरूरी होगी।

UAE के राष्ट्रपति से मिले जयशंकर

■ **आईएएनएस, अबू धाबी:** विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर दो दिवसीय दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) पहुंचे हैं। उन्होंने रविवार को अबू धाबी में UAE के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। संघर्ष के दौरान यूएई में भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का शुक्रिया अदा किया। मीटिंग के दौरान दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे।

एस. जयशंकर

8 एयरपोर्ट पर बॉडी स्कैनर लगेंगे

Maneesh.Aggarwal@timesofindia.com

AI Image

■ **नई दिल्ली:** आठ एयरपोर्ट पर फुल बॉडी स्कैनर (FBS) लगने का रास्ता साफ हो गया है। इन एयरपोर्ट में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नै, कोलकाता, हैदराबाद, कोच्चि और अहमदाबाद शामिल हैं। इसके लिए ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) ने अपनी मंजूरी दी है। अब एयरपोर्ट ऑपरेटर इस सर्विस को ट्रायल पूरा होने के बाद फुल स्केल पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एयरपोर्ट पर अलग से 'FBS कॉरिडोर' बनाए जाएंगे। वहां जरूरत के मुताबिक यात्रियों को इन बॉडी स्कैनर की जांच प्रक्रिया से गुजारा जाएगा।

कई बार हुए ट्रायल

अधिकारियों का कहना है कि कई एयरपोर्ट पर इसके ट्रायल किए गए। अभी आधिकारिक रूप से शुरू नहीं हुआ है क्योंकि, बीसीएएस की मंजूरी ना मिलने के अलावा इन बॉडी स्कैनर में रेडिएशन का भी खतरा था।

बनेंगे FBS कॉरिडोर

सूत्रों का कहना है कि बॉडी स्कैनरों को एयरपोर्ट पर यात्रियों की हर लाइनों में नहीं लगाया जाएगा। इसके लिए हर एयरपोर्ट पर अलग से एफबीएस कॉरिडोर बनाए जाएंगे। ताकि जरूरत के मुताबिक संदिग्ध यात्रियों को इससे गुजारा जा सके।

किम जोंग की बेटी होंगी अगली सुप्रीम लीडर?

रिपोर्ट्स के अनुसार, किम जू-ऐ को अभी से सुप्रीम लीडर के तौर पर तैयार किया जा रहा है

■ NBT रिपोर्ट

उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन (Kim Jong Un) की बेटी का नाम और उम्र जैसी बेसिक जानकारी भी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई। हालांकि, माना जा रहा है कि वह भविष्य में अगली लीडर बन सकती हैं।

टाइम मैगजीन के अनुसार, दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी NIS ने हाल में ही संकेत दिया कि किम की बेटी को उनका उत्तराधिकारी माना जा रहा है। यह जानकारी उन सांसदों ने दी, जिन्होंने एजेंसी के साथ एक बंद कमरे की बैठक में हिस्सा लिया था।

FILE

कई बार पिता के साथ दिखीं

उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी KCNA ने पिछले महीने ऐसी तस्वीरें जारी कीं, जिनमें किम जू-ऐ अपने पिता के साथ एक सेना के टैंक को चलाते हुए दिख रही हैं। इससे पहले मार्च में सरकारी मीडिया ने दोनों की पिस्तौल चलाते हुए तस्वीरें भी जारी की थीं।

अटकलें क्यों हैं तेज?

किम जू-ऐ (Kim Ju Ae) नाम की किम जोंग उन की बेटी की उम्र करीब 13 साल बताई जाती है। उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया ने उन्हें किम की 'सबसे प्रिय' बेटी बताया है। 2022 से पिता के साथ उनकी सार्वजनिक मौजूदगी ने अटकलें तेज कर दी हैं कि उन्हें उत्तराधिकारी के तौर पर तैयार किया जा रहा है।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. नॉर्थ-ईस्ट को देश के दूसरे हिस्सों से जोड़ने वाला सिलीगुड़ी कॉरिडोर किस राज्य में है?
A. प. बंगाल B. असम C. सिक्किम
2. UAE के राष्ट्रपति का क्या नाम है, जिनसे भारत के विदेश मंत्री ने मुलाकात की?
A. खलीफा बिन जायद अल नाहयान B. शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान C. मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम
3. उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बेटी का क्या नाम है?
A. किम यो-जोंग B. किम जू-ऐ C. किम सोल-सोंग
4. US के किस शहर में विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया गया है?
A. न्यू यॉर्क B. शिकागो C. सिएटल
5. अमरनाथ यात्रा के लिए न्यूनतम आयु सीमा कितनी है?
A. 13 B. 14 C. 18

कल के जवाब

A1 B. क्रिस्टीना कोच A2 A. विक्टर ग्लोवर A3 C. दोनों A4 C. 07 A5 B. जन विश्वास

लकी विनर्स

1. आशा सिन्हा, ग्रेटर नोएडा
2. राम प्रसाद, दिल्ली
3. विजय कुमारी छाबड़ा, दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWDFP User: cci Time: 04-11-2026 22:01 Color:

नई दिल्ली / एनसीआर > 13-19 अप्रैल 2026 > वर्ष 2, संख्या 15 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

एक सही पोर्टफोलियो में कितने फंड होने चाहिए?
कुछ को लगता है कि जितने अधिक फंड, उतना रिटर्न। लेकिन बात उलटी भी हो सकती है। जानें सही रणनीति...
देखें PG-2

NBT Wealth
नवभारत टाइम्स

आपके लिए कौन-सा रेजीम सही है?
नए इनकम टैक्स कानून में कई बदलाव हुए हैं। जानें कि अब आपकी सैलरी के हिसाब से कौन-सा रेजीम सही रहेगा?
देखें PG-4

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

बाजार की अस्थिरता के बीच यहां है कमाई के मौके...

शेयर बाजार की अस्थिरता के बीच बॉन्ड मार्केट तेजी से निवेशकों का ध्यान खींच रहा है। 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड 7% के पार पहुंचने से फिक्स्ड इनकम निवेश फिर आकर्षक बन गया है।

AI image

बढ़ती ब्याज दरें और वैश्विक अनिश्चितता निवेशकों को संतुलित रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है, जहां वे न पूरी तरह जोखिम ले रहे हैं और न पूरी तरह सुरक्षित विकल्प चुन रहे हैं। शॉर्ट-टर्म बॉन्ड, हाई यील्ड विकल्प और बारबेल स्ट्रैटजी जैसे तरीके तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। आप सोच रहे कि मौजूदा हालात में कहां पैसा लगाएं और कितना रिटर्न उम्मीद करें, तो जवाब यहां है...

देखें PG-3

समझदारी से करें ऑप्शन ट्रेडिंग, मुनाफे के मौके बढ़ाएं

ऑप्शन ट्रेडिंग तेजी से लोकप्रिय हो रही है, लेकिन ज्यादातर निवेशकों के लिए यह नुकसान का सौदा साबित हो रही है। सेबी के आंकड़े बताते हैं कि 90% से ज्यादा छोटे निवेशक इसमें घाटा उठाते हैं। वजह है बिना समझे ट्रेड करना और प्रीमियम, टाइम डिके और मनीनेस जैसे अहम कॉन्सेप्ट्स को नजरअंदाज करना।

ऑप्शंस में सिर्फ बाजार की दिशा सही पकड़ना काफी नहीं होता, बल्कि समय और कीमत की गणित भी समझनी पड़ती है। खासकर सस्ते दिखने वाले OTM ऑप्शन निवेशकों को ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। यहां जानें कि कैसे जोखिम को कंट्रोल में रखते हुए बेहतर फैसले ले सकते हैं...

देखें PG-2

काम की खबरें

AI image

रीपो रेट 5.25% पर कायम, EMI नहीं बढ़ेगी

RBI ने इस बार रीपो रेट 5.25% पर ही बनाए रखा है, यानी अभी आपकी EMI में कोई बदलाव नहीं होगा। इसका यह भी मतलब है कि लोन महंगा नहीं होगा और आप घर, गाड़ी जैसे जरूरी सपने पूरे कर सकेंगे। RBI के अनुसार, देश की अर्थव्यवस्था फिलहाल मजबूत है और लोगों के खर्च और निवेश दोनों अच्छे स्तर पर बने हुए हैं, जिससे ग्रोथ को सहारा मिल रहा है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण महंगाई बढ़ने, आयात महंगा होने और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने का जोखिम बना हुआ है।

'Kar Saathi' से ITR आसान, AI देगा 24/7 मदद

इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) भरना अब आसान हो गया है। आयकर विभाग ने 'Kar Saathi' नाम का AI चैटबॉट लॉन्च किया है, जो 24 घंटे उपलब्ध रहेगा और टैक्स से जुड़े सवालों के तुरंत जवाब देगा। यह इनकम टैक्स के नए पोर्टल का हिस्सा है और फॉर्म, नियम और फाइलिंग प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाता है। साथ ही, 2,200 से ज्यादा FAQs और डिजिटल सपोर्ट के जरिए टैक्सपेयर्स को सही जानकारी आसानी से मिलती है।

मनी ट्रांसफर में होगी 1 घंटे की देरी, लेकिन बढ़ेगी सुरक्षा

RBI ने डिजिटल पेमेंट फ्रॉड रोकने के लिए नया प्रस्ताव दिया है। इसके तहत 10,000 रुपये से ज्यादा के अकाउंट-टु-अकाउंट ट्रांसफर में 1 घंटे की देरी होगी, जिससे संदिग्ध लेनदेन रोकने का समय मिलेगा। आंकड़ों के अनुसार, ज्यादातर फ्रॉड इसी रेंज में होते हैं। इसके अलावा 'किल स्विच' फीचर से ग्राहक जरूरत पड़ने पर तुरंत सभी डिजिटल पेमेंट बंद कर सकेंगे। बुजुर्गों के लिए 50,000 रुपये से ऊपर के ट्रांजैक्शन पर अतिरिक्त वेरिफिकेशन का सुझाव है।

बाज़ार संभलेगा या उतार-चढ़ाव बढ़ेगा?

FY27 में सही मौका कहां?

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali@timesofindia.com

FY26 में गिरावट के बाद नजर FY27 पर है। बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन वैल्यूएशन बेहतर होने से नए मौके भी उभर रहे हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस साल हर शेयर नहीं चलेगा, बल्कि सही कंपनियों का चयन रिटर्न दिला सकता है।

बीता वित्त वर्ष 2026 (FY26) शेयर बाजार निवेशकों के लिए आसान नहीं रहा। बाजार में आई गिरावट, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, वैश्विक तनाव और महंगे कच्चे तेल ने निवेशकों के भरोसे को झटका दिया। ऐसे में अब नजरें FY27 पर हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नया वित्त वर्ष निवेशकों के जख्मों पर मरहम लगाएगा या फिर जोखिम और बढ़ाएगा?

विशेषज्ञों का मानना है कि FY27 पूरी तरह खराब नहीं होगा, लेकिन आसान भी नहीं रहने वाला है। बाजार का मूड कई बड़े फैक्टर्स, जैसे वैश्विक तनाव, तेल की कीमतें, विदेशी निवेश का रुख और देश की आर्थिक मजबूती पर निर्भर होगा।

■ **चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई:** FY26 में बाजार जिन कारणों से दबाव में रहा, वे अब भी मौजूद हैं। पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका की नीतियों को लेकर अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें ऐसे फैक्टर हैं, जो FY27 में भी बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। यही वजह है कि विशेषज्ञ इसे पूरी तरह सुरक्षित साल नहीं मान रहे। हालांकि, एक फर्क जरूर आया है। पिछले 18 महीनों में बाजार में जो करेक्शन (गिरावट) आया है, उसने कई शेयरों को महंगे स्तर से नीचे ला दिया है। यानी अब वैल्यूएशन ज्यादा संतुलित है, जो नए मौके बना रहे हैं।

■ **बदलेगा निवेश का तरीका:** एक समय था जब निवेशक सिर्फ इंडेक्स के साथ चलते हुए पैसा कमा लेते थे। लेकिन बाजार बदल चुका है। FY27 में यह साफ संकेत मिल रहा है कि अब बाजार 'स्टॉक पिकर्स मार्केट' बन रहा है। इसका मतलब है कि हर शेयर नहीं बढ़ेगा। सिर्फ वही कंपनियां अच्छा प्रदर्शन करेंगी, जिनका बिजनेस मजबूत है और जिनकी कीमत उचित है। इसलिए अब निवेशकों को ज्यादा समझदारी से चयन करना होगा।

HDFC Securities के CEO धीरज रेली के मुताबिक, मौजूदा माहौल VUCA (Volatility, Uncertainty, Complexity and Ambiguity) यानी अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता से भरा हुआ है। ऐसे माहौल में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है, लेकिन सही मौके पहचानने वालों के लिए यही समय सबसे ज्यादा फायदेमंद भी साबित हो सकता है।

■ **क्या फिर से रेकॉर्ड स्तर छुएगा बाज़ार?** विशेषज्ञों को FY27 में रिकवरी की उम्मीद है। अगर वैश्विक हालात ज्यादा खराब नहीं होते, तो बाजार साल के अंत तक नए उच्च स्तर तक पहुंच सकता है। यह तेजी मुख्य रूप से घरेलू निवेशकों के दम पर आ सकती है। म्यूचुअल फंड्स के पास निवेश के लिए पर्याप्त पैसा है और वे अब धीरे-धीरे अच्छे क्वालिटी वाले शेयरों में निवेश बढ़ा रहे हैं। धीरज रेली का मानना है कि दिवाली के आस-पास मार्केट अपने ऑल-टाइम हाई पर पहुंच सकते हैं। Nifty इस साल के आखिर में अपना रेकॉर्ड 26,373.20 तक पहुंच सकता है। उम्मीद है कि घरेलू निवेशक इस रिकवरी की अगुआई करेंगे।

एक्सपर्ट के साथ जानें कहां से मिलेगा पैसा?

धीरज रेली, HDFC Securities के MD और CEO

नवीन व्यास, आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट

कृष्णन वी.आर. मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स में क्वांटिटेटिव रिसर्च हेड

नोट: यहां कुछ कंपनियों के नाम उदाहरण के तौर पर दिए गए हैं। इन्हें निवेश सुझाव न समझें।

ज्यादा समझदारी से शेयर चुनने का समय

कहां है असली मौके? सेक्टरों को समझें

FY27 में निवेश के लिए कुछ सेक्टर खास तौर पर आकर्षक माने जा रहे हैं।

■ इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल सेक्टर में सरकार के खर्च और प्रोजेक्ट्स के कारण तेजी देखने को मिल सकती है। यह सेक्टर लंबे समय तक ग्रोथ देने की क्षमता रखता है।

■ कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी सेक्टर, यानी ऐसे प्रॉडक्ट्स जिन पर लोग अतिरिक्त खर्च करते हैं, उनमें भी सुधार की उम्मीद है। जैसे-जैसे लोगों की आय बढ़ेगी, खर्च बढ़ेगा और इसका फायदा कंपनियों को मिलेगा।

■ रियल एस्टेट सेक्टर भी मजबूत दिख रहा है। घर खरीदने की मांग बनी हुई है और ब्याज दरों में स्थिरता से इस सेक्टर को सपोर्ट मिल सकता है।

■ ऑटो सेक्टर में भी संभावनाएं हैं, खासकर ग्रामीण मांग और इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण।

किन सेक्टरों में सावधानी जरूरी है?

हर सेक्टर में तेजी नहीं आएगी, इसलिए सेक्टरों के चुनाव में सावधानी जरूरी है।

एनर्जी सेक्टर पर खास नजर रखने की जरूरत है। अगर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो इसका असर कंपनियों की लागत और मुनाफे पर पड़ेगा।

तेल महंगा होने का असर एक सेक्टर तक सीमित नहीं, यह पूरे बाजार को प्रभावित करता है। इससे महंगाई बढ़ती है और लोगों की खर्च करने की क्षमता घटती है।

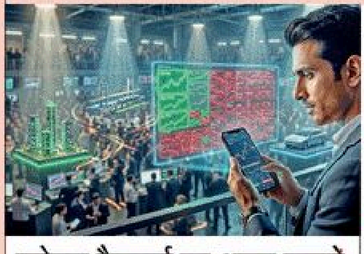

ग्लोबल फैक्टर्स का असर समझें

FY27 में बाजार पर सबसे बड़ा असर वैश्विक घटनाओं का होगा। खासकर पश्चिम एशिया में तनाव, जहां तेल उत्पादन प्रभावित हो सकता है। अगर यह तनाव बढ़ता है, तो तेल की कीमतें बढ़ेंगी और सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का 80% से ज्यादा तेल आयात करता है। हालांकि, अगर स्थिति सामान्य रहती है, तो निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिल सकता है।

निवेश की सही रणनीति क्या हो?

FY27 में सफल होने के लिए निवेशकों को अपनी रणनीति बदलनी होगी।

■ निवेशकों को 'GARP' यानी ग्रोथ एट रीजनेबल प्राइस का सिद्धांत अपनाना चाहिए। इसका मतलब ऐसी कंपनियां चुनें जो तेजी से बढ़ रही हों, लेकिन उनकी कीमत बहुत ज्यादा न हो।

■ मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स में क्वांटिटेटिव रिसर्च हेड कृष्णन वी.आर के अनुसार, एकमुश्त निवेश के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर रहेगा। SIP या STP के जरिए निवेश से बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है।

■ यह भी जरूरी है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को समय-समय पर जांचते रहें। अगर किसी सेक्टर में बहुत ज्यादा निवेश हो गया है, तो संतुलन बनाना जरूरी है।

क्या विदेश में भी निवेश करना चाहिए?

अभी एक देश में निवेश करना सही रणनीति नहीं माना जाता। विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में कुछ हिस्सा ग्लोबल मार्केट में भी रखना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और नए सेक्टरों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हाई-टेक इंडस्ट्री में निवेश का मौका मिलता है, जहां भारत में अभी सीमित विकल्प हैं।

आम निवेशक क्या करें?

- अगर आप एक आम निवेशक हैं, तो सबसे जरूरी बात यह है कि जल्दबाजी में बड़े फैसले न लें।
- **अक्सर लोग बाजार में तेजी देखकर एक साथ बड़ी रकम लगा देते हैं और फिर गिरावट में घबरा जाते हैं। यह सबसे बड़ी गलती होती है।**
- बेहतर तरीका यह है कि आप धीरे-धीरे निवेश शुरू करें, जैसे हर महीने SIP के जरिए पैसा लगाना। इससे आपका औसत खरीद मूल्य संतुलित रहता है और जोखिम कम होता है।
- **इसके साथ ही, निवेश करते समय लंबी अवधि का नजरिया रखना जरूरी है। शेयर बाजार में एक-दो महीने में पैसा कमाने की सोच अक्सर नुकसान कराती है।**
- अफवाहों और सोशल मीडिया पर मिलने वाली सलाह से बचना भी उतना ही जरूरी है। निवेश हमेशा जानकारी और समझ के आधार पर होना चाहिए, न कि भावनाओं के आधार पर।
- **सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बाजार में गिरावट को डर की तरह नहीं, बल्कि अवसर की तरह देखें। अच्छी कंपनियों के शेयर अक्सर गिरावट में सस्ते मिलते हैं, जो लंबे समय में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं।**

अनिश्चितता के बीच चुनें सही निवेश का रास्ता

FY27 आसान नहीं, लेकिन मौके भरपूर

FY27 ऐसा साल हो सकता है, जहां निवेशकों को आसान मुनाफा नहीं मिलेगा, लेकिन समझदारी से निवेश करने वालों के लिए अच्छे मौके जरूर होंगे। यह साल आपको सिखाएगा कि सिर्फ बाजार के साथ चलना काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेना जरूरी है। अगर आप धैर्य रखते हैं, सही कंपनियों का चुनाव करते हैं और लंबी अवधि का नजरिया अपनाते हैं, तो FY26 के नुकसान की भरपाई FY27 में हो सकती है। कुल मिलाकर, FY27 में पैसा उसी को मिलेगा, जो समझदारी से चुनेगा, धैर्य रखेगा और सही समय का इंतजार करेगा।

'इंडेक्स नहीं, सही स्टॉक चुनने से बनेगा पैसा'

■ धीरज रेली के मुताबिक, HDFC Securities की सालाना रिपोर्ट The Big Review बताती है कि दुनिया में तनाव और अनिश्चितता के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था अभी भी मजबूत स्थिति में है। रिपोर्ट में 'GARP' (Growth at Reasonable Price) यानी उचित कीमत पर ग्रोथ की रणनीति अपनाने की सलाह दी गई है। इसका मतलब है कि सिर्फ पूरे बाजार (इंडेक्स) पर दांव लगाने के बजाय ऐसी कंपनियां चुनें, जिनकी ग्रोथ अच्छी हो लेकिन कीमत ज्यादा महंगी न हो।

■ रिपोर्ट के अनुसार इंडस्ट्रियल, इन्फ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर, रियल एस्टेट, ऑटो सेक्टर में अच्छे मौके दिख रहे हैं, जबकि बैंकिंग, IT, फार्मा, ऑयल-गैस सेक्टर फिलहाल स्थिर हैं।

■ मॉडल पोर्टफोलियो में ऑटो, इन्फ्रा, रियल एस्टेट, IT और पावर सेक्टर को जगह दी गई है। इसमें Bajaj Auto, Mahindra & Mahindra, L&T, Infosys जैसी कंपनियां हैं।

■ ऐसे स्टॉक्स में आगे रिकवरी की संभावना है, जैसे Hindustan Petroleum, UltraTech Cement, Maruti Suzuki, Asian Paints और Oberoi Realty।

ये फैक्टर डालेंगे असर

FY27 में बाजार की दिशा चार मुख्य चीजों पर निर्भर करेगी। पश्चिम एशिया का तनाव तेल की कीमतों को प्रभावित करेगा, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ सकती है। विदेशी निवेशकों का रुख बाजार में लिक्विडिटी तय करेगा। रुपये की स्थिति और अमेरिका की नीतियां भी अहम भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा, घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती बाजार को सहारा दे सकती है।

'धीरे-धीरे पैसा लगाएं'

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जल्दबाजी में बड़े निवेश के बजाय धीरे-धीरे पैसा लगाएं। SIP के जरिए निवेश से उतार-चढ़ाव का असर कम होता है। निवेशकों को मजबूत बिजनेस वाली कंपनियों पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही, समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करके संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 04-11-2026 21:39 Color:

91% को घाटा, ऑप्शन ट्रेडिंग में कहां हो रही गलती?

समीर भारद्वाज
Sameer.Bhardwaj@timesofindia.com

ऑप्शन ट्रेडिंग तेजी से लोकप्रिय हो रही है, लेकिन सही समझ के बिना इसमें नुकसान का जोखिम ज्यादा है। यह सीरीज का पहला पार्ट है, जिसमें जानिए प्रीमियम, टाइम डिके और मनीनेस जैसे कॉन्सेप्ट कैसे मुनाफे को प्रभावित करते हैं।

अगले हफ्ते, सीरीज के दूसरे पार्ट में 'ऑप्शन ग्रीक्स' के बारे में बताया जाएगा। यानी वे ताकतें जो ऑप्शन की कीमतों को बढ़ाती हैं।

शेयर बाजार में F&O (Futures & Options) यानी डेरिवेटिव ट्रेडिंग की लोकप्रियता बढ़ती ही जा रही है। खासकर नए निवेशकों को इसमें जल्दी पैसा कमाने का मौका दिखता है, क्योंकि इसमें कम पैसे लगाकर बड़े सौदे किए जा सकते हैं। लेकिन सच्चाई इससे अलग है। SEBI की स्टडी के अनुसार, 2023-24 में 91% से ज्यादा छोटे निवेशकों को F&O ट्रेडिंग में नुकसान हुआ। यहां तक कि 2024-25 में नियम सख्त होने के बाद भी यह आंकड़ा लगभग वही रहा। इसका मतलब साफ है कि यह क्षेत्र आसान नहीं है, बल्कि काफी जटिल और जोखिम भरा है। इसलिए अगर आप ऑप्शन ट्रेडिंग में उतरना चाहते हैं, तो सबसे पहले इसके बेसिक्स समझना जरूरी है।

फ्यूचर्स, ऑप्शंस अलग है

अक्सर लोग फ्यूचर्स और ऑप्शंस को एक जैसा समझ लेते हैं, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। फ्यूचर्स (भविष्य में तय कीमत पर सौदा) में आपको तय तारीख पर खरीदना या बेचना ही होता है, चाहे बाजार आपके खिलाफ क्यों न चला जाए। इसमें नुकसान अनलिमिटेड हो सकता है। वहीं ऑप्शंस में आपको सिर्फ अधिकार मिलता है, मजबूरी नहीं। आप चाहें तो सौदा करें, नहीं तो छोड़ दें। इसमें खरीदार का नुकसान सिर्फ प्रीमियम तक सीमित होता है। इस तरह देखें तो ऑप्शंस सुरक्षित लग सकते हैं, लेकिन असल में यह ज्यादा जटिल होते हैं।

ऑप्शन एक ऐसा कॉन्ट्रैक्ट होता है जिसमें आपको किसी शेयर या इंडेक्स (जैसे Nifty 50) को एक तय कीमत (Strike Price) पर खरीदने या बेचने का अधिकार मिलता है। इसके लिए आपको एक कीमत चुकानी होती है, जिसे प्रीमियम (ऑप्शन खरीदने की फीस) कहा जाता है।

AI Image

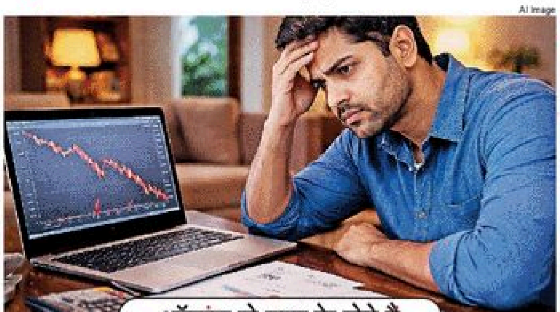

ऑप्शंस दो तरह के होते हैं

कॉल ऑप्शन (Call Option)
यानी खरीदने का अधिकार। इसे तब लिया जाता है जब लगता है कि बाजार आगे ऊपर जाएगा और बढ़त का फायदा उठाना हो।

पुट ऑप्शन (Put Option)
यानी बेचने का अधिकार। इसे तब लिया जाता है जब उम्मीद हो कि बाजार नीचे जाएगा और आप गिरावट से मुनाफा कमाना चाहते हो।

सही दिशा, तो भी नुकसान संभव?
ऑप्शंस में अक्सर होता है कि आपने बाजार की दिशा सही पकड़ी, फिर भी नुकसान हो गया। ऐसा इसलिए क्योंकि ऑप्शन का दाम कई और चीजों पर निर्भर करता है, जैसे समय और प्रीमियम की संरचना। यहीं से असली खेल शुरू होता है।

ऑप्शन प्रीमियम क्या होता है?

ऑप्शन का जो दाम आप देते हैं, उसे प्रीमियम कहते हैं। लेकिन यह एक साधारण कीमत नहीं होती, बल्कि दो हिस्सों से मिलकर बनती है

1. इंट्रिंसिक वैल्यू
यह वह वास्तविक फायदा है जो तुरंत मिल सकता है। जैसे, अगर शेयर ₹920 का है और आप उसे ₹900 में खरीद सकते हैं, तो फायदा ₹20 है।

2. एक्सट्रिंसिक वैल्यू
यह भविष्य की उम्मीद पर आधारित होता है। यानी लोग इस उम्मीद में ज्यादा पैसा देते है कि आगे चलकर ऑप्शन और फायदा दे सकता है।

टाइम डेके क्या है?

इंट्रिंसिक वैल्यू समय के साथ घटती रहती है। इसे टाइम डेके (Time Decay) यानी समय के साथ वैल्यू का गिरना कहते हैं। अगर बाजार ज्यादा नहीं हिला और समय बीतता गया तो आपका ऑप्शन सस्ता होता जाएगा, भले ही बाजार वहीं का वहीं क्यों न रहे। मान लें आपने 19.8 में ऑप्शन खरीदा। कुछ दिनों बाद शेयर लगभग वहीं रहा लेकिन ऑप्शन 7.5 पर आ गया और एक्सपायरी (समाप्ति तारीख) पर वह 0 भी हो सकता है। यानी बिना बड़े मूवमेंट के आपका पैसा खत्म हो सकता है।

मनीनेस क्या है?

मनीनेस (Moneyness) का मतलब है यह समझना कि आपका ऑप्शन इस समय मुनाफे में है, मुनाफे के करीब है या अभी उससे दूर है। यह तीन तरह का होता है:

1. ITM (In-the-Money)
यह पहले से फायदे में होता है। कॉल में स्ट्राइक प्राइस बाजार से कम होती है। इसमें इंट्रिंसिक वैल्यू होती है, मुनाफे की संभावना ज्यादा लेकिन खरीद महंगी होती है।

2. ATM (At-the-Money)
वह स्थिति जब स्ट्राइक प्राइस और बाजार कीमत बराबर हो। इसमें न स्पष्ट मुनाफा है न नुकसान, पर छोटे बदलाव पर तेजी से चलता है और टाइम वैल्यू सबसे ज्यादा होती है।

3. OTM (Out of the Money)
यह अभी मुनाफे में नहीं होता। कॉल में स्ट्राइक प्राइस बाजार से ज्यादा होती है। इसमें कोई इंट्रिंसिक वैल्यू नहीं, केवल टाइम वैल्यू होती है यानी फिलहाल सिर्फ भविष्य की उम्मीद।

Q क्यों OTM ऑप्शन सबसे ज्यादा नुकसान कराते हैं?
अधिकतर नए निवेशक OTM ऑप्शन खरीदते हैं क्योंकि ये सस्ते होते हैं और बड़े रिटर्न का सपना दिखाते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इनकी सफलता की संभावना बहुत कम होती है। इनमें सिर्फ उम्मीद की कीमत होती है। टाइम डेके इन्हें जल्दी खत्म कर देता है। इसलिए इन्हें लॉटरी टिकट जैसा माना जाता है।

Q ऑप्शंस ट्रेडिंग में लोग क्यों हारते हैं?
पहला, लोग इसे आसान पैसा समझ लेते हैं, जबकि यह काफी जटिल है। दूसरा, प्रीमियम कैसे बनता है, यह समझे बिना ट्रेड करते हैं। तीसरा, टाइम डेके को नजरअंदाज कर देते हैं। चौथा, सस्ते OTM ऑप्शन खरीदकर बड़े रिटर्न की उम्मीद रखते हैं। पांचवा, बिना रणनीति के सिर्फ अनुमान पर ट्रेड करते हैं।

Q ऑप्शंस ट्रेडिंग से पैसा कमाया जा सकता है?
ऑप्शंस ट्रेडिंग पूरी तरह घाटे का सौदा नहीं है, लेकिन तभी जब गहरी समझ हो। जोखिम समझना जरूरी है। रणनीति के साथ ट्रेड करना जरूरी है। यह कोई शॉर्टकट नहीं है।

पहले समझें, फिर आगे कदम बढ़ाएं | ऑप्शंस ट्रेडिंग में कमाई का मौका है, लेकिन यह उतना आसान नहीं जितना दिखता है। सिर्फ बाजार की दिशा देखकर ट्रेड करने से नुकसान हो सकता है। प्रीमियम, टाइम डिके और मनीनेस जैसे बेसिक्स समझे बिना यह जोखिम भरा साबित होता है।

खर्च साझा, ज़िम्मेदारी नहीं

ऐड-ऑन क्रेडिट कार्ड के बारे में समझ लें ये बातें

AI Image

यासमीन हुसैन
Yasmin.Hussain@timesofindia.com

ऐड-ऑन क्रेडिट कार्ड से परिवार के साथ खर्च करना आसान हो जाता है, लेकिन इसकी पूरी जिम्मेदारी मुख्य कार्डधारक पर होती है। गलत इस्तेमाल या लेट पेमेंट से आपका क्रेडिट स्कोर प्रभावित हो सकता है।

आजकल कई लोग अपने परिवार के सदस्यों को ऐड-ऑन क्रेडिट कार्ड (Add-on credit card) यानी मुख्य कार्ड से जुड़ा अतिरिक्त कार्ड देते हैं ताकि खर्च करना आसान हो जाए। ऊपर से यह व्यवस्था बहुत सही और सरल लगती है कि एक ही अकाउंट से कई लोग खर्च कर सकते हैं। लेकिन असलियत यह है कि इसमें सुविधा के साथ पूरा जोखिम भी जुड़ा होता है, और वह सिर्फ एक व्यक्ति यानी प्राइमरी कार्डहोल्डर पर आता है। अगर खर्च ज्यादा हो जाए, भुगतान लेट हो जाए या कोई डिफॉल्ट हो जाए, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी उसी पर होती है। इसलिए अगर आप भी अपने परिवार में किसी को ऐड-ऑन कार्ड देने की सोच रहे हैं, तो पहले इसके फायदे-नुकसान पूरी तरह समझ लेना जरूरी है।

ऐड-ऑन क्रेडिट कार्ड, आपके मौजूदा क्रेडिट कार्ड से जुड़ा एक अतिरिक्त कार्ड होता है। इसमें मुख्य अकाउंट आपके नाम पर ही रहता है। दूसरा व्यक्ति (जैसे पत्नी, माता-पिता या बच्चे) उसी अकाउंट से जुड़ा कार्ड इस्तेमाल करता है। दोनों के पास अलग कार्ड और PIN होता है, लेकिन बिल एक ही बनता है। सबसे जरूरी बात यह है कि क्रेडिट लिमिट (खर्च की अधिकतम सीमा) अलग-अलग नहीं होती, बल्कि साझा होती है।

कार्ड लेने से पहले 3 बातें ज़रूर याद रखें

1 ऐड-ऑन क्रेडिट कार्ड खर्च बांटता है, लेकिन जिम्मेदारी नहीं। भुगतान की जिम्मेदारी आपकी ही रहेगी, चाहे खर्च कोई भी करे।

2 कुल खर्च पर नजर रखना जरूरी है, ताकि लिमिट का ज्यादा उपयोग आपके क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान न पहुंचाए।

3 ऐड-ऑन यूजर के लिए दिक्कत है कि उसका अलग क्रेडिट स्कोर नहीं बनता, इसलिए उसे स्वतंत्र वित्तीय पहचान नहीं मिलती।

कुल मिलाकर, ऐड-ऑन क्रेडिट कार्ड अच्छा टूल है, लेकिन तभी जब इसका इस्तेमाल समझदारी से किया जाए। अगर परिवार में भरोसा, स्पष्ट नियम और खर्च पर नियंत्रण है, तो यह सुविधा काम की है। लेकिन इन बातों की कमी है, तो यही सुविधा आगे चलकर बड़ा वित्तीय जोखिम भी बन सकती है।

बिल कौन भरेगा?

ऐड-ऑन कार्ड का सबसे महत्वपूर्ण नियम यही है कि पूरा भुगतान केवल मुख्य कार्डधारक को ही करना होता है। भले ही खर्च दूसरे व्यक्ति ने किया हो, लेकिन बिल आपके नाम पर आएगा। पेमेंट की जिम्मेदारी आपकी होगी। अगर ऐड-ऑन कार्ड इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति भुगतान नहीं करता या ज्यादा खर्च कर देता है, तो उसका असर सीधे आप पर पड़ेगा।

स्कोर पर असर

क्रेडिट स्कोर पूरी तरह से मुख्य कार्डधारक से जुड़ा होता है। अगर भुगतान लेट हुआ, EMI या बिल मिस हुआ, तो इसका असर सिर्फ आपके क्रेडिट स्कोर पर पड़ेगा, न कि ऐड-ऑन यूजर पर। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि ऐड-ऑन कार्ड को इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति अपना अलग क्रेडिट स्कोर नहीं बना पाता। इसलिए अगर कोई अपना क्रेडिट प्रोफाइल बनाना चाहता है, तो उसे अपना अलग कार्ड लेना चाहिए।

कितना खर्च सही?

विशेषज्ञ मानते हैं कि लिमिट से 30%-40% तक खर्च सुरक्षित माना जाता है। वहीं, 70%-80% से ज्यादा खर्च जोखिम का संकेत देता है भले ही आप समय पर भुगतान कर दें, लेकिन ज्यादा उपयोग से भी आपका प्रोफाइल कमजोर दिख सकता है।

रिवॉर्ड और फीस

कई लोग सोचते हैं कि ऐड-ऑन कार्ड लेने से रिवॉर्ड (पॉइंट्स या कैशबैक) दोगुना मिल जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं होता। असल में सारे रिवॉर्ड एक ही अकाउंट में जुड़ते हैं, लिमिट और कैप (अधिकतम सीमा) भी एक ही रहती है। वहीं, फीस की बात करें तो कई बैंक परिवार के लिए ऐड-ऑन कार्ड फ्री देते हैं। कुछ प्रीमियम कार्ड में कम फीस लग सकती है, तो कुछ मामलों में 100 + GST जैसी मामूली फीस भी ली जाती है।

कब लेना सही?

ऐड-ऑन क्रेडिट कार्ड हर बार गलत नहीं होता। यह परिवार के लिए खर्च आसान बनाता है और लाउंज जैसे प्रीमियम फायदे शेयर करने देता है। लेकिन यह समझ लें कि खर्च भले सभी करें, जिम्मेदारी पूरी तरह मुख्य कार्डधारक पर ही रहती है

क्या खर्च पर कंट्रोल किया जा सकता है?

खर्च कंट्रोल किया जा सकता है, लेकिन आपको सक्रिय रहना होगा। आप सब-लिमिट तय कर सकते हैं, जैसे 4 लाख की कुल लिमिट में 75,000 एड-ऑन के लिए। ऐप ट्रैकिंग और रियल-टाइम अलर्ट मदद करते हैं, फिर भी गैर-जिम्मेदार खर्च का जोखिम है, इसलिए क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेश्यो कंट्रोल में रखें

अच्छे पोर्टफोलियो में कितने फंड्स चाहिए?

17 फंड है, तो यह न समझें कि रिटर्न ही बढ़ेगा, फीस और झंझट भी बढ़ सकता है

दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari@timesofindia.com

ज्यादा म्यूचुअल फंड रखना हमेशा बेहतर नहीं होता। कई निवेशक यह मान लेते हैं कि ज्यादा फंड मतलब कम जोखिम, लेकिन असल में इससे दोहराव, ज्यादा खर्च और कन्फ्यूजन बढ़ता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सीमित और संतुलित फंड्स के साथ ही बेहतर और कंट्रोल में रहने वाला पोर्टफोलियो बनाया जा सकता है।

सोशल मीडिया पर एक निवेशक ने सवाल पूछा। उसका कहना है कि मेरे पास 17 अलग-अलग इक्विटी म्यूचुअल फंड हैं, क्या इससे मेरा रिस्क कम हो जाएगा? सभी फंड रेग्युलर प्लान में हैं यानी डिस्ट्रिब्यूटर के जरिए लिए गए हैं। उसने भरोसा दिलाया है कि अगर एक फंड खराब करेगा और दूसरा अच्छा करेगा तो भरपाई हो जाएगी। सुनने में बात अच्छी लगती है, लेकिन हिसाब लगाएं तो इसमें कुछ लाभ नहीं दिखता। जब आपके पास 17 फंड होते हैं, तो जरूरी नहीं कि आप बाजार से बेहतर कर रहे हों, बल्कि आप खुद ही पूरा बाजार बन जाते हैं, वो भी ज्यादा फीस और ज्यादा झंझट के साथ।

निवेश करते समय अजीब सा सुकून मिलता है चीजें जोड़ते जाने में। ज्यादा फंड होने से लगता है कि ज्यादा सुरक्षा है, ज्यादा कवरेज है और हमने अनिश्चितता को बेहतर तरीके से संभाल लिया है। लेकिन ढेर सारे फंड रखना एक ही तरह के निवेश को बार-बार दोहराना भी है। कई फंड एक ही कंपनियों में पैसा लगाते हैं। आपको लगता है कि रिस्क बंट गया है, जबकि असल में आप वही जोखिम कई बार ले रहे होते हैं। साथ ही हर फंड का खर्च भी देना पड़ता है, जो आपके रिटर्न को धीरे-धीरे कम कर देता है। एक और नुकसान यह है कि बड़े पोर्टफोलियो को समझना और ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। जब बाजार ऊपर-नीचे होता है, तो यह समझ पाना कठिन हो जाता है कि कौन सा फंड अच्छा कर रहा है और कौन नहीं। ऐसे में फैसले अक्सर बिना स्पष्ट सोच के लिए जाते हैं।

अगर सभी फंड लगभग एक जैसे हैं, तो वे एक साथ ही ऊपर या नीचे जाएंगे। एक अच्छा पोर्टफोलियो बनाने के लिए बहुत सारे फंड की जरूरत नहीं होती। ज्यादातर लोगों के लिए अधिक से अधिक 5 फंड ही पूरे शेयर बाजार को कवर करने के लिए काफी होते हैं। इस समस्या को ठीक करने का सही तरीका यह नहीं है कि आप सब कुछ एक साथ बेचकर नया शुरू कर दें। बल्कि धीरे-धीरे, समझदारी से बदलाव करना चाहिए। अगर किसी के पास 17 अलग-अलग फंड हैं और वह उन्हें घटाकर 5 करना चाहता है, तो यह काम एक साथ नहीं करना चाहिए। ऐसा करने पर भारी टैक्स लग सकता है। इसलिए सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि जिन 17 फंड में SIP जारी है, उसे तुरंत रोक दिया जाए। नए SIP सिर्फ चुने हुए 5 फंड में शुरू कर देने चाहिए। हो सकता है आपका डिस्ट्रिब्यूटर आपको रोके, लेकिन याद रखें उसका फायदा ज्यादा फंड बेचने में था, न कि पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने में। यह बदलाव आपको कंट्रोल वापस देता है।

AI Image

अगर सभी फंड लगभग एक जैसे है, तो वे साथ ही ऊपर या नीचे जाएंगे। अच्छा पोर्टफोलियो बनाने के लिए बहुत फंड नहीं चाहिए। ज्यादातर लोगों के लिए अधिक से अधिक 5 फंड ही पूरे शेयर बाजार को कवर करने के लिए काफी होते है।

हमारे यहां टैक्स नियमों में एक फायदा यह है कि अगर किसी इक्विटी फंड को एक साल से ज्यादा समय तक रखा है, तो उस पर होने वाला मुनाफा 1.25 लाख तक हर साल टैक्स-फ्री होता है। यानी हर साल उतने ही यूनिट बेचें, जिनसे मुनाफा 1.25 लाख तक पहुंचे। यह काम 31 मार्च से पहले करें और फिर नए वित्त वर्ष में 1 अप्रैल के बाद फिर से दोहराएं। इस तरह आप बिना टैक्स दिए धीरे-धीरे अपना पैसा शिफ्ट कर सकते हैं। हर फंड का Exit Load चेक करना जरूरी है, जो आमतौर पर एक साल का होता है। जिन निवेशों को Exit Load का वक्त पूरा नहीं हुआ है, उन्हें बेचने से बचना चाहिए। उस पर चार्ज लगता है। बेहतर है कि उन्हें टाइम लिमिट पूरा होने तक होल्ड करें, ताकि बिना एक्स्ट्रा खर्च के निकाला जा सके।

निवेश में विविधता का मतलब ज्यादा फंड रखना नहीं है, बल्कि अलग-अलग असेट क्लास के निवेश रखना है। जैसे बड़ी कंपनियों में निवेश स्थिरता देता है, मिड और स्मॉल कैप ग्रोथ देते हैं लेकिन रिस्क बढ़ता है। जब आप हर फंड कैटिगरी की भूमिका समझ लेते हैं, तो आपको खुद ही पता चल जाता है कि कौन से फंड अतिरिक्त हैं। आखिर में आपको एक छोटा और समझ में आने वाला पोर्टफोलियो ही ठीक लगता है। इसमें खर्च कम होगा, रिटर्न बेहतर हो सकता है और जिसे आप आसानी से ट्रैक कर पाएंगे।

रिवर्स मॉर्गेज होम लोन के बारे में सुना है?

बेसिक बातें

रिजु मेहता
Riju.Mehta@timesofindia.com

रिवर्स मॉर्गेज लोन (Reverse Mortgage Loan-RML) वरिष्ठ नागरिकों के लिए ऐसा विकल्प है, जिसमें वे अपना घर बेचे बिना उससे नियमित आय पा सकते हैं। यह योजना खास तौर पर उन लोगों के लिए मददगार है, जिनके पास संपत्ति तो है, लेकिन नियमित इनकम का मजबूत स्रोत नहीं है।

रिवर्स मॉर्गेज लोन उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सुरक्षित और उपयोगी विकल्प है, जो अपनी संपत्ति को बिना बेचे नियमित आय चाहते हैं। सही समझ के साथ यह योजना रिटायरमेंट के बाद आर्थिक स्वतंत्रता बनाए रखने में मदद कर सकती है।

दरअसल, रिवर्स मॉर्गेज लोन एक खास तरह का लोन है, जिसमें 60 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोग अपने घर की वैल्यू के आधार पर बैंक से पैसे लेते हैं, जबकि वे उसी घर में रहते भी हैं। इसमें घर बेचना या मालिकाना हक छोड़ना जरूरी नहीं होता।

यह योजना भारत में साल 2007 के बजट में शुरू की गई थी और 1 अप्रैल 2008 से लागू हुई। इसे नैशनल हाउसिंग बैंक (NHB) के सहयोग से लाया गया था, ताकि वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

सामान्य होम लोन से यह कैसे अलग है?

साधारण होम लोन में व्यक्ति बैंक से पैसे लेकर घर खरीदता है और EMI चुकाता है। वहीं रिवर्स मॉर्गेज में बैंक घर के मालिक को पैसे देता है। यानी यहां EMI देने की जगह आपको नियमित इनकम मिलती है।

पैसे का उपयोग कहां कर सकते है?

रिवर्स मॉर्गेज से मिलने वाली राशि का उपयोग आप मेडिकल खर्च, घर की मरम्मत या रोजमर्रा के खर्चों के लिए कर सकते हैं। हालांकि, इसका इस्तेमाल बिजनेस, ट्रेडिंग या सट्टा जैसी गतिविधियों में नहीं किया जा सकता।

AI Image

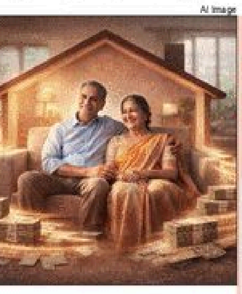

कौन दे सकता है यह लोन?

यह लोन बैंक और हाउसिंग फाइनैंस कंपनियां देती हैं। हर संस्था अपने नियम और शर्तों के अनुसार लोन ऑफर करती है।

मासिक, तिमाही, छमाही, सालाना किस्त की सुविधा

इस लोन की खास बात इसकी लचीलापन है। आप पैसे मासिक, तिमाही, छमाही या सालाना किस्त में ले सकते हैं। इसके अलावा एकमुश्त रकम या लाइन ऑफ क्रेडिट (जरूरत पड़ने पर पैसा निकालने की सुविधा) भी चुन सकते हैं।

शर्तें क्या हैं?

- आवेदक की उम्र 60 साल या उससे ज्यादा होनी चाहिए।
- घर उसके नाम पर होना चाहिए और वह उसमें खुद रहता हो।
- प्रॉपर्टी पर कोई कर्ज या कानूनी विवाद नहीं होना चाहिए।
- कमर्शल प्रॉपर्टी इस योजना में शामिल नहीं होती।

लोन राशि और अवधि

लोन की राशि घर की कीमत, आवेदक की उम्र और ब्याज दर पर निर्भर करती है। आमतौर पर इसकी अवधि 20 साल तक होती है।

लोन कैसे चुकाना होता है?

जब तक मालिक घर में रह रहा है, उसे कोई भुगतान नहीं करना होता। बैंक उसे पैसे देता रहता है। लोन की वसूली तब होती है जब व्यक्ति की मौत हो जाती है या वह घर छोड़ देता है।

परिवार के लिए विकल्प

मालिक के बाद परिवार के सदस्य चाहें तो लोन और ब्याज चुकाकर घर अपने पास रख सकते हैं। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो बैंक घर बेचकर अपनी रकम लेता है और बची रकम वारिसों को देता है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 04-11-2026 21:39 Color:

5 साल की सबसे तेज़ बढ़त के बाद क्या बनी रहेगी बाज़ार की रफ्तार?

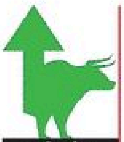

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

छह हफ्तों की गिरावट के बाद शेयर बाजार में जोरदार वापसी हुई। हालांकि, बाजार की रफ्तार पर अनिश्चितता बनी हुई है।

छह हफ्तों से चल रही गिरावट का सिलसिला तोड़कर शेयर बाजार ने पिछले सप्ताह बढ़त दर्ज की। निफ्टी और सेंसेक्स करीब 5.8% की साप्ताहिक बढ़त के साथ बंद हुए। यह 5 फरवरी 2021 के बाद किसी हफ्ते में सबसे तेज रफ्तार रही। पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच ईरान-US में बातचीत की तैयारियों ने असर दिखाया। बाजार की नजर पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान की बातचीत पर टिकी है। कूटनीतिक दांवपेच से जो कुछ भी सामने आएगा, बेहद अहम होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अनिश्चितता के बीच मार्केट एक दायरे में रह सकता है।

जियोपॉलिटिकल टेंशन घट सकने की उम्मीद और क्रूड ऑयल में नरमी के चलते पिछले शुक्रवार को निफ्टी 276 अंकों की बढ़त 24000 पॉइंट्स से ऊपर बंद होने में कामयाब रहा। यह इसका पिछले एक महीने का सबसे ऊंचा स्तर था। निफ्टी मिड कैप 100 में 1.52% और स्मॉल कैप 100 में 1.65% की तेजी दिखी। ये दोनों इंडेक्स हफ्ते में करीब 8% चढ़े। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'पिछले सप्ताह इंडियन मार्केट में वोलैटिलिटी रही, लेकिन ओवरऑल परफॉर्मेंस उत्साहजनक रहा। युद्ध विराम के मूवमेंट्स और पश्चिम एशिया में तनाव घटाने के प्रयासों से निवेशकों का हौसला बढ़ा। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2027 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाया और यूएस फेडरल रिजर्व की कमिटी की बैठक के ब्योरों में कड़ा रुख दिखा, फिर भी कच्चे तेल में गिरावट इंडियन इकॉनमी के लिए राहत की बात रही। बाजार में बढ़त से पता चल रहा है कि मौजूदा वैल्यूएशन लेवल्स पर डिमांड है।'

AI Image

किधर जाएगा बाज़ार?

HDFC सिक्योरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट नंदीश शाह ने कहा, 'निफ्टी 24025 के रेजिस्टेंस लेवल को पार कर चुका है। अब यह 24200 के पास 50-DEMA को टारगेट करता दिख रहा है। अभी 24571 के करीब रेजिस्टेंस है। नीचे की ओर 23700 नया शॉर्ट टर्म सपोर्ट लेवल बन गया है।'

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के विनोद नायर ने कहा, इस हफ्ते भी बाजार जियोपॉलिटिकल डिवेलपमेंट्स और भारत पर उनके असर से प्रभावित रहेगा। हालिया ट्रेंड्स से प्रेशर घटा है, लेकिन यह कितना टिकाऊ है, देखना होगा। US, भारत में महंगाई डेटा, भारत के आयात-निर्यात के आंकड़े भी दिशा देंगे।

क्या करें निवेशक?

PL कैपिटल के एडवाइजरी हेड विक्रम कसाट ने कहा, 'निकट भविष्य में स्टॉक मार्केट एक रेंज में रहेगा। निवेशक सेलेक्टिव अप्रोच के साथ चुनिंदा शेयरों पर ही दांव लगाएंगे।' PL कैपिटल ने L&T (टारगेट प्राइस ₹4806), वोल्टमैप ट्रांसफार्मर्स (TP ₹10312) और इंगरसोल-रैंड इंडिया (₹4589) को, वहीं, एमके ग्लोबल ने TCS (₹2950), आदित्य बिड़ला रियल एस्टेट (₹1750), अडानी पोर्ट्स (₹1900), JSW इन्फ्रा (₹300), डेलिवरी (₹500), ब्लू डार्ट एक्सप्रेस (₹5750) को खरीदने की सलाह दी है।

पश्चिम एशिया तनाव, ऊर्जा कीमतों में बदलाव से सतर्क रुख अपना रहे निवेशक

उतार-चढ़ाव के बीच यहां बन रहा पैसा

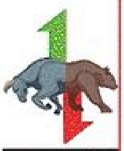

अभिनव कौल
Abhinav.Kaul@timesofindia.com

वैश्विक स्तर पर भी अस्थिरता के बीच शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी है। इस हालत में अमीर निवेशक न तो पूरी तरह जोखिम से भाग रहे हैं और न ही पूरी तरह सुरक्षित खेल रहे हैं। वे दोनों के बीच संतुलन बनाकर चल रहे हैं, जिससे उन्हें स्थिरता और रिटर्न दोनों मिल सकें।

हाल के समय में भारत के बॉन्ड मार्केट में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। देश के 10 साल के सरकारी बॉन्ड (सरकार द्वारा लिया गया कर्ज) पर मिलने वाला यील्ड (निवेश पर मिलने वाला वास्तविक रिटर्न) 7% के पार चला गया है। इसका मतलब यह है कि अब निवेशकों को पहले के मुकाबले ज्यादा ब्याज मिल रहा है।

यह बदलाव अचानक नहीं आया है, बल्कि इसके पीछे कई आर्थिक कारण काम कर रहे हैं। सबसे पहला कारण है कच्चे तेल (Crude Oil) की बढ़ती कीमतें। जब तेल महंगा होता है, तो लगभग हर चीज महंगी हो जाती है।

दूसरा कारण यह है कि सरकार इस समय ज्यादा उधारी ले रही है। जब सरकार ज्यादा बॉन्ड जारी करती है, तो बाजार में उनकी सप्लाई बढ़ जाती है, और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए ज्यादा ब्याज देना पड़ता है। इसके अलावा, अगर सरकार ईंधन पर टैक्स कम करती है, तो उसकी आय घट सकती है, जिससे वित्तीय घाटा (Fiscal Deficit) बढ़ने का खतरा रहता है। ये सभी कारण मिलकर बॉन्ड यील्ड को ऊपर ले जा रहे हैं।

शेयर बाज़ार पर असर

जब ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो उसका सीधा असर शेयर बाजार पर पड़ता है। निवेशक अक्सर सुरक्षित निवेश की ओर झुकने लगते हैं, जिससे शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है। इस समय वैश्विक स्तर पर भी अस्थिरता बनी हुई है। खासकर पश्चिम एशिया में तनाव और ऊर्जा कीमतों में लगातार बदलाव ने निवेशकों को थोड़ा सतर्क बना दिया है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण बात यह है कि अमीर निवेशक, जिन्हें HNI (High Networth Individual) कहा जाता है, घबराकर बाजार से बाहर नहीं निकल रहे हैं। वे अपनी पुरानी इक्विटी यानी शेयरों में निवेश को बनाए हुए हैं, लेकिन नया पैसा धीरे-धीरे फिक्स्ड इनकम की ओर शिफ्ट कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि वे पूरी तरह जोखिम से भाग नहीं रहे हैं, बल्कि अपने निवेश को संतुलित बना रहे हैं।

फिक्स्ड इनकम बढ़ रहा

फिक्स्ड इनकम निवेश इस समय इसलिए लोकप्रिय हो रहा है, क्योंकि इसमें अब पहले से ज्यादा रिटर्न मिल रहा है और यह अपेक्षाकृत सुरक्षित भी है। जब बाजार में अनिश्चितता होती है, तो निवेशक ऐसे विकल्प तलाशते हैं जहां उन्हें नियमित और स्थिर आय मिल सके। इसलिए अब निवेशक बॉन्ड, हाइब्रिड फंड (ऐसा फंड जिसमें शेयर और बॉन्ड दोनों का मिश्रण होता है) और स्ट्रक्चर्ड प्रोडक्ट (खास तरीके से डिजाइन किया गया निवेश साधन) की ओर बढ़ रहे हैं। यील्ड कर्व से यह समझा जाता है कि अलग-अलग समय के लिए ब्याज दरें कैसी हैं। यह अलग-अलग समय अवधि के बॉन्ड पर मिलने वाली ब्याज दरों का ग्राफ होता है। इसके अनुसार, अभी जो स्थिति बनी है, उसमें छोटे समय यानी 1 से 3 साल के बॉन्ड ज्यादा आकर्षक लग रहे हैं। इसका कारण यह है कि इनमें अच्छा रिटर्न मिल रहा है और जोखिम भी कम है।

निवेश का संतुलित तरीका

संतुलित पोर्टफोलियो में अलग-अलग तरह के निवेश का सही अनुपात होना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, लगभग आधा पैसा सुरक्षित निवेश में, जबकि बाकी हिस्सा ज्यादा रिटर्न वाले निवेश में लगाया जा सकता है। यह संतुलन निवेशक को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाने में मदद करता है।

AI Image

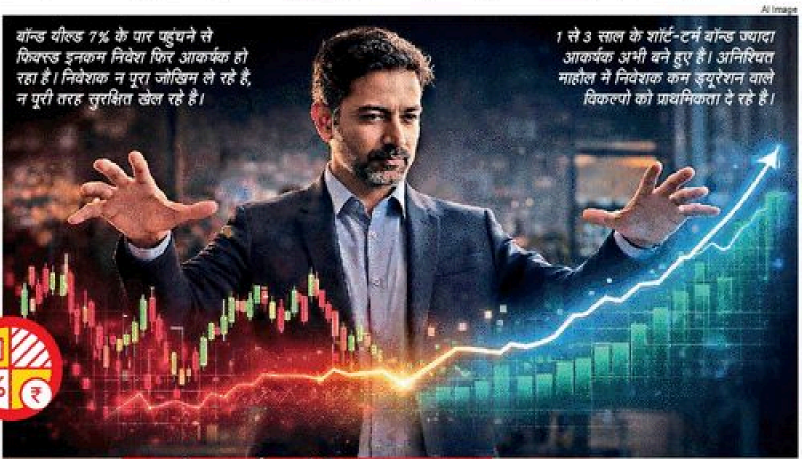

ड्यूरेशन और जोखिम का संबंध

निवेश में ड्यूरेशन अहम होती है। अगर किसी बॉन्ड की ड्यूरेशन ज्यादा होती है, तो उसमें ब्याज दरों के बदलाव का असर ज्यादा पड़ता है। इसके विपरीत, कम ड्यूरेशन वाले बॉन्ड ज्यादा स्थिर होते हैं। इस समय बाजार में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, इसलिए निवेशक छोटे समय वाले बॉन्ड को प्राथमिकता दे रहे हैं ताकि उनके निवेश में ज्यादा उतार-चढ़ाव न आए।

शॉर्ट-टर्म बॉन्ड पर नज़र

विशेषज्ञों का मानना है कि 1 से 3 साल की अवधि वाले बॉन्ड अभी संतुलित विकल्प हैं। इनमें अच्छा रिटर्न पा सकते हैं और जोखिम भी सीमित है। RBI की नीतियों और बाजार में नकदी की स्थिति भी इन बॉन्ड को आकर्षक बना रही हैं। YTM (Yield to Maturity) एक महत्वपूर्ण मापदंड है। इसका मतलब यह है कि अगर कोई निवेशक बॉन्ड को उसकी पूरी अवधि तक अपने पास रखता है, तो उसे कुल मिलाकर कितना रिटर्न मिलेगा। इस समय कमाई मुख्य रूप से इसी YTM के आसपास रहने की संभावना है।

ज्यादा रिटर्न के लिए क्या है?

ज्यादा रिटर्न के लिए निवेशक अब सिर्फ सुरक्षित विकल्पों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पोर्टफोलियो का एक हिस्सा हाई यील्ड बॉन्ड और प्राइवेट क्रेडिट जैसे साधनों में लगा रहे हैं। हाई यील्ड बॉन्ड में 10% से 13% तक रिटर्न मिल सकता है, लेकिन कंपनी की कमजोर वित्तीय स्थिति के कारण जोखिम भी ज्यादा रहता है। वहीं प्राइवेट क्रेडिट में कंपनियों को सीधे कर्ज देकर बेहतर रिटर्न पाया जा सकता है, हालांकि इसमें पैसा लंबे समय तक लॉक-इन रहने का खतरा होता है।

बारबेल स्ट्रैटजी भी अपनाई जा रही?

अभी निवेशक बारबेल स्ट्रैटजी (Barbell Strategy) का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस रणनीति में निवेश का एक हिस्सा बहुत सुरक्षित साधनों में लगाया जाता है, जैसे सरकारी बॉन्ड और उच्च रेटिंग वाली कंपनियों के बॉन्ड। वहीं दूसरा हिस्सा ज्यादा जोखिम वाले लेकिन उच्च रिटर्न देने वाले निवेश में लगाया जाता है, जैसे हाई यील्ड बॉन्ड और प्राइवेट क्रेडिट। इससे निवेशक एक तरफ अपने पैसे को सुरक्षित रखते हैं और दूसरी तरफ ज्यादा कमाई का मौका भी नहीं छोड़ते।

कितना रिटर्न मिल सकता है?

अब सवाल है कि कितना रिटर्न मिल सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मौजूदा हालात में अगले 2-3 साल में कमाई मुख्य रूप से ब्याज से ही आएगी, न कि कीमत बढ़ने से। सुरक्षित बॉन्ड फंड में निवेश करने पर करीब 6.75% से 7.25% सालाना रिटर्न मिल सकता है, जो स्थिर और भरोसेमंद होता है। थोड़ा ज्यादा जोखिम लेने पर हाई यील्ड बॉन्ड में 9% से 10% तक रिटर्न मिल सकता है। वहीं प्राइवेट क्रेडिट जैसे विकल्पों में 12% से 16% तक रिटर्न संभव है, लेकिन इसमें जोखिम ज्यादा और पैसा लंबे समय तक लॉक-इन रहने की संभावना रहती है।

निवेशक क्या करें? कुल मिलाकर देखा जाए तो भारत का बॉन्ड मार्केट इस समय निवेशकों के लिए नए अवसर लेकर आया है। बढ़ती ब्याज दरों ने फिक्स्ड इनकम निवेश को फिर से आकर्षक बना दिया है। वहीं, बाजार की अनिश्चितता ने निवेशकों को ज्यादा संतुलित और समझदारी भरी रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित किया है। अपने निवेश को अलग-अलग विकल्पों में बांटें, जोखिम को समझें और अपने लक्ष्यों के अनुसार सही निर्णय लें।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Scheme	Return
CPSE ETF	22.35
Quant Small Cap Fund(G)	21.93
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	20.07
Quant Infrastructure Fund(G)	19.96
Nippon India ETF Nifty PSU Bank BeES	19.94

8 April 2016 to 8 April 2026 | % ANNUALISED RETURNS As on: 9 April 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी में रिटर्न के आधार पर अधिक रिटर्न देने वाले शीर्ष 5 और कम रिटर्न वाले फिसड्डी 5 फंड्स की सूची है, ताकि निवेशक समझ सकें कि किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Nippon India Large Cap Fund(G)	16.90	PGIM India Large Cap Fund(G)	9.35
Invesco India Largecap Fund-Reg(G)	16.10	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	10.17
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	16.00	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	10.96
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	16.00	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	11.06
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	15.82	UTI Large Cap Fund-Reg(G)	11.18

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	21.25	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	0.59
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	20.25	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	8.99
HDFC Flexi Cap Fund(G)	19.95	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.44
ITI Flexi Cap Fund-Reg(G)	19.60	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.47
Invesco India Flexi Cap Fund-Reg(G)	18.61	SBI Flexicap Fund-Reg(G)	11.88

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	25.60	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	12.66
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	25.04	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	14.65
ICICI Pru Midcap Fund(G)	24.97	SBI Midcap Fund-Reg(G)	14.72
Nippon India Growth Mid Cap Fund(G)	24.95	Quant Mid Cap Fund(G)	15.46
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	24.25	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	16.38

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	28.91	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	11.81
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	23.12	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	12.65
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	22.96	Kotak Small Cap Fund(G)	13.82
Mahindra Manulife Small Cap Fund	22.84	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)	13.87
DSP Small Cap Fund-Reg(G)	19.50	ICICI Pru Smallcap Fund(G)	14.37

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
BOI Mid & Small Cap Equity & Debt	18.50	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	9.23
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	17.95	HDFC Hybrid Equity Fund(G)	9.29
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	16.10	HDFC Hybrid Equity (Adjusted)	9.29
Bandhan Aggressive Hybrid Fund	15.17	Tata Aggressive Hybrid Fund	9.65
Edelweiss Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	15.17	Groww Aggressive Hybrid Fund	10.29

ANNUALISED RETURNS IN %, As on: 9 April 2026

पोर्टफोलियो 'लाल' देख घबराएं नही, जानें सही रणनीति

क्या आप भी FD छोड़कर म्यूचुअल फंड में आए हैं?

सुरभि खन्ना
NBTwealth@timesofindia.com

फिक्स्ड डिपॉजिट से म्यूचुअल फंड में आने वाले कई निवेशक शुरुआती नुकसान देखकर घबरा जाते हैं। लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह सामान्य है। सही असेट एलोकेशन, धैर्य और अनुशासन के साथ निवेश जारी रखने पर यही गिरावट लंबे समय में बेहतर रिटर्न का मौका बन सकती है।

पारंपरिक निवेश विकल्पों जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ना उन निवेशकों के लिए बड़ा कदम है, जो लंबे समय में बेहतर रिटर्न चाहते हैं। गुजरात की 45 वर्षीय एक निवेशक ने अगस्त 2024 में FD से 10 लाख रुपये इक्विटी म्यूचुअल फंड में शिफ्ट किए हैं। उनके पोर्टफोलियो में फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप और स्मॉल कैप फंड्स का मिक्स है, जिसे लमसम और SIP दोनों तरीकों से निवेश किया गया है। उन्होंने निप्पॉन इंडिया विजन फंड में लगभग 7.15 लाख, HDFC फ्लेक्सी कैप में लगभग 3 लाख रुपये, क्वांट स्मॉल कैप फंड में 10,000 रुपये (SIP जारी है), और SBI मल्टी कैप फंड में लगभग 33,000 रुपये निवेश किए हैं।

हालांकि, बाजार में उतार-चढ़ाव की वजह से उनका पोर्टफोलियो फिलहाल घाटे (Red) में है। इसके बावजूद, वह 4 लाख रुपये और निवेश करने का प्लान बना रही हैं और वह स्पष्टता चाहती हैं कि इस पैसे को अलग-अलग मार्केट कैप में कैसे बांटें।

CFP हर्षवर्धन रूंगटा के अनुसार, फिक्स्ड डिपॉजिट से इक्विटी की ओर बढ़ना एक सकारात्मक और सही फैसला है। वह बताते हैं कि नए निवेशकों के लिए इक्विटी निवेश के शुरुआती दौर में घाटा देखना काफी आम बात है, खासकर बाजार की अस्थिर परिस्थितियों में। लेकिन, जो बात सबसे अलग है वह यह कि नुकसान के बावजूद निवेशक और पैसा लगाने को तैयार है, जो यह दिखाता है कि उन्हें धीरे-धीरे समझ आ रहा है कि बाजार लंबे समय में कैसे काम करता है। एक्सपर्ट का कहना है कि आपको इस पूरी तस्वीर को समग्र रूप से देखना होगा, यह समझने के लिए कि एक नया निवेशक जो फिक्स्ड डिपॉजिट से म्यूचुअल फंड में आया है और करीब डेढ़ साल में उसे घाटा हो रहा है, लेकिन इतनी हिम्मत है कि वह बाजार में और पैसा लगाना चाहता है।

फंड चयन के साथ असेट एलोकेशन ज़रूरी

निवेशक के पोर्टफोलियो की समीक्षा करते हुए रूंगटा ने कहा कि मौजूदा म्यूचुअल फंड स्कीम्स बुनियादी तौर पर सही हैं। अब ध्यान मार्केट कैप के बीच एक स्पष्ट एलोकेशन स्ट्रैटजी पर होना चाहिए। ऐसे निवेशकों को पहले तय करना चाहिए कि उन्हें कुल इक्विटी निवेश का कितना हिस्सा लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप फंड में रखना है, जो उनके जोखिम की क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर है। रूंगटा कहते हैं कि पोर्टफोलियो की स्कीम्स में कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं है। हालांकि, अब आगे यह तय करना होगा कि वह लार्ज कैप कैटिगरी में कितना आवंटन चाहते हैं, और मिड, स्मॉल कैप में कितना। उदाहरण के लिए, एक संतुलित निवेशक स्थिरता के लिए लार्ज कैप में ज्यादा पैसा लगा सकता है, जबकि एक आक्रामक निवेशक ज्यादा रिटर्न की संभावना के लिए मिड और स्मॉल कैप में निवेश बढ़ा सकता है। इस तरह का फ्रेमवर्क बनाने से निवेश प्रक्रिया में स्पष्टता और अनुशासन आता है। रूंगटा ने आगे बताया कि पहले एक योजना बनाना कि किस कैटिगरी में कितना पैसा जाएगा और फिर उसके हिसाब से स्कीम्स चुनना ही समझदारी भरा तरीका है।

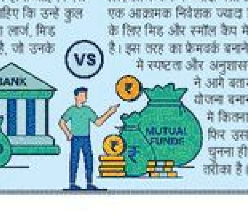

क्या बाज़ार गिरने पर और निवेश करना चाहिए?

रूंगटा समझाते हैं कि मार्केट करेक्शन इक्विटी चक्र का स्वाभाविक हिस्सा है और इससे घबराना नहीं चाहिए। निवेशक अक्सर शॉर्ट-टर्म घाटे को देखकर इमोशनल हो जाते हैं, लेकिन जो लोग इसकी प्रकृति को समझते हैं, वे बेहतर फैसले ले पाते हैं। अगर कोई जोखिमों को समझता है, तो गिरावट के दौरान और पैसा लगाना लंबे समय में उसके पक्ष में काम कर सकता है। हालांकि, ऐसे फैसले किसी जल्दबाजी के बजाय एक व्यवस्थित योजना के तहत होने चाहिए।

अभी 4 लाख रुपये कहां, कैसे निवेश करें?

रूंगटा ने सुझाव दिया कि निवेशक को नई स्कीम्स जोड़कर पोर्टफोलियो को जटिल नहीं बनाना चाहिए। इसके बजाय, वह अपनी मौजूदा फंड्स में ही नए निवेश को बांट सकती हैं, जैसे कि फ्लेक्सी-कैप और मल्टी-कैप फंड। मेरा सुझाव होगा कि वह इसे उन दो स्कीम्स में बांट दें जो उनके पास पहले से हैं। एक HDFC फ्लेक्सी कैप और दूसरा SBI मल्टी कैप फंड। इस तरह वह अपना नया पैसा निवेश कर सकती हैं। अगर उन्हें बाजार के लॉन्ग-टर्म भविष्य पर भरोसा है, तो वह मौजूदा वैल्यूएशन का फायदा उठाने के लिए यह राशि लम्पसम निवेश करने पर विचार कर सकती हैं।

 हालांकि, यह फैसला उनके कंफर्ट लेवल और बाजार के उतार-चढ़ाव की समझ के हिसाब से होना चाहिए। यह केस उन निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण सबक है जो फिक्स्ड डिपॉजिट से म्यूचुअल फंड में शिफ्ट हो रहे हैं। शॉर्ट-टर्म घाटा देखना इक्विटी निवेश का एक सामान्य हिस्सा है, और डर में प्रतिक्रिया देना अक्सर फायदे के बजाय नुकसान पहुंचाता है। इक्विटी में संपत्ति बनाने के लिए सही असेट एलोकेशन और लॉन्ग-टर्म नजरिए के साथ एक अनुशासित दृष्टिकोण जरूरी है। धैर्य और निरंतरता बनाए रखकर, निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव को लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के अवसर में बदल सकते हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 04-11-2026 21:35 Color:

आपका टैक्स कम कर सकते हैं आपके मम्मी-पापा... ऐसे करें स्मार्ट प्लानिंग

अभिषेक मिश्र
Abhishek.Mishra1@timesofindia.com

टैक्स प्लानिंग के पारंपरिक तरीकों से अलग, परिवार के भीतर आय के स्मार्ट प्रबंधन से भी कर बोझ घटाया जा सकता है। खासकर माता-पिता के नाम निवेश के जरिए कम टैक्स स्लैब का फायदा उठाया जा सकता है, बशर्ते पूरा लेनदेन नियमों के अनुरूप और वास्तविक हो।

जॉइंट अकाउंट या FD में फर्स्ट होल्डर ही ब्याज पर टैक्स देता है, इसलिए टैक्स प्लानिंग में सही नाम रखना बेहद जरूरी है।

अगर आप सैलरीड हैं और टैक्स का बोझ कम करना चाहते हैं, तो इसके लिए एक सरल तरीका अपनाया जा सकता है। हालांकि, यह काफी प्रचलित नहीं है, लेकिन चार्टर्ड अकाउंटेंट इसे कानूनी तौर पर सही और सुरक्षित मानते हैं। टैक्स का बोझ कम करने के लिए आप अपने माता-पिता को धनराशि उपहार के तौर पर दे सकते हैं। आयकर कानून के मौजूदा प्रावधान में इसे पूरी तरह वैध माना जाता है। इसे अगर सही तरीके से अपनाया जाए, तो परिवार पर टैक्स का बोझ भी काफी कम हो सकता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) मनीष कुमार सिन्हा बताते हैं कि अधिकतर परिवारों में यह आम बात है कि घर का इकलौता कमाऊ सदस्य अपने जीवनसाथी या मां-बाप के बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करता है। इसमें सेविंग्स और फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) से मिलने वाला इंटरेस्ट या किसी मकान से मिलने वाला किराया शामिल हो सकता है।

मनीष के मुताबिक, टैक्स प्लानिंग का यह तरीका इसलिए अपनाया जाता है, क्योंकि जीवनसाथी या माता-पिता की आय, जो किसी अन्य स्रोत से नहीं होती, अधिकतम छूट के दायरे में आती है।

टैक्स कनेक्ट अडवाइजरी सर्विसेज के पार्टनर विवेक जालान आगाह करते हैं कि चूंकि माता-पिता क्लबिंग प्रोविजन के दायरे में नहीं आते हैं। इसलिए, कई करदाता इस खास तरीके को संपत्ति ट्रांसफर करने की वैध योजना मानते हैं। लेकिन इसे आयकर अधिनियम की सीमाओं के भीतर ही करना चाहिए और यह लेनदेन महज दिखावटी नहीं होना चाहिए।

वास्तविक होने चाहिए लेनदेन

मनीष इसकी बारीकी समझाते हैं। वह कहते हैं, 'आयकर अधिनियम की धारा 56(2)(x) के अनुसार, अगर रिश्तेदार आपको गिफ्ट देते हैं, तो उस पर टैक्स नहीं लगता है। माता-पिता को भी रिश्तेदार माना जाता है, इसलिए संतान अगर उन्हें धनराशि देती है, तो उन्हें आयकर नहीं लगेगा। इसके अलावा इस छूट की कोई ऊपरी सीमा भी तय नहीं की गई है।' मगर वह भी आगाह करते हैं कि लेनदेन पूरी तरह वास्तविक होना चाहिए। इस छूट पर कोई ऊपरी सीमा निर्धारित नहीं है।

टैक्स प्लानर और अडवोकेट शिवानी सिंह का मानना है कि टैक्स प्लानिंग का मूल फायदा गिफ्ट के बाद की कमाई में पता चलता है। जब आप रकम अपने मां-बाप के खाते में ट्रांसफर कर देते हैं, तो उस पर उन्हें जो ब्याज मिलता है वही उनकी कमाई मानी जाती है। इस पर लगने वाला टैक्स भी उनके स्लैब के आधार पर तय किया जाता है। टैक्स का आधार आपका टैक्स स्लैब नहीं होता है।

शिवानी समझाती हैं कि अगर आप 30% टैक्स स्लैब में हैं और आपके माता-पिता की आय सीमित है या वे कम टैक्स स्लैब में आते हैं, तो आप उन्हें कुछ राशि भेजकर अपना टैक्स बोझ कम कर सकते हैं। क्योंकि, आपने जो रकम उन्हें दी है उस पर मिलने वाले ब्याज पर उन्हें टैक्स चुकाना पड़ेगा।

मनीष का कहना है कि अगर मां-बाप सीनियर सिटीजन हैं तो इसका ज्यादा फायदा मिल सकता है। इनकम टैक्स ऐक्ट की धारा 80TTB के तहत वरिष्ठ नागरिक बचत खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट और रिकरिंग डिपॉजिट जैसे बैंक में जमा राशि पर मिलने वाले ब्याज पर सालाना 50 हजार रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं।

विवेक समझाते हैं कि इसका मतलब सीधा है कि अगर गिफ्ट की गई राशि से हर साल अगर 50,000 रुपये तक ही ब्याज मिलता है, तो उन्हें कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। अगर ब्याज से होने वाली कमाई इससे ज्यादा हो जाती है, तो अतिरिक्त राशि पर उनके स्लैब के अनुसार ही टैक्स चुकाना पड़ेगा। आमतौर पर यह राशि भी कम ही होती है।

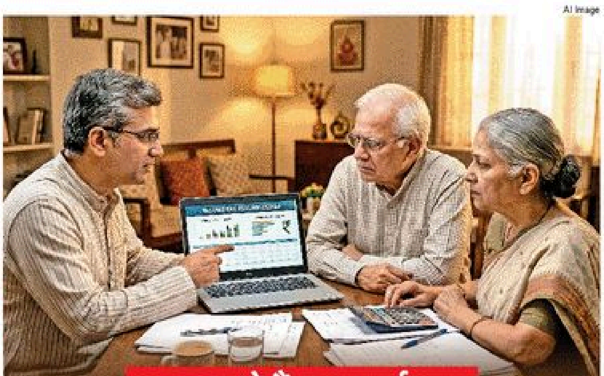

AI Image

कहते हैं एक्सपर्ट

सुरक्षित तरीका

"परिवार के ऐसे सदस्य को, जिनकी आय कम है, उन्हें आप धनराशि उपहार के तौर पर देते हैं तो आपका टैक्स बोझ कम हो सकता है। यह सुरक्षित तरीका है।"
- विवेक जालान, पार्टनर, टैक्स कनेक्ट अडवाइजरी सर्विसेज

मिलेगा फायदा

"गिफ्ट कॉन्सेप्ट के जरिये आप स्मार्ट टैक्स प्लानिंग कर ऊंचे टैक्स स्लैब से बच सकते हैं। यह आयकर अधिनियम की धारा 56(2)(x) के अनुसार पूरी तरह वैध मानी जाती है।"
- मनीष कुमार सिन्हा, चार्टर्ड अकाउंटेंट

गिफ्ट का लाभ

"जब रकम माता-पिता के खाते में जाती है, तो उस पर मिलने वाला ब्याज उनकी आय मानी जाती है। फिर इस पर टैक्स भी उनका स्लैब तय करता है, आपके स्लैब का उस पर असर नहीं पड़ता।"
- शिवानी सिंह, अडवोकेट

गिफ्ट डीड ज़रूरी

विवेक चेतावनी देते हैं कि अगर आप टैक्स बचाने के लिए योजना बना रहे हैं, तो बाकायदा एक गिफ्ट डीड तैयार करनी चाहिए। इससे यह साबित होगा कि मालिकाना हक का ट्रांसफर बगैर किसी शर्त के हुआ था और आपको उस रकम पर अपना स्वामित्व भी नहीं जताना होगा, क्योंकि अब वह पूरी तरह आपके माता-पिता की हो जानी चाहिए। इसके अलावा, आपके माता-पिता को ITR फाइल करना होगा। भले ही उनकी कुल आमदनी टैक्स की सीमा से कम रहे। CA मनीष सिन्हा नए नियमों को लेकर सजग करते हैं। वह समझाते हैं कि आयकर विभाग की नजर अब गिफ्ट और नहीं कमाने वाले लोगों पर भी रहती है। अगर आप उस रकम को दोबारा कहीं निवेश करते हैं और उससे फिर कमाई होती है तो वह मामला अलग हो जाता है। इसे इनकम फ्रॉम इनकम कहा जाता है।

मनीष के मुताबिक, अगर किसी को बिना कुछ दिए या कम कीमत पर शेयर, आभूषण जैसी चल संपत्ति और जमीन, भवन जैसी अचल संपत्ति मिलती है, तो उस पर अन्य स्रोतों से आय के हिसाब से टैक्स लगेगा। धन के मामले में अगर फाइनैंशल ईयर में उपहार की कीमत 50,000 से अधिक है, तो पूरी रकम पर कर चुकाना पड़ेगा। संपत्ति के मामले में अगर संपत्ति की बाजार कीमत और उसके बदले दी गई कीमत के बीच का अंतर भी 50,000 रुपये से अधिक होता है, तो उस अंतर पर टैक्स लगता है। हालांकि कुछ उपहार टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं। भले वे 50,000 रुपये से अधिक के हों। करीबी रिश्तेदारी, शादी-विवाह, विरासत, सरकारी संस्थाओं या किसी ट्रस्ट से मिले उपहार पर कोई टैक्स नहीं लगता है। आपके पिता ने 5 लाख रुपये दिए हैं, तो उस पर टैक्स नहीं लगेगा।

नाबालिग बच्चों के नाम पर निवेश से टैक्स बचेगा?

अगर आपके मन में टैक्स, इंश्योरेंस या निवेश से जुड़ा कोई भी सवाल है, तो हमें जरूर भेजें। हमारे एक्सपर्ट आपके सवालों का आसान, सटीक और भरोसेमंद जवाब देंगे। हर हफ्ते इसी कॉलम में आपके सवालों का समाधान प्रकाशित किया जाएगा, ताकि आप बेहतर वित्तीय फैसले ले सकें।

सुशील अग्रवाल
NBTwealth@timesofindia.com

Q क्या पति और पत्नी एक दूसरे को पैसे ट्रांसफर करें तो उस पर भी टैक्स लगता है? - निरंजन शर्मा, गाजियाबाद

पति और पत्नी के बीच पैसों का लेन-देन सामान्य है और इसे उपहार (Gift) माना जाता है। इस पर कोई टैक्स नहीं लगता, क्योंकि आयकर कानून की दृष्टि में पति पत्नी 'रिश्तेदार' होते हैं। ध्यान रखने वाली बात यह है कि यदि उन पैसों से आय होती है जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट का ब्याज, किराया या व्यवसाय से लाभ तो वह आय धारा 64 (क्लबिंग ऑफ इनकम) के तहत पैसा देने वाले की आय में जोड़ दी जाती है और उसी के अनुसार टैक्स लगाया जाता है।

Q क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स, कैशबैक पर टैक्स लगता है? - जितेन्द्र गुप्ता, ग्रेटर नोएडा

यदि क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल पर मिलने वाला कैशबैक या रिवॉर्ड केवल आपके निजी खर्च पर छूट या डिस्काउंट के रूप में है, तो आमतौर पर उस पर कोई टैक्स नहीं लगता। लेकिन यदि ये रिवॉर्ड्स या कैशबैक व्यवसाय, प्रोफेशनल गतिविधि या प्रमोशनल इनकम से जुड़े हुए हैं, तो इन्हें व्यवसायिक आय माना जाएगा और उस पर टैक्स देना होगा।

Q क्या नाबालिग बच्चों के नाम पर निवेश करने से टैक्स बचाया जा सकता है? - रविन्दर चौधरी, फरीदाबाद

नाबालिग बच्चों (18 वर्ष से कम आयु) के नाम पर निवेश करने से सामान्यतः टैक्स नहीं बचता। नाबालिग बच्चे से होने वाली आय धारा 64(1A) के तहत माता या पिता, जिसकी आय अधिक हो, उसकी आय में जोड़ दी जाती है। हालांकि, प्रति बच्चे 1,500 प्रति वर्ष तक की आय पर टैक्स में छूट मिलती है। कुछ विशेष परिस्थितियों, जैसे दिव्यांग बच्चा या बच्चे द्वारा स्वयं की प्रतिभा/कौशल से अर्जित आय (जैसे खेल या अभिनय) में क्लबिंग के नियम लागू नहीं होते।

Q अगर मैंने ITR फाइल नहीं किया, लेकिन टैक्स कट चुका है, तो क्या होगा? - सुधांशु श्रीवास्तव, गुरुग्राम

यदि आपकी आय टैक्सेबल सीमा से अधिक है और आपने आयकर रिटर्न (ITR) फाइल नहीं किया है, तो आयकर विभाग आपको नोटिस भेज सकता है, भले ही पूरा टैक्स TDS के रूप में कट चुका हो। नोटिस मिलने पर आपको रिटर्न फाइल करते समय अपनी आय की पूरी जानकारी देनी होती है और विभाग द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उचित उत्तर देना होता है। यदि कोई आय छूट जाती है, तो उस पर टैक्स और ब्याज के साथ साथ जुर्माने का भी प्रावधान है।

यदि यह रिटर्न वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2024-25 के किसी वर्ष से संबंधित है, तो आप अपडेटेड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। ऐसे मामलों में टैक्स और ब्याज के साथ अतिरिक्त कर (Additional Tax) देना पड़ सकता है, और इस स्थिति में कोई टैक्स रिफंड नहीं मिलेगा।

Q क्या UPI या बैंक ट्रांसफर से बार-बार पैसे आने पर उसे इनकम मानकर टैक्स लग सकता है? - क्षमा पराशर, गाजियाबाद

यदि UPI या बैंक ट्रांसफर के माध्यम से आपके खाते में बार-बार पैसे आ रहे हैं और उनका उल्लेख आपकी आयकर रिटर्न (ITR) में नहीं है, तो यह संदेह स्वाभाविक है कि आप अपनी आय छुपा रहे हैं। यदि यह राशि आपकी आय नहीं है, तो इसके संबंध में आपके पास उचित स्पष्टीकरण और प्रमाण होना जरूरी है। यह राशि उधार वापसी, उपहार (गिफ्ट) या किसी खर्च की प्रतिपूर्ति (रिइम्बर्समेंट) है, तो उससे संबंधित दस्तावेज सुरक्षित रखना चाहिए। ऐसा लेन-देन बेनामी मान लिया जाए, तो और भी अधिक कानूनी परेशानी हो सकती है। इसलिए अपने बैंक खाते में बिना आवश्यकता के बार-बार पैसों का लेन देन करना उचित नहीं है।

(लेखक चार्टर्ड अकाउंटेंट और टैक्स विषयों के जानकार हैं।)

अपने सवाल ई-मेल करें *पर्सनल फाइनैंस से जुड़ा कोई भी सवाल आपके मन में है, कोई बात आपको समझ नहीं आ रही है तो हमें बताएं। सब्जेक्ट में 'Wealth QA' लिखें और ई-मेल करें NBTwealth@timesofindia.com पर। हां, ई-मेल में अपना और शहर का नाम लिखना न भूलें।*

इनकम टैक्स रूल्स, 2026 की शुरुआत के साथ, सैलरी इनकम पर टैक्स, रेट की बजाय अब स्ट्रक्चर आधारित हो गया है

15 से 50 लाख तक की सैलरी... किस पर कितना टैक्स?

नीलांजित दास
NBTwealth@timesofindia.com

इनकम टैक्स रूल्स 2026 ने सैलरीड के लिए कई मौके खोले हैं, खासकर HRA, भत्तों और परक्विजिट (Perquisites) में बदलाव के जरिए टैक्स योग्य आय घटाने के। सही सैलरी स्ट्रक्चर के साथ 15 लाख से 50 लाख तक की कमाई पर टैक्स देनदारी में बड़ा फर्क आ सकता है।

टैक्स इस पर निर्भर है कि आपकी सैलरी किस तरह से स्ट्रक्चर की गई है।

इनकम टैक्स रूल्स, 2026 सैलरीड कर्मचारियों के लिए कई लाभ लेकर आए हैं। इसमें अब चार और शहर उच्च HRA टैक्स लाभ के लिए योग्य होंगे, मील कार्ड (Sodexo, Pluxee, Zaggle) पर टैक्स बेनिफिट बढ़ गया है, बच्चों के शिक्षा भत्ते में वृद्धि हुई है (पुरानी टैक्स व्यवस्था चुनने वालों के लिए), और भी बहुत कुछ। ये नियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू हो गए हैं, जो अब एक तरह से इनकम टैक्स एक्ट, 2025 का हिस्सा है।

ये नए टैक्स नियम 2026 टैक्स वर्ष 2026-27 के लिए लागू हैं, जो AY 2026-27 के समान नहीं हैं। टैक्स वर्ष 2026-2027 के लिए आप अपना ITR 31 जुलाई 2027 को या उससे पहले फाइल करेंगे (छात्रों, पेंशनभोगियों, वेतनभोगी और गैर-टैक्स ऑडिट मामलों के लिए)।

IT रूल्स, 2026 में सैलरीड को ये लाभ:

- मोटर कार परक्विजिट (कंपनी की गाड़ी)
- कर्मचारियों को ब्याज मुक्त या रियायती लोन
- भोजन और जलपान के लाभ
- बच्चों की शिक्षा और हॉस्टल भत्ता
- नए शहरों (हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और बेंगलुरु) के लिए अधिक HRA लाभ
- उपहार/उत्सव वाउचर पर अधिक टैक्स लाभ

इनकम टैक्स रूल्स, 2026 की शुरुआत के साथ, सैलरी इनकम पर टैक्स अब 'रेट-ड्रिवन' होने के बजाय 'स्ट्रक्चर-ड्रिवन' हो गया है। यानी, अब यह सिर्फ टैक्स स्लैब (दर) पर निर्भर नहीं है, बल्कि इस बात पर ज्यादा निर्भर करता है कि आपकी सैलरी किस तरह से स्ट्रक्चर (ढांचे में बांटी) की गई है। यही 'स्ट्रक्चर-ड्रिवन' है। हालांकि टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन अगर आपकी सैलरी में HRA (हाउस रेंट अलाउंस), अलग-अलग भत्ते और परक्विजिट (कंपनी से मिलने वाले अतिरिक्त फायदे) सही तरीके से शामिल किए जाएं, तो आपकी टैक्स योग्य आय (जिस पर टैक्स लगता है) काफी कम हो सकती है। कहने का मतलब है कि इन नियमों की मदद से आप टैक्स बचा सकते हैं।

नोट: यहां समझाने के लिए कुछ कैलकुलेशन दिए गए हैं, लेकिन वास्तविक टैक्स व्यक्ति के वास्तविक सैलरी स्ट्रक्चर पर ही निर्भर करेगा।

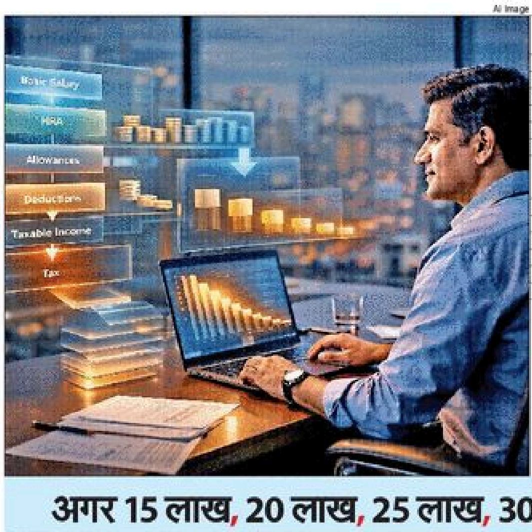

AI Image

सैलरी ब्रेकअप

विवरण	CTC-15 लाख	CTC-20 लाख	CTC-25 लाख	CTC-30 लाख	CTC-50 लाख
अनुअल सैलरी	15,00,000	20,00,000	25,00,000	30,00,000	50,00,000
बेसिक सैलरी	5,62,500	7,50,000	9,37,500	11,25,000	18,75,000
महंगाई भत्ता (DA)	1,87,500	2,50,000	3,12,500	3,75,000	6,25,000
HRA प्राप्त	3,90,000	5,20,000	6,50,000	7,80,000	11,00,000
वास्तविक रेंट पेड	3,75,000	5,00,000	5,00,000	6,30,000	16,00,000

HRA कैलकुलेशन

विवरण	CTC-15 लाख	CTC-20 लाख	CTC-25 लाख	CTC-30 लाख	CTC-50 लाख
HRA कैलकुलेशन के लिए सैलरी	7,50,000	10,00,000	12,50,000	15,00,000	25,00,000
1. मिला हुआ HRA	3,90,000	5,20,000	6,50,000	7,80,000	11,00,000
2. दिया गया किराया (सैलरी का 10%)	3,00,000	4,00,000	3,75,000	4,80,000	13,50,000
3. सैलरी का 50%	3,75,000	5,00,000	6,25,000	7,50,000	12,50,000
HRA में मिलने वाली छूट	3,00,000	4,00,000	3,75,000	4,80,000	11,00,000

IT रूल्स, 2026 के अन्य ज़रूरी बदलाव

- **आसान रिटर्न फाइलिंग का विस्तार (नियम 164):** ITR-1 और ITR-4 दाखिल करने की एलिजिबिलिटी बढ़ा दी गई है। अब वे व्यक्ति भी इन्हें फाइल कर सकते हैं, जिनके पास दो घर हैं, जबकि पहले यह सीमा केवल एक घर तक थी।
- **ITR-4 दाखिल करने पर प्रतिबंध (नियम 164):** एक नई शर्त के तहत, अगर कोई करदाता 'अन्य स्रोतों से आय' (धारा 93) के तहत फैमिली पेंशन के अलावा कोई अन्य कटौती का दावा करता है, तो वह ITR-4 दाखिल नहीं कर सकता।
- **LTC नियमों का सरलीकरण (नियम 278):** लीव ट्रैवल कंसेशन (LTC) में अब केवल इकॉनमी क्लास तक छूट नहीं है, बल्कि पात्रता के अनुसार किसी भी श्रेणी पर छूट है। जहां सार्वजनिक परिवहन नहीं है, वहां ₹30 प्रति किमी. के हिसाब से खर्च मान्य होगा।

अगर 15 लाख, 20 लाख, 25 लाख, 30 लाख और 50 लाख अनुअल सैलरी है तो...

विवरण	CTC-15 लाख		CTC-20 लाख		CTC-25 लाख		CTC-30 लाख		CTC-50 लाख	
	ओल्ड रेजीम	न्यू रेजीम	ओल्ड रेजीम	न्यू रेजीम	ओल्ड रेजीम	न्यू रेजीम	ओल्ड रेजीम	न्यू रेजीम	ओल्ड रेजीम	न्यू रेजीम
बेसिक सैलरी	5,62,500	5,62,500	7,50,000	7,50,000	9,37,500	9,37,500	11,25,000	11,25,000	18,75,000	18,75,000
महंगाई भत्ता (DA)	1,87,500	1,87,500	2,50,000	2,50,000	3,12,500	3,12,500	3,75,000	3,75,000	6,25,000	6,25,000
अन्य सैलरी कंपोनेंट्स	7,50,000	7,50,000	10,00,000	10,00,000	12,50,000	12,50,000	15,00,000	15,00,000	25,00,000	25,00,000
ग्रॉस पे (कुल सैलरी)	15,00,000	15,00,000	20,00,000	20,00,000	25,00,000	25,00,000	30,00,000	30,00,000	50,00,000	50,00,000
घटाएं: स्टैंडर्ड डिडक्शन	50,000	75,000	50,000	75,000	50,000	75,000	50,000	75,000	50,000	75,000
घटाएं: HRA छूट	3,00,000	---	4,00,000	---	3,75,000	---	4,80,000	---	11,00,000	---
घटाएं: फूड कूपन	1,05,600	1,05,600	1,05,600	1,05,600	1,05,600	1,05,600	1,05,600	1,05,600	1,05,600	1,05,600
घटाएं: बच्चों का शिक्षा भत्ता	72,000	---	72,000	---	72,000	---	72,000	---	72,000	---
घटाएं: हॉस्टल भत्ता	2,16,000	---	2,16,000	---	2,16,000	---	2,16,000	---	2,16,000	---
टैक्स योग्य सैलरी	7,56,400	13,19,400	11,56,400	18,19,400	16,81,400	23,19,400	20,76,400	28,19,400	34,56,400	48,19,400
घटाएं: धारा 80C कटौती	1,50,000	---	1,50,000	---	1,50,000	---	1,50,000	---	1,50,000	---
घटाएं: धारा 80CCD(2) (नियोक्ता का NPS)	75,000	1,05,000	1,00,000	1,40,000	1,25,000	1,75,000	1,50,000	2,10,000	2,50,000	3,50,000
घटाएं: धारा 80CCD(1B)-NPS	50,000	---	50,000	---	50,000	---	50,000	---	50,000	---
घटाएं: धारा 80D (हेल्थ इंश्योरेंस)	50,000	---	50,000	---	50,000	---	50,000	---	50,000	---
नेट टैक्सेबल सैलरी	4,31,400	12,14,400	8,06,400	16,79,400	13,06,400	21,44,400	16,76,400	26,09,400	29,56,400	44,69,400
कुल टैक्स देनदारी	---	14,980	76,730	1,41,320	2,12,600	2,45,540	3,28,040	3,77,330	7,27,400	9,57,650

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: ccil Time: 04-11-2026 21:33 Color:

20:80 होम पेमेंट प्लान

कितनी हकीकत, कितना फसाना?

AI image

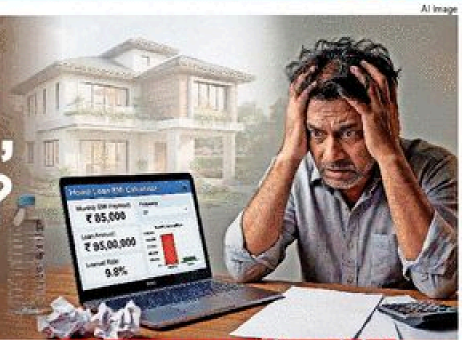

20:80 होम पेमेंट प्लान और इंटरेस्ट सबवेंशन जैसी स्कीमें घर खरीदने के लिए लोन की प्रक्रिया को आसान, सस्ता दिखाती हैं, लेकिन इनके पीछे छिपी लागत और जोखिम अक्सर नजरअंदाज हो जाते हैं।

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti@timesofindia.com

20:80 होम पेमेंट प्लान में कम रकम देकर घर बुक करना पहली नजर में तो आसान लगता है, लेकिन असल खेल ब्याज और देरी का होता है, जो छिपा रहता है। प्री-EMI छूट के पीछे छिपी लागत को समझे बिना लिया गया फैसला आगे चलकर भारी पड़ सकता है।

घर खरीदना बेहद भावनात्मक फैसला है, लेकिन यह इससे कहीं अधिक समझदारी से किया जाने वाला फाइनेंशल फैसला भी है। खासकर ऐसे समय में, जब रियल एस्टेट बाजार में कुछ अनिश्चितता हो, जैसे शेयर बाजार में गिरावट, सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव, तो लोग सुरक्षित निवेश के तौर पर घर खरीदने की ओर झुकते हैं। इसी मनोविज्ञान को समझते हुए बिल्डर्स ने 20:80 होम पेमेंट प्लान जैसे विकल्प पेश किए हैं, जो पहली नजर में बेहद आकर्षक लगते हैं, लेकिन बारीक निगाह से देखें तो मामला इतना सीधा भी नहीं है।

समझें 20:80 प्लान को

इस स्कीम में आपको घर बुक करते समय सिर्फ 20% राशि देनी होती है और बाकी 80% भुगतान पजेशन (कब्जा मिलने यानी करीब 3 से 4 साल बाद) के समय करना होता है। सुनने में यह आसान और सुविधाजनक लगता है, लेकिन इसके पीछे कई ऐसे पहलू छिपे होते हैं, जिन्हें समझना बेहद जरूरी है।

यह व्यवस्था खासकर उन लोगों को आकर्षित करती है जो एक साथ बड़ी रकम देने में सक्षम नहीं होते। उन्हें लगता है कि वे कम पैसे में अभी घर बुक कर सकते हैं और बाकी बाद में मैनेज कर लेंगे।

प्री-EMI का असली खेल

डिवेलपर अक्सर प्री-EMI फ्री या सब्सिडी स्कीम का वादा करते हैं। इसका मतलब यह होता है कि सोसायटी के बनने के दौरान EMI नहीं देनी पड़ेगी या डिवेलपर वह EMI देगा। लेकिन असलियत यह है कि इस दौरान ब्याज (Interest) लगातार जुड़ता रहता है। यानी आप भले ही EMI न दे रहे हों, लेकिन आपका लोन बढ़ता जा रहा होता है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपने 1 करोड़ रुपये का घर लिया है और 75 लाख का लोन लिया है तो 4 साल की निर्माण अवधि में ब्याज जुड़कर आपकी कुल देनदारी काफी बढ़ सकती है। अंत में जब पजेशन मिलता है, तब आपको ज्यादा EMI या ज्यादा कुल भुगतान करना पड़ता है।

मान लें कि लोन राशि: 75 लाख रुपये है।

■ ब्याज दर: 8.5% ■ अवधि: 20 साल

अगर आप निर्माण के दौरान EMI नहीं देते हैं तो 4 साल बाद आपका लोन बढ़कर लगभग 88 लाख रुपये तक पहुंच सकता है यानी आपने बिना कुछ किए ही करीब 13 लाख रुपये का अतिरिक्त बोझ अपने ऊपर ले लिया।

आखिर आप ज्यादा क्यों चुकाते हैं?

जब बैंक डिवेलपर को आपके नाम पर पैसा देता है, तो वह पैसा धीरे-धीरे (Construction-linked) दिया जाता है। लेकिन अगर आप EMI नहीं दे रहे हैं तो उस पर ब्याज जुड़ता रहता है यानी आप जितनी देर EMI टालते हैं, उतना ही ब्याज बढ़ता जाता है। यही वजह है कि 'नो EMI' स्कीम असल में हाई कॉस्ट स्कीम बन जाती है।

रिस्क सिर्फ पैसों का नहीं, टाइम का भी

■ **प्रोजेक्ट में देरी:** अगर डिवेलपर समय पर प्रोजेक्ट पूरा नहीं करता तो आपका ब्याज बढ़ता रहेगा। देरी का सीधा असर आपकी जेब पर पड़ता है।

■ **डिवेलपर डिफॉल्ट का खतरा:** अगर डिवेलपर किसी कारण से प्रोजेक्ट पूरा नहीं कर पाता तो बैंक आपसे ही पैसे वसूल करेगा क्योंकि लोन आपके नाम पर है।

■ **क्रेडिट स्कोर पर असर:** अगर EMI का भुगतान गड़बड़ होता है तो आपका सिबिल स्कोर खराब हो सकता है।

असली समझदारी इन बातों में है...

■ **ज्यादा डाउन पेमेंट करें:** संभव हो, तो 20% से ज्यादा डाउन पेमेंट करें। इससे लोन कम होगा और ब्याज भी कम लगेगा।

■ **कंस्ट्रक्शन-लिंक्ड प्लान चुनें:** इसमें आप निर्माण की प्रगति के अनुसार भुगतान करते हैं, जिससे ब्याज का बोझ कम होता है।

■ **फुल EMI ऑप्शन अपनाएं:** शुरुआत से ही EMI देना थोड़ा मुश्किल लग सकता है, लेकिन याद रखें कि लंबी अवधि में यही सबसे सस्ता और अच्छा विकल्प होता है।

क्या 20:80 स्कीम पूरी तरह गलत है?

नहीं, यह स्कीम हर किसी के लिए खराब नहीं है। कुछ खास परिस्थितियों में यह उपयोगी हो सकती है।

■ जब आपकी इनकम भविष्य में बढ़ने की संभावना हो।
■ कम निवेश के बाद में ज्यादा भुगतान कर सकते हों।
■ जब प्रोजेक्ट विश्वसनीय डिवेलपर का हो।

होम लोन प्लान में इन बातों का रखें खयाल

होम लोन के लिए क्रेडिट स्कोर अहम है। अच्छा स्कोर होने पर लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिलता है, जबकि कम स्कोर पर आवेदन रिजेक्ट भी हो सकता है। इसे जरूर सुधारें।

लोन लेते समय अलग-अलग बैंकों के ऑफर्स जरूर देखें। ब्याज दर में थोड़ा फर्क भी कुल लागत बढ़ा सकता है। जॉइंट लोन लेने से ब्याज में छूट और टैक्स लाभ मिल सकता है।

फिक्स्ड और फ्लोटिंग ब्याज दर का अंतर भी समझें। फिक्स्ड दर स्थिर रहती है, जबकि फ्लोटिंग बाजार के अनुसार बदलती है। प्रोसेसिंग फीस, अन्य चार्जेस भी जरूर जांचें।

बैंक आमतौर पर 75% से 90% तक ही लोन देते हैं। ज्यादा डाउन पेमेंट से EMI और ब्याज कम होता है, लेकिन इसके लिए इमरजेंसी फंड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

> इंटरेस्ट सबवेंशन प्लान में पजेशन तक होम लोन का ब्याज बिल्डर भरता है और बाद में EMI खरीदार देता है। शुरुआत में यह आसान लगता है, लेकिन जोखिम भी है। ब्याज अक्सर प्रॉपर्टी कीमत में जुड़ा हो सकता है, जिससे कुल लागत बढ़ती है। साथ ही, अगर बिल्डर भुगतान में चूक करे तो खरीदार के क्रेडिट स्कोर पर सीधा असर पड़ सकता है। *-रतन चौधरी, हेड ऑफ होम लोन्स, Paisabazaar*

मौत के बाद प्रॉपर्टी झगड़े न हों, इसके लिए आपने क्या किया है?

AI image

नीलांजित दास
NBTwealth@timesofindia.com

प्रॉपर्टी मालिक की मौत के बाद सही कानूनी कदम न उठाने पर परिवारों में विवाद खड़ा हो सकता है। वसीयत, रेकॉर्ड अपडेट और लिखित समझौते जैसी छोटी सावधानियां बड़े झगड़ों से बचा सकती हैं। जानिए कैसे समय रहते सही प्रक्रिया अपनाकर आप अपनी संपत्ति और रिश्ते दोनों को सुरक्षित रख सकते हैं।

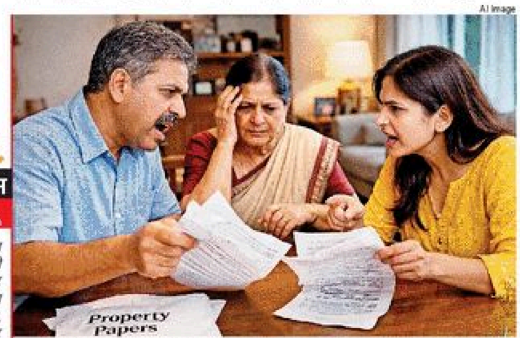

भारत में प्रॉपर्टी को लेकर झगड़े बहुत आम हैं, खासकर तब जब किसी मालिक की मौत हो जाती है और उसके बाद सही कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती। यही कारण है कि हाई कोर्ट में हजारों केस ऐसे हैं, जिन्हें समय रहते सही कदम उठाकर रोका जा सकता था। यह सब न हो, इसके लिए जरूरी है कि मौत के बाद संपत्ति को संभालने का तरीका स्पष्ट, लिखित और कानूनी रूप से मजबूत हो।

दस्तावेज हैं सबसे बड़ा हथियार

ज्यादातर प्रॉपर्टी विवाद सही दस्तावेज न होने से होते हैं। इसलिए जरूरी है कि सभी महत्वपूर्ण कागजात सुरक्षित रखें, जैसे टाइटल डीड (मालिकाना हक का प्रमाण), टैक्स रसीद (कर भुगतान का प्रमाण), बिजली-पानी के बिल और अन्य संबंधित दस्तावेज। ये सभी दस्तावेज किसी भी विवाद में सबूत के रूप में काम करते हैं और आपके पक्ष को मजबूत बनाते हैं।

पहला कदम: वसीयत है या नहीं, यह जरूर जांचें

सबसे पहले यह देखना जरूरी है कि मृत व्यक्ति ने वसीयत छोड़ी है या नहीं। वसीयत है, तो उसे प्रोबेट (कोर्ट द्वारा वसीयत की पुष्टि) कराना बेहतर रहता है। वसीयत नहीं होने पर संपत्ति का बंटवारा कानून के अनुसार होता है। हिंदुओं के मामले में Hindu Succession Act, 1956 लागू होता है। कानूनी वारिसों की पहचान करना और लीगल हेयर सर्टिफिकेट बनवाना जरूरी होता है।

दूसरा कदम: प्रॉपर्टी रेकॉर्ड तुरंत अपडेट कराएं

वारिस तय हो जाए, तो सरकारी रेकॉर्ड अपडेट कराएं। इसमें 7/12 एक्सट्रैक्ट, प्रॉपर्टी कार्ड और नगर निगम के रेकॉर्ड होते हैं। इस प्रक्रिया को म्यूटेशन (नाम बदलकर नए मालिक का दर्ज होना) कहते हैं। म्यूटेशन से मालिकाना हक नहीं मिलता, लेकिन यह साबित करता है कि अब संपत्ति पर किसका अधिकार है। आगे खरीद-बिक्री या कानूनी प्रक्रिया में यह बहुत जरूरी होता है।

तीसरा कदम: प्रॉपर्टी की कैटिगरी समझें

अगर संपत्ति खुद की कमाई से खरीदी गई है, तो मालिक उसे किसी को भी दे सकता है। लेकिन संपत्ति पैतृक है, तो परिवार के अन्य सदस्यों का भी उसमें अधिकार है। इसके अलावा, कुछ संपत्तियां फ्रीहोल्ड (पूर्ण स्वामित्व) होती हैं, जबकि कुछ लीजहोल्ड (तय समय के लिए अधिकार) होती हैं। लीजहोल्ड या सरकारी आवंटित संपत्तियों में ट्रांसफर के लिए सरकारी अनुमति भी लेनी पड़ सकती है।

चौथा कदम: समझौता लिखित, रजिस्टर्ड हो

आपस में समझौता हो तो लिखित हो और उसे रजिस्टर्ड जरूर कराएं। इसके लिए रिलीज डीड (किसी हिस्से पर अपना अधिकार छोड़ना), पार्टिशन डीड (संपत्ति का बंटवारा) या गिफ्ट डीड (संपत्ति उपहार में देना) जैसे दस्तावेज बनाए जाते हैं। पहले परिवार के भीतर लिखित समझौते की कोशिश करनी चाहिए। नहीं तो कोर्ट में पार्टिशन सूट या इनजंक्शन के जरिए समाधान निकाला जा सकता है।

क्या परिवार के लोग घर में रह सकते हैं?

यह सवाल स्थिति पर निर्भर करता है। विवाद होने पर कोर्ट अक्सर 'स्टेटस को' यानी वर्तमान स्थिति बनाए रखने का आदेश देता है। वसीयत होने पर मालिकाना हक तय होता है, लेकिन विरोध पर कानूनी कार्रवाई होती है।

समय रहते उठाएं सही कदम

प्रॉपर्टी से जुड़े विवादों से बचने का सबसे अच्छा तरीका है पहले से तैयारी करना। समय रहते स्पष्ट वसीयत बनाएं, प्रॉपर्टी रेकॉर्ड अपडेट रखें और परिवार के सभी समझौतों को लिखित रूप में रजिस्टर्ड कराएं। इससे न केवल कोर्ट के झंझट से बचा जा सकता है, बल्कि परिवार में शांति भी बनी रहती है।

Nippon india Mutual Fund
Wealth sets you free

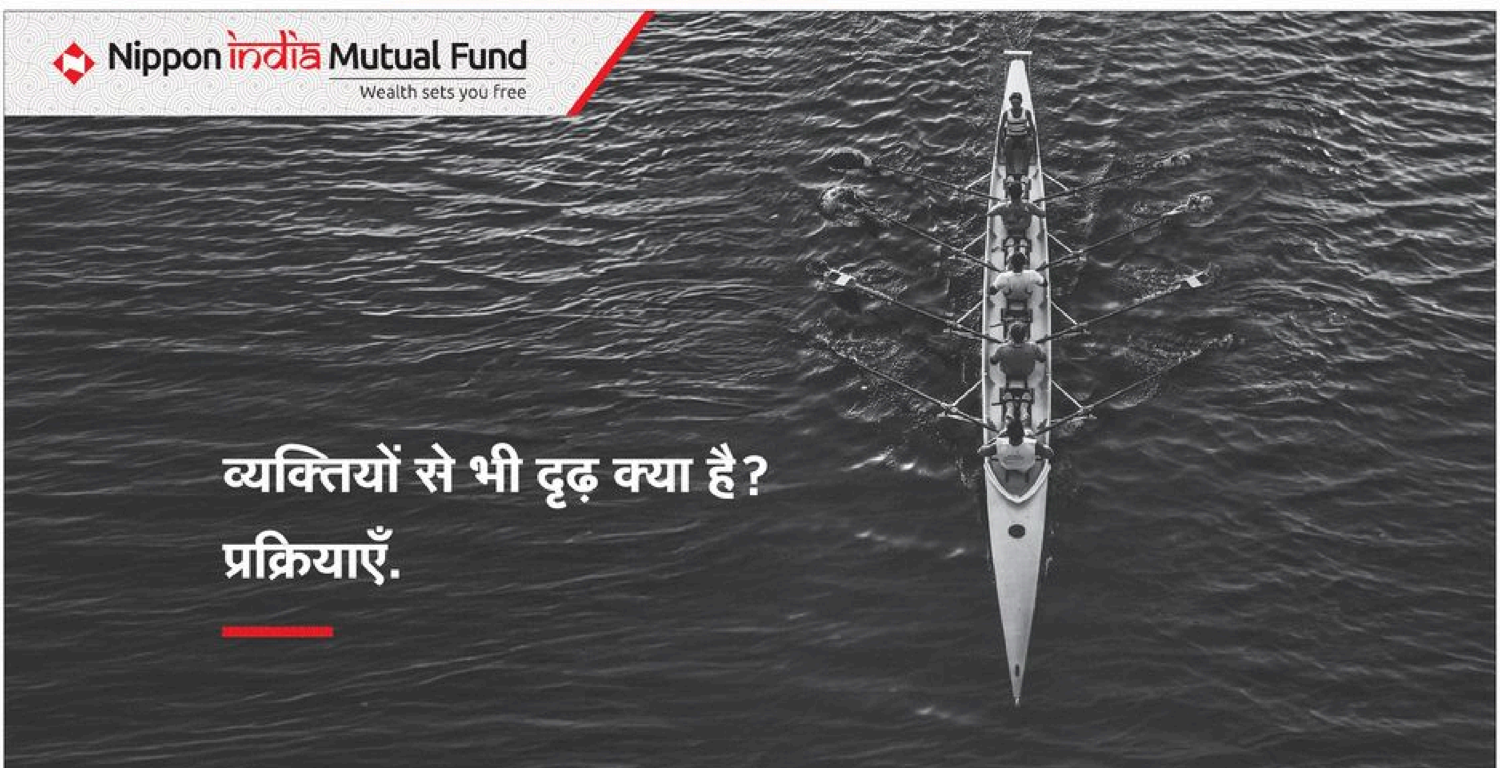

व्यक्ति बदल सकते हैं, पर भरोसेमंद तरीके, कभी नहीं.

जाँची-परखी हुई प्रक्रियाएँ किसी भी निवेश कंपनी की सफलता के लिए प्रमुख होती हैं क्योंकि यही उस कंपनी की कार्यशैली को दर्शाती हैं. इसलिए, ऐसा निवेश प्रबंधक चुनें जो सिर्फ़ कुछ कुशल व्यक्तियों के बल पर नहीं, बल्कि मज़बूत प्रक्रियाओं के विश्वास पर टिका हो.

सुदृढ़ प्रक्रियाएँ और रिस्क मैनेजमेंट आपको अपने लक्ष्यों को स्थिरता और निरंतरता के साथ प्राप्त करने में मदद करते हैं.

mf.nipponindiaim.com/EdgeOfKnowledge

अपने म्यूचुअल फंड वितरक या निवेश सलाहकार से संपर्क करें। 8000112244 पर मिस्ड कॉल दीजिए

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड की निवेशक शिक्षा और जागरूकता पहल.

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए सहायक जानकारी: सभी म्यूचुअल फंड निवेशकों को वन टाइम KYC (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया से गुजरना होता है. निवेशकों को केवल पंजीकृत म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना चाहिए, जिसकी जाँच SEBI की वेबसाइट पर 'Intermediaries/Market Infrastructure Institutions' के अंतर्गत की जानी चाहिए. अपनी शिकायतों के निवारण के लिए आप https://scores.sebi.gov.in पर विजिट कर सकते हैं. KYC, विभिन्न विवरणों में बदलाव और शिकायतों के निवारण पर अधिक जानकारी के लिए, विजिट करें mf.nipponindiaim.com/investoreducation/what-to-know-when-investing.html

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है, योजना से जुड़े सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.

rediffusion.in

CCING 3.7 Product: NBTDelNBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAFL2 User: ccl Time: 04-12-2026 23:15 Color:

TMC ने केंद्र की योजनाएं लागू नहीं होने दीं: मोदी

■ पीटीआई, सिलीगुड़ी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान टीएमसी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर काटकर पूर्वोत्तर को देश से अलग करने की धमकी देने वालों का टीएमसी ने तुष्टीकरण की राजनीति के लिए समर्थन किया।

मोदी ने कहा, सिलीगुड़ी कॉरिडोर देश के लिए रणनीतिक रूप से अहम है, क्योंकि यह पूर्वोत्तर राज्यों का मुख्य संपर्क मार्ग है। केंद्र इसके बड़े पैमाने पर विकास पर काम कर रही है। पीएम ने लोगों से 'डबल इंजन' सरकार के पक्ष में मतदान की अपील की और कहा कि इससे बंगाल में विकास दोगुनी गति से होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 साल के शासन में टीएमसी ने राज्य को नुकसान पहुंचाया और केंद्र की योजनाओं को लागू नहीं होने दिया, जिससे 25% से भी कम काम पूरा हुआ। दावा किया कि राज्य सरकार ने मदरसों के विकास के लिए 6000 करोड़ रुपये दिए, पर पूरे उत्तर बंगाल के लिए पर्याप्त बजट नहीं रखा गया। टीएमसी को आदिवासी और महिला विरोधी बताया।

PTI

पीएम मोदी ने रविवार को रैली में बंगाल में बीजेपी को वोट देने की अपील की।

सत्ता से हटाने को 1,000 करोड़ का सौदा: ममता

■ पीटीआई, कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि बीजेपी टीएमसी उम्मीदवारों और मंत्रियों को धमका रही है, ताकि अगर उसे बहुमत न मिले तो उनका समर्थन हासिल किया जा सके। ममता ने कहा कि बीजेपी चुनाव के बाद सरकार बनाने के लिए दबाव की राजनीति कर रही है। केंद्र सरकार परिसीमन के जरिए बंगाल को तीन हिस्सों में बांटने की योजना बना रही है और कुछ हिस्सों को बिहार या ओडिशा में मिलाया जा सकता है। ममता ने दावा किया कि टीएमसी को हटाने के लिए 1000 करोड़ रुपये की डील की गई है। उन्होंने केंद्रीय बलों पर महिलाओं के साथ अभद्रता का आरोप भी लगाया। ममता ने कहा कि SIR प्रक्रिया देश का सबसे बड़ा घोटाला है और बीजेपी चुनाव से पहले वोटरों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। लोगों को सतर्क रहना चाहिए।

ममता बनर्जी

चुनाव से पहले 12 पुलिस अफसरों का ट्रांसफर

■ पीटीआई, कोलकाता: चुनाव आयोग ने बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता पुलिस और राज्य पुलिस के 12 अफसरों का ट्रांसफर किया है। कई वरिष्ठ अफसरों को अहम पदों से हटाकर नई जिम्मेदारी दी गई है। कोलकाता पुलिस में सीआईडी में डीआईजी सोमा दास मित्रा को जॉइंट कमिश्नर (क्राइम) बनाया गया है। डीआईजी (पर्सोनल) सुदीप सरकार को जॉइंट कमिश्नर (हेडक्वार्टर) की जिम्मेदारी दी गई है।

पहले चरण में 3.6 करोड़ से ज्यादा वोटर: आयोग

■ पीटीआई, कोलकाता: चुनाव आयोग के मुताबिक पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 23 अप्रैल को 16 जिलों में 3.6 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालने के पात्र हैं। पहले चरण में 1.84 करोड़ पुरुष, 1.75 करोड़ महिलाएं और 465 थर्ड जेंडर वोटर शामिल हैं। जिलों में मुर्शिदाबाद में सबसे अधिक 50.26 लाख मतदाता हैं। इसके बाद पूर्व मेदिनीपुर में 41.60 लाख और पश्चिम मेदिनीपुर में 37.70 लाख वोटर हैं।

फटाफट खबरें

राहुल ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को रन फॉर आंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन मैराथन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस दौरान आरोप लगाया कि बीजेपी-आरएसएस का लक्ष्य डॉ. भीम राव आंबेडकर की सोच और देश के संविधान को कमजोर करना है। संविधान ही देश की आधारशिला है और इसके बिना भारत का मौजूदा स्वरूप संभव नहीं होता।

पिथौरागढ़ के पूर्व SP पर FIR होगी

■ NBT रिपोर्ट, पिथौरागढ़: पिथौरागढ़ के पूर्व एसपी लोकेश्वर सिंह के खिलाफ मारपीट के आरोपों पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजय सिंह की अदालत ने केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं। पीड़ित व्यापारी लक्ष्मी दत्त जोशी का आरोप है कि वर्ष 2023 में पुलिस क्वार्टर के सीवरेज की समस्या पर कार्रवाई न होने की शिकायत करने एसपी कार्यालय गए तो उनके साथ मारपीट हुई।

मालदा केस में सात को हिरासत में लिया

■ पीटीआई, कोलकाता: मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में एनआईए ने रविवार को कांग्रेस के एक उम्मीदवार समेत सात लोगों को हिरासत में लिया है। इसके अलावा, ISF के एक पंचायत सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया है। घेराव SIR प्रक्रिया के दौरान लिस्ट से नाम हटाए जाने के विरोध में किया गया था।

'जाति जनगणना ठंडे बस्ते में डाली'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: जाति जनगणना को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच टकराव तेज होता जा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है और इसके लिए अलग-अलग समय पर अलग रुख अपनाया जा रहा है।

केरल: वोट के बदले नोट के आरोप लगे

■ पीटीआई, अलप्पुझा: केरल के कुट्टनाड विधानसभा क्षेत्र में एलडीएफ ने यूडीएफ उम्मीदवार रेजी चेरियन पर वोट के बदले पैसे बांटने का आरोप लगाया है। इस संबंध में चुनाव आयोग से शिकायत की गई है। एलडीएफ ने दावा किया कि चेरियन ने चुनाव प्रचार के दौरान नकद और यूपीआई के जरिए मतदाताओं को पैसे बांटे।

हिस्सेदारी घटाने की कोशिश : स्टालिन

■ पीटीआई, रमनाथपुरम: तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र महिला आरक्षण का हवाला देकर संसद में राज्य की हिस्सेदारी घटाना चाहती है। जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्यों को सजा दी जा रही है और सभी लोकतांत्रिक ताकतें इसका विरोध करेंगी।

महिला आरक्षण को लेकर पीएम के लेटर पर खरगे ने उठाए सवाल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: महिला आरक्षण लागू करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन को लेकर प्रस्तावित संसद के विशेष सत्र पर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में सरकार के फैसले पर गंभीर सवाल उठाए हैं और सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है।

इससे पहले, शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा के फ्लोर लीडर्स को लिखे पत्र में कहा था कि महिला आरक्षण कानून को अब पूरी तरह लागू करने का समय आ गया है। उन्होंने 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के साथ कराने पर जोर दिया। मोदी ने सभी दलों से 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन के लिए एकजुट होने की अपील की थी। इस पर खरगे ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से पारित किया था लेकिन इसके बावजूद सरकार ने इसे तत्काल लागू नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 30 महीने बीत जाने के बाद अब बिना विपक्ष को विश्वास में लिए विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि प्रस्तावित परिसीमन के बारे में कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की गई है, जिससे इस महत्वपूर्ण कानून पर सार्थक चर्चा संभव नहीं हो पाएगी। इस बीच, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने खरगे से कहा कि महिला आरक्षण कानून लागू करने में देरी महिलाओं के साथ अन्याय है और इसे लागू करने में समर्थन दें।

मल्लिकार्जुन खरगे

बीजेपी ने विप जारी किया

बीजेपी संसदीय दल ने अपने सांसदों के लिए तीन लाइन का विप जारी किया है। इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सभी बीजेपी सांसदों को 16 से 18 अप्रैल तक संसद के दोनों सदनों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया है। विप में विशेष रूप से केंद्रीय मंत्रियों समेत सभी सदस्यों को निर्देश दिया गया है कि वे इन तीनों दिनों के दौरान सदन में मौजूद रहें। स्पष्ट किया गया है कि इन तारीखों में कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा और सभी को विप का सख्ती से पालन करना होगा।

BJP ने बिहार में शिवराज को बनाया पर्यवेक्षक

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को विधायक दल के नेता के चयन के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। हालांकि, विधायक दल की बैठक और नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार 15 अप्रैल तक बिहार के नए मुख्यमंत्री का ऐलान हो सकता है। इससे पहले 14 अप्रैल को मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में एक अहम बैठक बुलाई गई है। इसमें बिहार के लगभग सभी बीजेपी नेता शामिल होंगे।

शिवराज सिंह चौहान

SIR: 12 राज्यों में 7.20 करोड़ वोटरों के नाम कटे

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

AI image

■ नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों के करीब 51 करोड़ मतदाताओं वाली वोटर लिस्टों की हुई एसआईआर प्रक्रिया में 7.20 करोड़ वोटरों के नाम कटे और फॉर्म नंबर-6, 8 के माध्यम से दो करोड़ से अधिक वोटरों के नाम जुड़े। इन 12 राज्यों में मतदाताओं के नाम कटने के प्रतिशत के हिसाब से देखा जाए तो सबसे अधिक 16.6 फीसदी वोटरों के नाम अंडमान-निकोबार से कटे, दूसरे नंबर पर 13.2 फीसदी के साथ उत्तर प्रदेश, फिर गुजरात, छत्तीसगढ़ और 5वें नंबर पर पश्चिम बंगाल में वोटरों के नाम कटे।

यहां 10.9 प्रतिशत वोटरों के नाम कटे। सबसे कम 0.3 फीसदी लक्षद्वीप, केरल, राजस्थान, मध्य-प्रदेश और पुडुचेरी में नाम कटे। पश्चिम बंगाल के मामले में चुनाव आयोग के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो यहां मृत, डबल वोटर कार्ड, एब्सेंट, शिफ्ट और अन्य (ASDD) वाली लिस्ट में 58.20 लाख से अधिक और फॉर्म नंबर-7 के आधार पर 33 लाख से अधिक वोटरों के नाम काटे गए। जिनकी संख्या इन सभी 12 राज्यों में हुई एसआईआर में सबसे अधिक रही। यानी, इन 12 राज्यों में हुई एसआईआर प्रक्रिया में नाम काटने के लिए भरे जाने वाले फॉर्म नंबर-7 के तहत सबसे अधिक 33.15 लाख से अधिक नाम पश्चिम बंगाल में कटे।

15 से अमरनाथ यात्रा के लिए शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

■ पीटीआई, जम्मू: अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई से शुरू हो रही है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होगा। यह यात्रा 57 दिन तक चलेगी और 28 अगस्त को खत्म होगी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रहेगा। 13 से 70 वर्ष के श्रद्धालु ही यात्रा कर सकेंगे। रजिस्ट्रेशन देशभर की 556 बैंक शाखाओं और ऑनलाइन माध्यम से किया जा सकेगा। इनमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नैशनल बैंक, ICICI बैंक, एक्सिस बैंक और यस बैंक शामिल हैं। यात्रा दो मार्गों- पहलगाम और बालटाल से होगी, जबकि पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन होगी। यात्रा के लिए, रजिस्ट्रेशन आधार-आधारित बायोमेट्रिक 'ई-केवाईसी' सत्यापन के जरिए किया जाएगा। परमिट श्राइन बोर्ड के पोर्टल के जरिए ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। तीर्थयात्रियों को डॉक्टर से जारी हेल्थ सर्टिफिकेट जमा करना होगा।

■ **3 जुलाई** से 28 अगस्त तक चलेगी अमरनाथ यात्रा

■ **13 से 70** वर्ष के श्रद्धालु ही यात्रा कर सकेंगे।

■ **19 जून** को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन होगी पहली पूजा

556 बैंक शाखाओं में कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रहेगा।

रजिस्ट्रेशन के बाद श्राइन बोर्ड के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन परमिट जारी किए जाएंगे। हर परमिट के लिए ₹150 लगेंगे।

चारधाम यात्रा: ठगों पर शिकंजा जारी

NBT रिपोर्ट, देहरादून: चारधाम यात्रा में साइबर ठगों से निपटने के लिए STF सक्रिय हो गई है। हेलिकॉप्टर बुकिंग के नाम पर ठगने वाली 10 वेबसाइट बंद कराई हैं। 180 फर्जी लिंक भी ब्लॉक किए हैं। एसटीएफ के एसएसपी अजय सिंह ने बताया चारधाम यात्रा के लिए बुकिंग केवल https://heliyatra.irctc.co.in के माध्यम से ही करें। ठगी होने पर 1930 पर सूचित करें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: cci Time: 04-11-2026 21:51 Color:

मनी प्लानिंग में AI यूं बन सकता है आपका साथी

प्रदीप तिवारी
Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

AI सिर्फ जानकारी देने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह मनी प्लानिंग को आसान और व्यवस्थित बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। आप चाहें तो आय, खर्च, बचत और निवेश को संतुलित करने के लिए AI टूल्स का सहारा लेकर बेहतर और समझदारी भरे फैसले ले सकते हैं।

रोजमर्रा की जिंदगी में कमाई, खर्च, EMI, टैक्स और बचत के बीच संतुलन बनाना ज्यादातर लोगों के लिए आसान नहीं होता। खासकर मध्यम वर्गीय परिवारों में, जहां सैलरी आते ही उसका बड़ा हिस्सा जरूरी खर्चों में निकल जाता है और बचत की तस्वीर साफ नहीं बन पाती। अब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) से आसान तरीके से लोग अपनी मनी प्लानिंग बेहतर सकते हैं।

शुरुआत में ChatGPT जैसे AI टूल्स का इस्तेमाल सिर्फ जानकारी लेने या कंटेंट बनाने तक सीमित था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। लोग इन्हें अपने वित्तीय फैसलों को व्यवस्थित करने के लिए भी इस्तेमाल करने लगे हैं। खास बात यह है कि ये टूल्स यूजर्स को कंट्रोल अपने हाथ में रखते हुए सिर्फ दिशा दिखाते हैं, जिससे फैसले लेना आसान हो जाता है।

AI Image

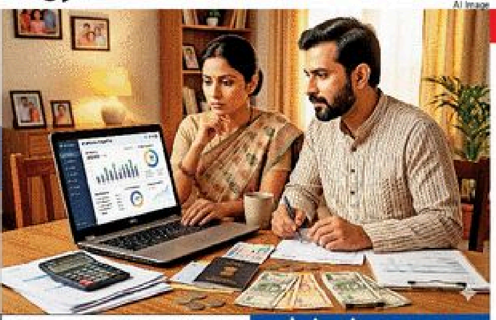

5 तरीके, जिनसे बना सकते हैं बेस्ट प्लानिंग

1 आय-खर्च का साफ हिसाब

AI टूल्स से आप आय और प्रमुख खर्चों जैसे किराया, EMI, राशन, सब्सक्रिप्शन को एक साथ देख सकते हैं। इससे पता चल सकता है कि कितना पैसा गैरजरूरी सब्सक्रिप्शन में जा रहा है या किस खर्च को कम किया जा सकता है।

2 इमरजेंसी फंड बनाना आसान

इमरजेंसी फंड बनाने में भी AI गाइड की तरह काम कर सकता है। यह आपकी आय और खर्च के आधार पर एक व्यावहारिक बचत लक्ष्य सुझा सकता है और यह भी बता सकता है कि हर महीने कितना पैसा इस मद में अलग रखा जाए।

3 निवेश को आसान बनाना

निवेश का नाम सुनते ही कई लोग घबरा जाते हैं। इक्विटी, डेट, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड इनकम जैसे शब्द जटिल लगते हैं। AI टूल्स इन शब्दों को आसान भाषा में समझाते हैं और अलग-अलग विकल्पों के बीच अंतर स्पष्ट करते हैं।

4 टैक्स को समझना अब आसान

AI टैक्स की जटिल भाषा को आसान तरीके से समझाता है। यह बताता है कि कौन से फैक्टर आपके टैक्स को प्रभावित करते हैं और अलग-अलग विकल्पों में क्या अंतर है। इससे सालभर में बेहतर टैक्स प्लानिंग की जा सकती है।

5 नियमित ट्रैकिंग में मददगार

मनी मैनेजमेंट में निरंतरता जरूरी है। प्लान बनाने के साथ उसे हर महीने ट्रैक करना होता है। AI एक ऐसा फॉर्मेट तैयार कर सकता है जिसे आप हर महीने इस्तेमाल कर सकें जिसमें बचत, खर्च और निवेश की प्रगति साफ दिखाई दे।

कैसे करें शुरुआत?

एक साधारण प्रॉम्प्ट के जरिए आप मनी प्लानिंग का खाका तैयार कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप आय, फिक्स्ड और फ्लेक्सिबल खर्च, मौजूदा बचत, इमरजेंसी फंड लक्ष्य और निवेश बजट दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद AI आपको एक स्पष्ट मासिक ब्रेकडाउन देगा जिसमें बजट, बचत, निवेश और टैक्स से जुड़े सुझाव होंगे। इसके साथ ही, यह अगले महीने के लिए कुछ ऐक्शन स्टेप्स भी सुझाएगा। यही प्रक्रिया हर महीने दोहराने से आपको अपने पैसों का बेहतर नियंत्रण मिल सकता है।

प्रॉम्प्ट

इस महीने के लिए मेरा मनी प्लान रिव्यू करें। मेरी इनकम (जितनी हो) है। मेरे नियमित खर्च (खर्च की लिस्ट और रकम) है। मेरे फ्लेक्सिबल एक्सपेंस (खर्च की लिस्ट और रकम) है। मेरी मौजूदा सेविंग्स (रकम) है। मेरा इमरजेंसी फंड टारगेट (रकम) है। मेरा इन्वेस्टमेंट बजट (रकम) है। कृपया बजट, सेविंग्स, इन्वेस्टमेंट और टैक्स प्लानिंग का एक साफ और आसान मंथली ब्रेकडाउन दें। अंत में एक छोटा सा समरी और अगले महीने के लिए एक्शन स्टेप्स भी जोड़ें, ताकि मैं समझ सकूं कि खर्चों को नियंत्रित करने और सेविंग को बढ़ाने के लिए मुझे क्या करने की जरूरत है।

ChatGPT के लिए यह एक स्टैंडर्ड प्रॉम्प्ट है। इसमें अपनी आय, खर्च और बचत से जुड़ी हुई सारी जानकारी भरने के बाद ChatGPT पर डालेंगे तो पूरे महीने की प्लानिंग पता चल जाएगी। प्लान बिल्कुल सटीक हो, इसलिए कोशिश करें कि छोटे खर्च को भी इसमें जरूर शामिल करें।

कई लोग आदत से ITR-1 भर देते हैं, जबकि यह क्रिप्टो इनकम के लिए लागू नहीं होता

Crypto Tax ये गलतियां भारी न पड़ जाएं

AI Image

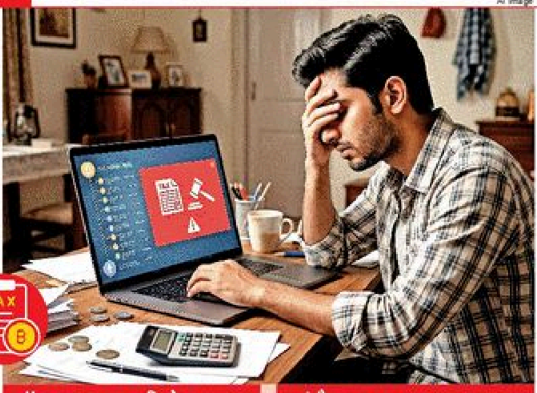

Crypto Class

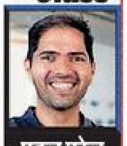

एडुल पटेल
NBTwealth@timesofindia.com

क्रिप्टो निवेश में टैक्स से जुड़ी छोटी-छोटी गलतियां निवेशकों पर भारी पड़ सकती हैं। गलत ITR फॉर्म चुनना, इनकम को सही तरीके से रिपोर्ट न करना और TDS नियमों को नजरअंदाज करना आम चूक है।

(लेखक Mudrex के CEO हैं।)

हर साल टैक्स का समय आता है और हर साल वही गलतियां दोहराई जाती हैं। लाखों क्रिप्टो निवेशक मेहनत करके अपना पोर्टफोलियो बढ़ाते हैं, लेकिन उसे सही तरीके से रिपोर्ट करना भूल जाते हैं। समझते हैं कि लोग कहां गलती कर रहे हैं और क्या सुधार करना चाहिए।

गलत ITR फॉर्म चुनना

अगर आप एक सामान्य निवेशक हैं और कभी-कभी क्रिप्टो खरीदते-बेचते हैं, तो आपको ITR-2 भरना चाहिए। अगर क्रिप्टो ट्रेडिंग आपका बिजनेस है, तो ITR-3 सही फॉर्म है। गलत फॉर्म भरने से सिर्फ देरी नहीं होती, बल्कि रिटर्न रिजेक्ट भी हो सकता है। इसका मतलब है कि आपको पूरी प्रक्रिया फिर से करनी पड़ेगी।

हर कमाई ट्रेडिंग प्रॉफिट नहीं

- कई निवेशक मानते हैं कि टैक्स सिर्फ तब लगता है जब वे किसी कॉइन को बेचकर मुनाफा कमाते हैं। लेकिन क्रिप्टो में कमाई सिर्फ ट्रेडिंग तक सीमित नहीं है। Staking से मिलने वाले रिवॉर्ड, Airdrop और DeFi से होने वाली कमाई भी इनकम मानी जाती है, और हर एक पर अलग तरीके से टैक्स लगता है।
- Staking रिवॉर्ड पर टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स लगता है, जैसे शेयर बाजार में डिविडेंड पर लगता है। Airdrop को गिफ्ट माना जाता है। अगर एक साल में गिफ्ट की कुल वैल्यू 50,000 से ज्यादा हो जाती है, तो वह पूरी तरह टैक्सेबल हो जाती है।
- आपको 40,000 का Airdrop मिला, तो तुरंत टैक्स नहीं लगेगा। लेकिन उसी साल कुल गिफ्ट वैल्यू 50,000 से ऊपर चली जाती है, तो पूरी रकम पर टैक्स लगेगा और जब आप बाद में उन टोकनों को बेचेंगे, तो उन पर होने वाले मुनाफे पर 30% टैक्स अलग से लगेगा।

लॉस एडजस्ट नहीं होता

क्रिप्टो में आप नुकसान को दूसरे मुनाफे से एडजस्ट नहीं कर सकते। अगर एक कॉइन में ₹1,00,000 का मुनाफा कमाया और दूसरे में ₹50,000 का नुकसान, तब भी पूरे ₹1,00,000 पर 30% टैक्स देना होगा। यहां हर मुनाफा अलग-अलग देखा जाता है।

ट्रांजैक्शन पर 1% TDS

- जुलाई 2022 से क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर 1% TDS लागू है। आप भारतीय एक्सचेंज पर ट्रेड करते हैं, तो यह अपने आप कट जाता है। अगर विदेशी प्लेटफॉर्म है, तो TDS काटना और जमा करना आपकी जिम्मेदारी है। कई निवेशक इस नियम को नहीं जानते या इसे नजरअंदाज कर देते हैं।

सही तरीके से टैक्स फाइल करना जरूरी

भारतीय क्रिप्टो निवेशक सबसे सक्रिय निवेशकों में से हैं। इस ग्रोथ को बनाए रखने के लिए नियमों का पालन जरूरी है। ज्यादातर भारतीय एक्सचेंज आसानी से ट्रांजैक्शन और TDS रिपोर्ट उपलब्ध कराते हैं, जिन्हें कुछ ही क्लिक में डाउनलोड कर सकते हैं। इससे टैक्स फाइल करना पहले से आसान हो गया है। अब जब सारे टूल्स आपके पास हैं, तो सही और समय पर रिपोर्ट करना जिम्मेदारी है। टैक्स फाइल करना मुश्किल नहीं है, लेकिन सही तरीके से करना जरूरी है।

नए टैक्स नियमों का असर

- *1 अप्रैल 2026 से नया इनकम टैक्स एक्ट, 2025 लागू हो गया है। हालांकि FY 2025-26 के लिए अभी भी पुराने नियम ही लागू होंगे। FY 2026-27 से नए सेक्शन नंबर लागू होंगे, लेकिन नियम वही रहेंगे। 30% का फ्लैट टैक्स, लॉस एडजस्ट न कर पाने का नियम और 1% TDS- ये सब वैसे ही रहेंगे, सिर्फ सेक्शन के नंबर बदलेंगे।*
- *बजट 2026 में लेट रिपोर्टिंग पर ₹200 प्रति दिन जुर्माना और गलत जानकारी देने पर ₹50,000 तक का फाइन जोड़ा गया है। कम रिपोर्ट करने पर टैक्स का 200% तक जुर्माना लग सकता है। अगर छुपाई गई कमाई ₹25 लाख से ज्यादा है, तो जेल की सजा भी हो सकती है।*
- *जनवरी 2026 से, विदेशी प्लेटफॉर्म्स या वॉलेट में रखे गए क्रिप्टो पर भी नजर रखी जा रही है। अलग-अलग देशों के टैक्स विभाग अब आपस में डेटा शेयर कर रहे हैं। इसका मतलब है कि अब विदेशी अकाउंट भी छुपाना मुश्किल हो गया है।*

काम की खबर

IPO में पैसा लगाने जा रहे? जान लें हकीकत

AI Image

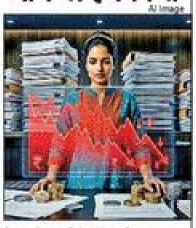

वित्त वर्ष IPO निवेशकों के लिए खासा निराशाजनक रहा। साल भर में मेनबोर्ड पर 109 IPO लिस्ट हुए, लेकिन 31 मार्च तक इनमें से सिर्फ 32 ने ही पॉजिटिव रिटर्न दिया। यानी हर तीन में से सिर्फ एक IPO ही निवेशकों को फायदा दे सका। वहीं, केवल 16 IPO ऐसे रहे, जिन्होंने लिस्टिंग प्राइस के मुकाबले 10% से ज्यादा मुनाफा दिया। कुल मिलाकर लिस्टिंग के बाद प्राइमरी मार्केट से निवेशकों को कोई खास कमाई नहीं हुई। हालांकि, ऑफर प्राइस के आधार पर तस्वीर थोड़ी बेहतर दिखती है, जहां 37 कंपनियों ने रिटर्न दिया और 31 ने 10% से ज्यादा कमाई कराई। दूसरी ओर, कई IPO घाटे का सौदा साबित हुए, जहां कुछ शेयर 60% से ज्यादा तक गिर गए।

कैसे भटका फाइनैंशल सेक्टर, 'Makers and Takers' में है कारण

लालच ने कर दिया बाज़ार का बेड़ा गर्क

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray@timesofindia.com

फाइनैंशल प्रॉडक्ट्स ने जहां अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया, वहीं लालच ने उन्हें असल मकसद से भटका दिया। 2008 के सब-प्राइम संकट से लेकर आज तक शॉर्ट टर्म मुनाफे की होड़ ने सिस्टम को कमजोर किया है। 'Makers and Takers' में राना फोरूहर ने इसी फाइनैंशियलाइजेशन की आलोचना की है।

पहले मुद्रा आई, फिर आए फाइनैंशल प्रॉडक्ट्स। इन प्रॉडक्ट्स की पूंजीवाद के विकास में अहम भूमिका रही है। इनकी वजह से ही उद्यमियों के लिए पैसा जुटाना आसान हुआ। इससे जो रिस्क कैपिटल उद्यमियों को मिला, उसी की बदौलत उन्होंने कंपनियां खड़ी कीं। मगर बाद में इन प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल अधिक मुनाफा कमाने में होने लगा। 2008 के सब-प्राइम संकट के दौरान दुनिया को यह बात समझ में आई कि वॉल स्ट्रीट के बैंकरों के लालच ने फाइनैंशल प्रॉडक्ट्स को उनके असल मकसद से कितना दूर कर दिया है। इसके बाद अमेरिका में बैंकिंग सुधार हुए ताकि ऐसी गलती न हो। इसमें बैंकरों का साथ देने वाली क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में आई और उनकी काफी आलोचना हुई। 'Makers and Takers' में राना फोरूहर (Rana Foroohar) ने इसी फाइनैंशियलाइजेशन की आलोचना की है।

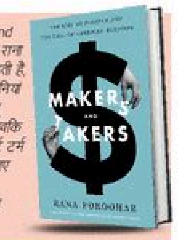

'Makers and Takers' में राना फोरूहर कहती हैं, 'मेकर्स' कंपनियां असली वैल्यू बनाती हैं, जबकि 'टेकर्स' शॉर्ट टर्म फायदे के लिए सिस्टम का इस्तेमाल करती हैं।

फाइनैंशल सेक्टर की भूमिका

वह लिखती हैं कि अमेरिका में पहले फाइनैंशल सेक्टर की भूमिका आर्थिक ग्रोथ को बढ़ाने वाली होती थी, लेकिन अब इसका रोल अधिक से अधिक मुनाफा कमाने वाला हो गया है। इससे समाज में गैरबराबरी बढ़ रही है। दूसरी तरफ, यह इनोवेशन का भी दम घोंट रहा है। राना का कहना है कि अमेरिकी इकॉनमी में फाइनैंशलाइजेशन सर्वोपरि हो गया है यानी बिजनेस के सभी पहलुओं से ऊपर इसे रखा जा रहा है। राना लिखती हैं कि वित्त बाजार के इस चलन की वजह से शॉर्ट टर्म में मुनाफे को सबसे अधिक तरजीह दी जाती है, जबकि रोजगार सृजन और लंबी अवधि के निवेश की अनदेखी।

> **फाइनैंशल सेक्टर का फोकस अब अर्थव्यवस्था को मजबूत करने से हटकर सिर्फ मुनाफा कमाने पर आ गया है। इससे इनोवेशन कमजोर हो रहा है और रोजगार के अवसर भी सीमित हो रहे हैं, जिससे समाज में असमानता बढ़ रही है।**

शॉर्ट टर्म मुनाफे पर जोर

राना ने यह भी बताया है कि उनकी नजर में फाइनैंशलाइजेशन क्या है। वह लिखती हैं कि जब पारंपरिक उद्योगों पर वित्तीय इरादे, शेयर बाजार और वित्तीय संस्थान हावी हो जाते हैं तो वह अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाता है। इस सूरत में कंपनियों से मुनाफा निकालना मूल मकसद बन जाता है, जबकि कंपनी असल में एक प्रॉडक्टिव एंटरप्राइज होती है। राना बताती हैं कि अमेरिकी मार्केट सिस्टम से सिर्फ 15% के करीब पैसा असल इकॉनमी में आ रहा है। फाइनैंशल सेक्टर का अमेरिका की कुल कंपनियों के मुनाफे में योगदान 25% है, लेकिन यह सिर्फ 4% रोजगार ही पैदा कर रहा है। अमेरिका में लॉबिंग करके नियम बदलवाए गए, जिसकी वजह से यह नौबत आई। 1970 के दशक में वहां नियम इस तरह से बदले गए कि कमर्शल बैंकिंग, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और यहां तक कि राजनीति के बीच का फर्क मिट गया।

मेकर्स कंपनियां हैं अच्छी

राना ने 'मेकर्स' उन कंपनियों को कहा है, जो इनोवेशन और एंप्लॉयमेंट के जरिये रियल वैल्यू क्रिएट करती हैं। 'टेकर्स' कैटिगरी में राना ने उन कंपनियों को रखा है, जो शॉर्ट टर्म के फायदे के लिए बैलेंस शीट को लेकर चालबाजी दिखाती हैं। टेकर्स में उन्होंने हेज फंडों को शामिल किया है, जिनका मकसद ही शॉर्ट टर्म में अधिक से अधिक मुनाफा कमाना होता है। इस कैटिगरी में प्राइवेट इक्विटी कंपनियां भी शामिल हैं, जो कॉर्पोरेशन पर कर्ज का बोझ बढ़ाती हैं। इसमें वे बैंक भी शामिल हैं, जो दूसरे देशों में टैक्स लूपहोल के लिए लॉबिंग करते हैं। इससे इक्विटी की तुलना में डेट को वरीयता मिलती है। राना लिखती हैं कि इस पूरे चक्कर में विदेश में नकदी रखने का चलन बढ़ा है।

GE की मिसाल

उन्होंने इस सिलसिले में अमेरिका की दिग्गज कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (GE) का जिक्र किया है। कभी यह कंपनी इंडस्ट्रियल जायंट हुआ करती थी, लेकिन बाद में यह फाइनैंशल ट्रेडर बन गई। मेकर्स कैटिगरी में उन्होंने सिस्को का जिक्र किया है। यह कंपनी अधिक ग्रोथ के लिए निवेश करती रहती है। राना का कहना है कि इस ट्रेंड का नुकसान आम कामगारों को हो रहा है। टेकर्स कैटिगरी वाली कंपनियां जहां अपने शेयरहोल्डर्स को और अमीर बनाने की कोशिश में लगी रहती हैं, जबकि ये अपने यहां काम करने वालों की पगार में अच्छी बढ़ोतरी नहीं करतीं। इससे समाज में असमानता बढ़ रही है।

रिफॉर्म्स करने होंगे

उनका कहना है कि स्थिति में सुधार के लिए बोल्ड रिफॉर्म्स चाहिए। Glass-Steagall को फिर से लाना होगा। बायबैक पर टैक्स लगना चाहिए, बैंक किस हद तक उधार ले सकते हैं उसकी सीमा तय करनी होगी और इक्विटी फाइनैंसिंग पर जोर देना होगा। ग्राहकों को भी मेकर्स कैटिगरी वाली कंपनियों को सपोर्ट करना चाहिए।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(13-19 अप्रैल 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
सप्ताह की शुरुआत अच्छी रहेगी और आप अपनी मेहनत से अच्छा धन अर्जित कर पाएंगे। प्रोजेक्ट आय बढ़ाने में मदद करेंगे। खासकर सोमवार और मंगलवार को अचानक कमाई बढ़ सकती है। जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, हालात और बेहतर होंगे, लेकिन बुधवार से शुक्रवार के बीच खर्च बढ़ सकते हैं। होटल, मीडिया, फैशन, हेल्थ, बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी में निवेश से लाभ के संकेत हैं।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
इस सप्ताह भाग्य साथ देगा और धन कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे। बिजनेस ट्रिप आपको फायदे देगी। आपकी मेहनत और समझदारी से निवेश में लाभ होगा और किसी व्यक्ति की मदद से भी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। सप्ताह के दूसरे हिस्से में हालात और बेहतर होंगे, लेकिन शनिवार और रविवार को खर्च बढ़ सकते हैं। तेल, ऑटोमोबाइल, केमिकल, फार्मा, टेलिकॉम और डेयरी सेक्टर में निवेश लाभकारी रह सकता है।

मिथुन (22 मई-21 जून)
सप्ताह की शुरुआत से ही अच्छे संकेत बन रहे हैं और सुख-समृद्धि बढ़ेगी। बिजनेस ट्रिप से लाभ मिलेगा। सप्ताह के अंत में आय के नए स्रोत खुल सकते हैं और शेयर मार्केट से भी लाभ के अवसर मिल सकते हैं। आपको किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मदद मिल सकती है। IT, होटल, खाद्य पदार्थ, फैशन, हेल्थ, बैंकिंग और इंश्योरेंस सेक्टर में निवेश से फायदा होने की संभावना है।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
इस सप्ताह की शुरुआत आपके लिए थोड़ी चुनौतीपूर्ण रह सकती है और खर्च बढ़ सकते हैं, जिससे मानसिक दबाव महसूस हो सकता है। लेकिन बुधवार से शुक्रवार के बीच हालात सुधरेंगे और धन आने के अवसर मिलेंगे। यात्राओं से भी लाभ हो सकता है और सप्ताह के अंत में मेहनत से अच्छा पैसा मिलेगा। सोलर पावर, हेल्थ, इलेक्ट्रॉनिक्स, मीडिया, होटल, ग्लैमर और डिफेंस सेक्टर में निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
इस सप्ताह आय के नए रास्ते खुलेंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रोजमर्रा के कामों से भी कमाई बढ़ेगी और कर्ज से राहत मिल सकती है। सप्ताह की शुरुआत में अच्छे मौके मिलेंगे, लेकिन बाद में खर्च बढ़ सकते हैं और मन थोड़ा अशांत रह सकता है। होटल, मीडिया, FMCG, कन्ज्यूमर गुड्स, सोलर और हेल्थ सेक्टर में निवेश आपके लिए फायदेमंद रह सकता है।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
इस सप्ताह की शुरुआत में आपके लिए धन बढ़ने के अच्छे अवसर बनेंगे और सोमवार-मंगलवार को आपको खास लाभ मिल सकता है। यही नहीं, साझेदारी में किया गया काम आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगा। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए निवेश को लेकर सतर्क रहें। होटल, मीडिया, फैशन, बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी, मेटल और AI सेक्टर में निवेश से लाभ मिलने की संभावना है।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
इस सप्ताह की शुरुआत से ही आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और धन लाभ के अवसर मिलेंगे। सोमवार और मंगलवार को शेयर मार्केट या अन्य माध्यम से फायदा हो सकता है। कर्ज से राहत मिल सकती है और आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। सप्ताह के अंत में बिजनेस से लाभ होगा। बैंकिंग, इंश्योरेंस, IT, हेल्थ, होटल, जैम स्टोन और कन्ज्यूमर गुड्स सेक्टर में निवेश से अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नव.)
इस सप्ताह की शुरुआत, यानी सोमवार और मंगलवार को खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए सावधानी रखना जरूरी है। हालांकि बुधवार से शुक्रवार के बीच आर्थिक हालात बेहतर होंगे और अचानक धन लाभ के संकेत हैं। सप्ताह के अंत में आय के नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। डिफेंस, IT, लोहा, ऑयल-पेट्रोलियम और डेयरी सेक्टर में निवेश से अच्छा फायदा मिलने की संभावना है।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
इस सप्ताह के बीच के दिनों, खासकर बुधवार से शुक्रवार तक खर्च बढ़ सकते हैं, विशेषकर घर या वाहन से जुड़े खर्च सामने आ सकते हैं। लेकिन सप्ताह के अंत में अचानक धन लाभ के संकेत हैं और शेयर मार्केट से फायदा हो सकता है। आपकी स्थिति धीरे-धीरे बेहतर होगी। सोलर पावर, हेल्थ, सोना-चांदी, तांबा, शिक्षा और AI सेक्टर में निवेश आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
इस सप्ताह की शुरुआत, यानी सोमवार और मंगलवार को निवेश से धन लाभ मिलेगा और आपकी बातचीत की क्षमता भी कमाई बढ़ाने में मदद करेगी। यह समय नए अवसरों के लिए अच्छा है और आप अपने कौशल से आय बढ़ा सकते हैं। इस सप्ताह आपको होटल, फैशन, ग्लैमर, IT, AI, इवेंट मैनेजमेंट, ऑटोमोबाइल, एयरलाइन, सोलर और हेल्थ सेक्टर में निवेश से अच्छे लाभ के संकेत हैं।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
आपकी समझदारी और सही फैसले लेने की क्षमता से लाभ होगा। आय के नए स्रोत खुलेंगे और नेटवर्किंग से भी आर्थिक फायदा मिलेगा। नए लोगों से जुड़ाव आपके लिए फायदेमंद रहेगा। सप्ताह के अंत में समय और बेहतर होगा। डिफेंस, सेमीकंडक्टर, होटल, फैशन, सोलर और हेल्थ सेक्टर में निवेश से लाभ मिल सकता है।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
सप्ताह की शुरुआत में खर्च बढ़ सकते हैं और थोड़ा दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन बुधवार से हालात सुधरेंगे और लाभ के अवसर मिलेंगे। आपकी समझदारी और सूझबूझ से धन बढ़ेगा। सप्ताह के अंत में आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी, मेटल, डिफेंस, होटल और FMCG सेक्टर में निवेश से अच्छा फायदा हो सकता है।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 04-12-2026 22:57 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 13 अप्रैल 2026 > चैत्र 23 शक 1948 वैशाख कृष्ण एकादशी, विक्रम संवत 2083 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 80, संख्या 86 > पेज 14 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in
*मासिक खरीद पर ही लागू

सीजफायर का जारी रहना बहुत जरूरी है, और सभी पक्षों को किसी भी तरह के और तनाव से बचना चाहिए।
-कीर स्टार्मर, ब्रिटेन के पीएम

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

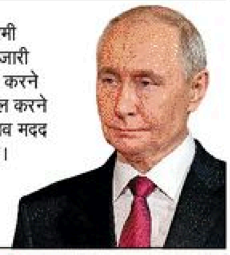

रूस पश्चिमी एशिया में जारी तनाव को खत्म करने और शांति बहाल करने के लिए हर संभव मदद देने को तैयार है।
-व्लादिमिर पुतिन, रूस के राष्ट्रपति

भारत सरकार
अब नेतृत्व की बारी है,
नारी शक्ति वंदन
की ज़िम्मेदारी है
#NariShaktiVandan
CBC 22201/13/0009/2627
देश की बेटियों को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% आरक्षण की गारंटी

अब सशस्त्र बलों में बेटियों को स्थायी कमीशन
भारत के 48% मान्यता-प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला डायरेक्टर

STAR WARS
IPL : आज का मैच
सनराइजर्स हैदराबाद Vs राजस्थान रॉयल्स
हैदराबाद में, शाम 7:30 बजे से
टेलिकास्ट : जियोहॉटस्टार पर

खबरों के अंदर की बात
NBT Lens
देखें खेल पेज

हैपी मॉर्निंग
बॉस के जोक पर सब हंसे, पिंकू नहीं हंसा। बॉस: तुम्हें जोक समझ न आया? पिंकू: सर, मेरा सिलेक्शन दूसरी कंपनी में हो गया है।

मौसम
अधिकतम तापमान 34.7°
20.2° न्यूनतम तापमान
सूर्यास्त सोमवार 6:46 | सूर्योदय मंगलवार 5:57
मौसम विभाग का अनुमान है कि तेज हवाएं चल सकती हैं।

21 घंटे की बातचीत और नतीजा शून्य

इस्लामाबाद में ईरान-US में नहीं बनी बात, फिर दी जाने लगीं धमकियां | ट्रंप ने कहा- टोल दिया तो रास्ता नहीं मिलेगा, ईरान बोला- टोल देना पड़ेगा

■ एपी/पीटीआई, इस्लामाबाद/वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में चली 21 घंटे की शांति वार्ता बेनतीजा रही। बैठक के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वान्स ने कहा, करीब 21 घंटे चर्चा हुई, कोई डील नहीं हुई। तेहरान का वॉशिंगटन की शर्तें मानने से इनकार करना अमेरिका से कहीं ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। वहीं ईरान ने कहा, पिछले दो युद्धों के कारण अमेरिका इस बातचीत में ईरानी प्रतिनिधिमंडल 'मिनाब 168' का भरोसा नहीं जीत पाया।

ट्रंप ने कहा, एक दिन में ईरान को खत्म कर सकता हूं

बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने धमकी दी, अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेंगे। उन जहाजों पर नजर रहेगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। हम उन 'माइन्स' (बारूदी सुरंगों) को भी नष्ट करना शुरू कर देंगे, जिन्हें ईरानियों ने बिछाया है। फॉक्स न्यूज से ट्रंप ने कहा, मैं एक दिन में ईरान को खत्म कर सकता हूं। उनके सारे ऊर्जा प्लांट, बिजली बनाने वाले केंद्र सब कुछ नष्ट कर सकता हूं, जो बहुत बड़ी बात है। वहीं ईरानी गार्ड्स (IRGC) ने चेताया, अगर दुश्मन ने कोई भी गलत कदम उठाया, तो वह होर्मुज के जानलेवा भंवर में फंस जाएगा। इससे पहले ईरान के उप संसद अध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा था कि स्टेट ईरान के कंट्रोल में है, टोल तो देना होगा।

AFP

अमेरिका ने एक बहुत ही आसान प्रस्ताव दिया है और यही अंतिम और बेस्ट ऑफर है। हम देखेंगे कि ईरानी इसे स्वीकार करते है या नहीं।
-जेडी वान्स

घर को लौटे
वार्ता के बाद US उपराष्ट्रपति जेडी वान्स डेलिगेशन के साथ लौटे, ईरानी भी वापस गए।

आगे भी बात कराने में मदद करेंगे: पाक

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि यह बेहद जरूरी है कि सभी पक्ष सीजफायर का पालन करते रहें। पाकिस्तान आगे भी अपनी भूमिका निभाता रहेगा और आने वाले दिनों में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत और संवाद को आगे बढ़ाने में मदद करता रहेगा। ▸▸ पेज 7

ईरान बोला- भरोसा जीतने में नाकाम रहा अमेरिका

ईरान के डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने दावा किया कि वार्ता में अमेरिका नाकाम रहा। ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद है, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें भरोसा नहीं है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि किसी को भी यह उम्मीद नहीं थी कि अमेरिका के साथ एक ही बैठक में समझौता हो जाएगा। भरोसा है कि पाकिस्तान और क्षेत्र के दूसरे सहयोगी देशों के साथ उसका संपर्क आगे भी जारी रहेगा। ईरान का कहना है कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त है, इसलिए समझौता नहीं हो पाया।

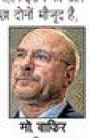

मो. बाकिर गालिबाफ

इस्राइली सेना को निर्देश- तैयार रहें

तो होर्मुज़ स्ट्रेट पर उलझी अमेरिका-ईरान की बातचीत

बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना, ईरान के खिलाफ पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। जिनमें से होर्मुज और न्यूक्लियर इनरिचमेंट का मुद्दा वार्ता में सबसे बड़ी रुकावट बनकर सामने आया। अल जजीरा के मुताबिक अमेरिका-ईरान की बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट सबसे बड़ा अड़ंगा बना रहा। इस मुद्दे पर अमेरिका का असली रुख क्या है, यह अभी भी साफ नहीं है। वहीं चीन बातचीत को और मुश्किल बना रही है। ट्रंप कभी इसे खोलने की बात कह रहे हैं, तो कभी कह रहे हैं कि कोई दिलचस्पी नहीं। ईरान इसपर अपना कंट्रोल रखना चाहता है। वहीं, खबर है कि इस्राइल के सेना प्रमुख ने सैन्य बलों को ईरान के खिलाफ युद्ध फिर से शुरू होने की संभावना के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है।

Agency

इस्राइल में युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन।

वॉर अपडेट्स

- चीन को ट्रंप की धमकी- ईरान की मदद की तो 50% टैरिफ लगेगा।
- लेबनान में इजराइल के हमले जारी, 13 लोगों की मौत, हिजबुल्लाह ने इजराइल पर दो हमले किए।
- UAE बोला- ईरान अकेले होर्मुज को कंट्रोल नहीं कर सकता।
- अल अक्सा मस्जिद के परिसर पहुंचे इस्राइली मंत्री, जॉर्डन ने इसपर विरोध जताया।

LEXUS PROMISE
AN AMAZING CAR OWNERSHIP EXPERIENCE
8 YEAR VEHICLE WARRANTY — INDIA FIRST
SMART OWNERSHIP PLAN — ASSURED BUYBACK^
LUXURY CARE UP TO 8 YEARS — SERVICE PACKAGE
*Terms and conditions apply.
Creative visualisation. Digitally created visual. Vehicle picture was not taken while driving.
**Comprehensive vehicle warranty for 8 years or up to 2 00 000 KM. Standard exclusions apply.
^Applicable for all models.
As per price of RX 350h Exquisite Grade. 70% loan to value for 3 year tenure.
Contact Lexus Guest Experience Centre for package details.
+91 76187 79898
1800 300 53987
24/7 [LEXUS]
lexusindia.co.in
Explore Lexus
HAKUHODO/LYNC/2026

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH02 User: vivek.kumar4@timesofindia.com Time: 04-12-2026 21:52 Color:

SHARDA UNIVERSITY

Beyond Boundaries

Science, Commerce or Humanities...

no matter what you chose in Class 12,
we have an AI-integrated programme for you.

Be the **nxtgen** **Powered by AI.**

WHAT YOU WILL LEARN

AI skills without a tech background
Non-tech students learn to use AI for strategy, communication, creativity and decision-making skills every employer now demands.

Access to excellent infrastructure
Hands-on exposure to the NVIDIA DGX Supercomputer - the same technology powering real AI breakthroughs globally.

Industry-ready from day one
From Cyber Security and FinTech to Legal Tech, Marketing and Content you will learn AI in its own domain, not in isolation.

Real labs, real learning
Modern labs, studios, simulation centres and digital workspaces - not just classrooms. Learning that mirrors the professional world.

Our Alumni Shining Across Leading Tech & Non-Tech Companies

"With AI, I decode patterns in our society. With sociology, I decode the bias behind them."
Firasha Mukhtar
MA Sociology
accenture

"AI helps me understand product and user data. My BBA helps me turn it into business growth."
Milan Singh
BBA
CODING NINJAS

"I chose Psychology to understand people. At Sharda, I learnt how AI is redefining mental health."
Bhavya Oberoi
BA-Psychology
RMSI

"At Sharda University, AI became my way of thinking. Now at NVIDIA, I build what's next."
Soni Gupta
B.Tech.
NVIDIA

ADMISSIONS OPEN FOR 135+ UG/PG/Ph.D. PROGRAMMES

- Computer Science & Engineering
- AI Enabled Fintech
- Cyber Security & Forensic
- Information Technology
- Computer Science & Medical Engineering (AI)
- AI & ML
- AI & Data Science
- Robotics & Automation
- Computer Applications
- Electrical & Electronics Engg.
- Electronics & Communication Engg.
- Robotics & Automation
- Renewable Energy Systems
- VLSI Design & Technology
- Civil Engineering
- Mechatronics
- Mechanical Engineering
- Biotechnology
- Physics
- Chemistry
- Mathematics
- Zoology
- Bio-Chemistry
- Microbiology
- Food Science & Technology
- Management
- Medical - Dental
- Economics
- Commerce
- Animation, VFX & Gaming Design
- Interior Design
- Fashion Design
- Communication Design
- Film, TV & OTT Production
- Journalism & Mass Comm.
- English
- History
- Sociology
- Geography
- Psychology
- Jain Studies
- Political Science
- Integrated Law
- Forensic Sciences
- Optometry
- Physiotherapy
- Medical Laboratory Technology
- Radiological Imaging Technology
- Cardiovascular Technology
- Nutrition & Dietetics
- Clinical Psychology
- Pharmacy
- Nursing

CREDIT TRANSFER UNIVERSITIES

University	Programme
LeTourneau University	2+2 for B.Tech.
Michigan State University	1+1 for MBA
University of Sunderland	1+2 for B.Sc. in Animation, VFX & Game Design
Cardiff Metropolitan University	1+2 for BBA & BCA
UEA University of East Anglia	1+2 for BBA
Shawnee State University	2+2 for BA (Hons.) Psychology

and many more...

Special Scholarship for Female Students Score above 90 Percentile in JEE Mains. Get 100% Scholarship to pursue B.Tech./B.Sc. at Sharda.

Mission Shakti Scholarship
1100+ Female Students Benefitted

Upto 100% Scholarship For Meritorious Students

Campus: Plot No. 32, 34, Knowledge Park-III, Greater Noida (Delhi-NCR)

Call us **0120-4570000**

www.sharda.ac.in

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH03 User: cci Time: 04-12-2026 23:10 Color:

अब बारिश नहीं, दो से तीन दिन में बढ़ने लगेगी गर्मी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अगले दो से तीन दिनों में गर्मी काफी बढ़ने वाली है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 4-5 डिग्री का इजाफा होगा। इस दौरान तापमान 40 डिग्री तक जा सकता है।

रविवार को भी तेज धूप सुबह से खिली रही। गर्मी ने लोगों को परेशान किया। सुबह के समय भी तापमान में इजाफा हुआ। हालांकि न्यूनतम तापमान अब भी सामान्य से नीचे बना हुआ है। अधिकतम तापमान 34.7 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.4 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.8 डिग्री रहा। राजधानी में सबसे अधिक गर्मी रिज में रही। यहां का अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री रहा। हवा में नमी का स्तर 20 से 76 प्रतिशत तक रहा।

तापमान तीन दिन में पहुंचेगा 40 डिग्री के स्तर पर

पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को आसमान साफ रहेगा। अधिकतम तापमान रविवार की तुलना में दो डिग्री बढ़कर 37 डिग्री पर पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान 20 डिग्री रहेगा। 14 से 18 अप्रैल के बीच तापमान तेजी से बढ़ेगा। इस दौरान हवाएं कमजोर रहेंगी। 16 और 17 अप्रैल को आंशिक बादल छा सकते हैं। बारिश की संभावना नहीं है। 14 से 18 अप्रैल के बीच अधिकतम तापमान 37 से 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 से 25 डिग्री तक रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, आगे लंबे समय तक बारिश होने की कोई भी संभावना नहीं है।

PTI

अब अलर्ट रहने की जरूरत

अधिकारी के अनुसार 40 डिग्री के ऊपर तापमान जाने पर लोगों को गर्मी से सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इनमें उन्हें पानी अधिक पीने की, छाछ, नींबू पानी जैसे पेय पदार्थ पीने की जरूरत होती है। सिर आदि को ढककर रखने, कॉटन के हल्के रंग के कपड़े पहनने की जरूरत होती है। क्योंकि गर्मी तेजी से बढ़ रही है, इसलिए शरीर इसके लिए तैयार नहीं होता। ऐसे में तापमान में यह बदलाव कई लोगों को परेशान कर सकता है।

AQI 163, अगले कुछ दिन सामान्य रहेगा स्तर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : राजधानी में रविवार को प्रदूषण का स्तर सामान्य रहा। आने वाले कुछ दिनों तक यह इसी स्तर पर बना रहेगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के एयर बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का एक्यूआई रविवार को 163 रहा। मुख्य प्रदूषक पीएम 10 और पीएम 2.5 रहे। फरीदाबाद का एक्यूआई 149, गाजियाबाद में 202, ग्रेटर नोएडा में 232, गुरुग्राम में 227 और नोएडा में 170 रहा। पूर्वानुमान के अनुसार 13 से 15 अप्रैल तक प्रदूषण का स्तर सामान्य रहेगा। इसके बाद अगले छह दिनों तक यह सामान्य से खराब स्तर पर बना रहेगा।

16 अप्रैल के बाद सामान्य से खराब स्तर पर जा सकता है AQI

युवराज को इंसाफ का इंतजार

87 दिन बाद भी SIT रिपोर्ट नहीं

NBT के साथ भजन क्लबिंग

NDMC के सहयोग से NBT पेश करता है 'भजन क्लबिंग' राघव राजा के साथ दिव्य और रूहानी संगीत की एक शाम। सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस में 25 अप्रैल को शाम 5:30 बजे से। प्रवेश केवल आमंत्रण से।

आरोपी बस ड्राइवर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पिता के सामने ही 11 साल की बेटी को बस ने कुचला

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

बलजीत नगर स्थित शादीपुर डिपो के पास से शुक्रवार रात एक DTC बस ने चाय की दुकान के पास खेल रही 11 साल की लड़की को कुचल दिया। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, पटेल नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए DTC बस को जब्त कर आरोपी बस ड्राइवर कसान सिंह (40) को गिरफ्तार कर लिया है।

सेंट्रल जिले के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि सियाराम अपने परिवार के साथ बलजीत नगर इलाके में रहते हैं और शादीपुर डिपो के पास चाय की दुकान चलाते हैं। उनकी 11 साल की बेटी शुक्रवार रात दुकान के आगे खेल रही थी। तभी रात के करीब 9:30 बजे DTC बस ड्राइवर कसान सिंह बस लेकर आया और बच्ची को कुचल दिया। बताया जा रहा है कि ड्राइवर की नजर वहां खेल रही लड़की पर नहीं पड़ी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शनिवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

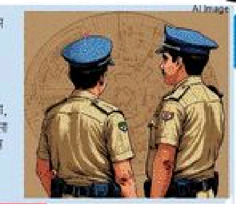
AI Image

- थाना पटेल नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए DTC बस को जब्त किया
- बताया जा रहा है कि ड्राइवर यहां खेल रही बच्ची को देख नहीं पाया, जिस से हुआ यह हादसा
- शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार वालों को सौंपा गया

डीटीसी बस हादसा

2 साल पहले हुई थी ओपन हार्ट सर्जरी

प्रियंका के पिता ने रोते हुए बताया कि उसकी बेटी के दिल में छेद था। पहले तो उनको इस बात का पता ही नहीं था। जब बेटी की तबीयत खराब रहने लगी तो उसे अस्पताल में दिखाया और बाद में इसका पता चला। करीब दो साल पहले ही आरएमएल अस्पताल में उसकी ओपन हार्ट सर्जरी हुई। इसके बाद उसे ठीक होने में काफी समय लग गया। पिछले करीब दो साल से प्रियंका तबीयत खराब होने की वजह से स्कूल भी नहीं जा पा रही थी। अब उसकी तबीयत में सुधार हुआ था तो परिजन इस साल उसका दाखिला कराने की सोच रहे थे। प्रियंका की मौत के बाद उसके दादा-दादी और मां पूनम का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में एक की मौत, एक घायल

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के मायापुरी इलाके में सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना मायापुरी फ्लाईओवर के नीचे रिंग रोड के पास रात करीब 2:20 पर हुई। पुलिस ने दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां एक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान ख्याली निवासी मुख्तार के रूप में हुई। जबकि इमरान का इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, 9 अप्रैल की रात करीब 2:31 पर पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली थी कि नारायणा से मायापुरी फ्लाईओवर के नीचे एक एक्सीडेंट हुआ है। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है और दूसरा घायल है। मायापुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पुलिस को एक बाइक क्षतिग्रस्त हालत में मिली।

आग हादसे के चार महीने बाद भी 'अपनों' के इंतज़ार में दो परिवार

तिगड़ी एक्सटेंशन अग्निकांड में दो शवों की पहचान बाकी

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

नई दिल्ली : साउथ दिल्ली के तिगड़ी एक्सटेंशन में लगी आग की लपटें भले ही उसी रात बुझ गई थीं, लेकिन तीन परिवारों के दर्द की आग आज भी उनके दिलों में धधक रही है। चार महीने बाद भी ना तो सभी शवों की पहचान हो पाई है और ना ही पीड़ित परिवारों को कोई ठोस राहत मिल सकी है। एक शव मिलने से एक फैमिली का इंतजार तो खत्म हो चुका है, लेकिन बाकी दो परिवार अब भी उम्मीद और बेबसी के बीच फंसे हुए हैं।

29 नवंबर 2025 को ग्राउंड फ्लोर पर स्थित फुटवियर की दुकान में लगी आग ने तीन जिंदगियां छीन ली थीं। आग इतनी भीषण थी कि शव बुरी तरह जल गए और उनकी पहचान मुश्किल हो गई थी। लंबी प्रक्रिया के बाद एक मृतक की पहचान मंगलू उर्फ ननके (25) के रूप में हुई, जिनका शव 4 अप्रैल 2026 को परिजनों को सौंप गया। चाचा मातादीन कहते हैं कि वह बेहतर जिंदगी की तलाश में यूपी के सीतापुर से हादसे के 15 दिन पहले ही दिल्ली आए थे, लेकिन इस शहर ने उन्हें काम नहीं बल्कि मौत दी।

2 दिसंबर को डीएनए सैंपल लिए गए थे, पर अब तक पहचान नहीं

दूसरी ओर महेंद्र की पत्नी कामिनी पांच महीने की बच्ची को लेकर हरदोई से कई बार पति के शव की उम्मीद में दिल्ली आ चुकी है। वह कहती है, मेरी बच्ची के जन्म के 15 दिन बाद ही हादसा हो गया। पति विडियो कॉल कर कहते थे जल्द घर आएंगे, लेकिन वो आकर बच्ची का चेहरा तक नहीं देख सके। आर्थिक तंगी ऐसी है कि कई दिनों तक चूल्हा नहीं जलता। तीन छोटे बच्चे हैं। कोई मदद नहीं मिली है।

रामदीन के परिवार का अलहदा दर्द है, क्योंकि परिवार का एकमात्र सहारा खत्म हो चुका है। गर्भवती पत्नी संगीता तीन बेटियों के साथ संघर्ष कर रही हैं। मृतक के छोटे भाई मातादीन का कहना है कि वह सिर्फ इतना चाहते हैं कि शव मिल जाए।

महेंद्र का शव भी अभी परिवार वालों को नहीं मिल सका है

पीड़ितों को मदद और न्याय का इंतज़ार

यह मामला सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। एक तरफ परिवार अपनों के अंतिम दर्शन के लिए भटक रहे हैं, तो दूसरी तरफ मदद और मुआवजे का कोई ठोस इंतजाम नहीं है। पीड़ित परिवारों ने सरकार से आर्थिक सहायता और जल्द न्याय की मांग की है।

बाइक टकराई, लड़की की मौत

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : वेव सिटी क्षेत्र के डासना स्थित आईएमएस कॉलेज के सामने अंडरपास में रविवार तड़के करीब चार बजे स्पोर्ट्स बाइक सवार युवक और युवती दीवार से टकरा गए। हादसे में युवती की मौत हो गई, जबकि युवक घायल हो गया। परिजन युवक को सरकारी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद वह घर चला गया। पसौंडा की इकबाल कॉलोनी निवासी इकरा (19) और हासिम (20) शनिवार को घर से निकले थे।

लापरवाही: मकान मालिक को पकड़ा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के तुगलकाबाद में निर्माणाधीन मकान के पानी के टैंक में गिरकर 9 साल के श्रेयांश की मौत के मामले में पुलिस ने मकान मालिक जगदीश (61) को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है।

मकान के टैंक में डूबने से हुई थी मौत

जिस मकान में निर्माण कार्य चल रहा था, वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे।

स्टॉक और IPO में मुनाफा दिलाने का देते थे झांसा

तीन जालसाज़ गिरफ्तार, 47 लाख की ठगी का खुलासा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

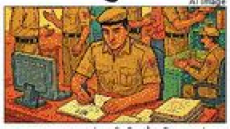
AI Image

क्राइम ब्रांच ने एक बड़े साइबर फ्रॉड गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह फर्जी ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट प्लैटफॉर्म के जरिए लोगों को झांसा देकर ठगी करता था। मामले में अब तक 47.20 लाख की धोखाधड़ी सामने आई है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच आदित्य गौतम के मुताबिक, शिकायतकर्ता को आरोपियों ने शेयर, इक्विटी और आईपीओ में निवेश के नाम पर ऊंचे मुनाफे का लालच देकर फर्जी प्लैटफॉर्म पर पैसा निवेश करने के लिए उकसाया। जांच के दौरान पुलिस को M/s ओरिज हब्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक करंट अकाउंट का पता चला, जिसमें ठगी की रकम में से 3 लाख ट्रांसफर किए गए थे। जांच में सामने आया कि यह खाता 12 अन्य साइबर ठगी मामलों से भी जुड़ा हुआ है और इसे 'लेयर-1' अकाउंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। क्राइम ब्रांच की टीम ने हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और आसपास के इलाकों में छापेमारी कर टेक्निकल सर्विलांस और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में हरियाणा के जींद निवासी विशाल चौहान शामिल है, जिसने कमिशन के बदले अपना बैंक खाता, सिम कार्ड, डेबिट कार्ड और चेकबुक अन्य आरोपियों को उपलब्ध कराई थी। दूसरे आरोपी रितिक यादव को जयपुर से, जबकि तीसरे आरोपी प्रियाल प्रताप यादव को दिल्ली के किंग्सवे कैंप इलाके से पकड़ा गया।

राजघाट बस डिपो के पास जंगल में आग

घने धुएं के कारण आसपास रहने वालों को सांस लेने में हुई परेशानी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राजघाट बस डिपो के पास जंगल में रविवार दोपहर झाड़ियों और कूड़े में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग चारों तरफ फैल गई। आग के चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गई और घने धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले की सूचना मिलते ही दमकल की 11 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। फायर फाइटर्स ने करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस और दमकल विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहा है।

दमकल की 11 गाड़ियों ने बुझाई आग

दमकल विभाग के मुताबिक, आग लगने की जानकारी दोपहर करीब 1:35 बजे मिली थी। चश्मदीदों ने बताया कि शुरुआत में आग कम थी लेकिन सूखी झाड़ियों और तेज हवा के कारण उसने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक फैल गया। इससे राहगीरों की आंखों में जलन और सांस लेने में दिक्कत महसूस हुई। हालांकि, लोकल लोगों का कहना है कि इलाके में पहले भी झाड़ियों में आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं।

आग की इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है

मनी लॉन्ड्रिंग में ED का बड़ा ऐक्शन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : ED ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में दिल्ली और गुड़गांव स्थित 10 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक यह मामला रियल एस्टेट कंपनी और उससे जुड़े प्रमोटर्स व अन्य से जुड़ा हुआ है। इन पर आरोप है कि निवेशकों और घर खरीदारों के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी की थी।

10 जगहों पर एक साथ की छापेमारी

छापेमारी के दौरान ED को बड़ी मात्रा में कैश और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। एजेंसी ने करीब 6.5 करोड़ रुपये कैश, लगभग 7.5 करोड़ रुपये कीमत की ज्वैलरी, इसके अलावा चांदी के बिस्किट, लग्जरी घड़ियां और 100 से अधिक अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं। इन संपत्तियों में कई बेनामी भी बताई जा रही हैं।

बच्ची की दरिंदगी के बाद हत्या

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : साहिबाबाद एरिया में 4 वर्षीय बच्ची से यौन शोषण के बाद गला दबाकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोप बच्ची के मामा पर है। रूम पर ले जाकर आरोपी ने वारदात की। भेद खुलने के डर से बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी। वारदात को हादसा दिखाने के लिए उसने एक कार के नीचे शव को रख दिया। पुलिस ने बच्ची के पिता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो, हत्या और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में केस दर्ज किया। पीड़ित पिता ने बताया कि उनका साला एक महीने यहां रहने आया था।

ई-रिक्शा में बैठा महिला से लूटे सोने के कंगन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के गोविंदपुरी थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा में बैठी एक महिला के हाथ से सोने का कड़ा काटने का मामला सामने आया है। तीनों ने सवारी बनकर महिला को निशाना बनाया और सुनसान जगह पर उतारकर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, कालकाजी एक्सटेंशन स्थित किरण अपार्टमेंट्स निवासी प्रेमवती ने शिकायत दी है कि 9 जुलाई को शाम करीब 4:25 पर वह जीवन कैंप भूमिहीन कैंप चौक से सेक्टर-14 जाने के लिए ई-रिक्शा में बैठी थी। ड्राइवर ने एक महिला और दो अन्य व्यक्तियों को भी बैठा लिया। रास्ते में तीनों आरोपियों ने मौका पाकर महिला के हाथ का कड़ा काट लिया।

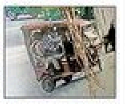

दयालपुर में शादी में फायरिंग, छत पर खड़ी महिला घायल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दयालपुर इलाके में शादी के जश्न में डीजे पर नाचने के दौरान किसी ने गोली चला दी और गोली छत पर खड़ी एक महिला के छूती हुई निकल गई। महिला को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि अभी यह पता नहीं चल सका है कि गोली किसने चलाई, लेकिन पुलिस ने दुल्हन के पिता और भाई को हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक घटना शनिवार रात करीब 11 बजे चतर सिंह गली, नंबर 1 की है, जहां एक घर में शादी का जश्न चल रहा था। लोग डीजे पर डांस कर रहे थे। तभी किसी अज्ञात ने अचानक गोली चला दी। वहीं छत पर खड़ी होकर डांस देख रही एक महिला के कान को गोली छूती हुई निकल गई। उसके बाद घायल महिला को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

अभी पता नहीं चला कि गोली किसने चलाई, दुल्हन के पिता, भाई को हिरासत में ले लिया

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जिस घर में शादी थी, वहां लड़की के पिता समीर और भाई हारिस को हिरासत में ले लिया है। दोनों से पूछताछ कर फायरिंग की वजह और आरोपियों की शिनाख्त की जा रही है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

पुरानी रंजिश में जानलेवा हमला

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: उत्तम नगर के शिव विहार इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में घायल युवक को गंभीर हालत में दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर लिया है।

पीड़ित का DDU अस्पताल में चल रहा इलाज

सागर (28) परिवार के साथ शिव विहार जैसे कॉलोनी में रहते हैं। वह इलाके में ही बाजार में कॉस्मेटिक की दुकान लगाते हैं। 8 अप्रैल की रात उन पर आरोपियों ने हमला किया था।

एस्ट्रोलॉजर के आपत्तिजनक विडियो हटाने का आदेश

Rajesh.Saroha
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: अदालत ने एक महिला एस्ट्रोलॉजर की शिकायत पर गूगल और यू ट्यूब को उनके आपत्तिजनक विडियो 72 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया है। साथ ही आरोपी को भविष्य में इस तरह के विडियो अपलोड न करने की चेतावनी भी दी गई है। मामले में आपराधिक केस की सुनवाई अलग से होगी।

ईस्ट दिल्ली में रहने वाली एक नामी एस्ट्रोलॉजर और टैरो कार्ड रीडर ने अपने वकील राजेश शर्मा और महेश शर्मा के जरिए कड़कड़डूमा कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें यू ट्यूब और गूगल पर फर्जी और आपत्तिजनक विडियो अपलोड करने पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

पीड़िता के वकीलों ने अदालत को बताया कि आरोपी गुड़गांव का रहने वाला है और खुद को भी एस्ट्रोलॉजर बताता है। वह पिछले एक साल से उनकी मुवक्किल को परेशान कर रहा है। आरोप है कि आरोपी पीड़िता के यू ट्यूब चैनल से विडियो उठाकर उन्हें एडिट करता है और दोबारा अपलोड करता है। कई विडियो बेहद आपत्तिजनक हैं। आरोपी पर पैसे मांगने का भी आरोप लगाया गया है।

ड्रग्स सप्लाई करने वाले छह अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : ईस्ट जिले की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने एक इंटरस्टेट ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर, 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है। ईस्ट जिले के डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि इनके पास से 58.7 किलोग्राम गांजा और 5.31 लाख कैश बरामद हुआ है। बरामद गांजे की कीमत करीब 30 लाख है। ये लोग बिहार से गांजा लाते थे।

बिहार से लाकर यहां करते थे सप्लाई

अंगदान हार्ट पीजीआई लखनऊ, लिवर आर्मी हॉस्पिटल और किडनी आरएमएल हॉस्पिटल में हुई ट्रांसप्लांट

मौत के बाद तीन को दे गई नई ज़िंदगी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

45 साल की एक महिला की मौत से तीन लोगों को नई जिंदगी मिल गई। लखनऊ के एक मरीज में महिला का हार्ट लगाया गया, जबकि लिवर आर्मी हॉस्पिटल और आरएमएल हॉस्पिटल में एक किडनी मरीज को दी गई। आरएमएल हॉस्पिटल का यह दूसरा अंग दान रिट्रीवल था, जिससे तीन लोगों को नई जिंदगी मिली।

आरएमएल अस्पताल प्रशासन के अनुसार, 45 साल की एक महिला सेरेब्रल हेमरेज से ब्रेन डेड हो गई। अस्पताल के अंगदान की टीम ने परिजनों की काउंसलिंग की, जिसके बाद वो अपने इस दुख को भूलकर, अनजान लोगों की जान बचाने के लिए अंगदान को तैयार हो गए। डॉक्टरों ने कहा कि इस कठिन समय में परिजनों का इस प्रकार का फैसला, निश्चित रूप से बाकी लोगों के लिए भी प्रेरणा है।

अंगदान के बाद ट्रांसप्लांट के लिए ऑर्गन लेने पहुंची एक्सपर्ट की टीम

देश में अंगदान प्रक्रिया को मैनेज करने वाली संस्था नैशनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (NOTTO) ने हार्ट, लखनऊ के पीजीआई हॉस्पिटल के एक मरीज को एलोकेट किया, जिसे एयर एंबुलेंस की मदद से लखनऊ भेजा गया। लिवर को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की मदद से ग्रीन कॉरिडोर के जरिए आर्मी हॉस्पिटल पहुंचाया गया। एक किडनी, आरएमएल अस्पताल में भी ट्रांसप्लांट किया गया। जानकारी के अनुसार तीनों ट्रांसप्लांट पूरे कर लिए गए हैं और मरीज रिकवरी में हैं।

- 45 साल की महिला सेरेब्रल हेमरेज से ब्रेन डेड हो गई थी
- तीनों ट्रांसप्लांट पूरे कर लिए गए हैं और मरीज रिकवरी में हैं

इस प्रक्रिया के बारे में आरएमएल के एक्सपर्ट ने बताया कि महिला के परिजनों ने हार्ट, लिवर, किडनी, आंख और आंत के लिए अपनी सहमति दी थी। हार्ट, लिवर और एक किडनी तो इस्तेमाल कर ली गई, लेकिन एक किडनी का साइज छोटा था, जिसे रिजेक्ट कर दिया गया।

चाकू गोदकर की थी हत्या, कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के आरोपी को ज़मानत नहीं

Prachi.Yadav@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के बेरहम तरीके को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने चंदर शेखर, उर्फ चंदू को जमानत देने से मना कर दिया। चंदू एक कथित पेशेवर हत्यारा है, जिस पर 2021 में मालवीय नगर में एक महिला की बेरहमी से हत्या में शामिल होने का आरोप है। यह हत्या कथित तौर पर मृतक के पति ने अपने एक्स्ट्रा मैरिटल के चलते कराई थी, जो इस मामले का मुख्य साजिशकर्ता है।

महिला के पति पर है सुपारी देकर हत्या का आरोप

जस्टिस गिरीश कठपालिया ने 9 अप्रैल को चंदू के आवेदन को ठुकराते हुए कहा कि मजबूत सबूत, खासकर CCTV फुटेज, इस स्टेज पर आवेदक को जमानत पर रिहा करने से रोकता है। अभियोजन का केस एक सोची-समझी हत्या की साजिश को दिखाता है। आरोप है कि मामले का मुख्य आरोपी नवीन गुलैया एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर की वजह से अपनी पत्नी रीना को खत्म करना चाहता था। इस काम को अंजाम देने के लिए, उसने कथित तौर पर तीन हत्यारों को हायर किया, जिसमें आवेदक चंदू भी शामिल था। गुलैया ने कथित तौर पर हत्यारों को पीड़ित के घर की चाबियां दीं, जिससे वे बिना किसी रोक-टोक के अंदर आ गए। घुसते ही, हत्यारों ने कथित तौर पर महिला पर हमला कर दिया, और उन्हें 22 बार चाकू मारा, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

दूसरी तरफ, बचाव पक्ष के वकील ने चंदू को बेगुनाह बताया। उसे झूठा फंसाए जाने का दावा किया। एक सिक्योरिटी गार्ड की ओर इशारा किया जो असली गवाही से यह आरोप लगाते हुए मुकर गया था कि पुलिस ने कोरे कागजों पर उसके बयानों को गढ़ा था।

दिल्ली इलेक्ट्रिक वीकल पॉलिसी 2026 को एक्सपर्ट्स ने सराहा, साथ ही कुछ कमियां भी गिनाईं

बड़ा लक्ष्य, पर सब्सिडी 'ब्रेक' रोक सकता है रफ्तार

दिल्ली सरकार ने अपनी नई इलेक्ट्रिक वीकल्स (EV) पॉलिसी-2026 का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें कई अच्छी बातें हैं। इसमें न केवल इलेक्ट्रिक गाड़ियों को अपनाने पर जोर दिया गया है, बल्कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, बैटरी वेस्ट मैनेजमेंट, कमर्शल और सरकारी गाड़ियों के लिए भी कड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। हालांकि, इसके बावजूद एक्सपर्ट को इसमें कुछ गैप्स भी नजर आ रहे हैं। सबसे बड़ा गैप यह है कि बड़े टारगेट के साथ सब्सिडी को काफी कम किया जा रहा है। टारगेट और एन्फोर्समेंट को लेकर भी एक्सपर्ट संदेह जता रहे हैं।

ये है अच्छी बातें

पर्यावरण और बैटरी प्रबंधन पर खास ध्यान

इस पॉलिसी में 'बैटरी रिसाइकल' को शामिल करना सराहनीय कदम है। यह दर्शाता है कि सरकार केवल ईवी की संख्या बढ़ाने पर नहीं, बल्कि पर्यावरण सुरक्षा पर भी गंभीर है। हालांकि, इसकी सफलता मजबूत निगरानी, सुरक्षित लॉजिस्टिक्स और उच्च रिकवरी मानकों को प्रभावी तरीके से लागू करने पर निर्भर करेगी।

-राधे श्याम शर्मा, हेड, डिपार्टमेंट ऑफ एन्वायरनमेंट स्टडीज, डीयू

दिल्ली सरकार की यह नीति स्वच्छ हवा के अधिकार को जीवन के संवैधानिक अधिकार से जोड़ती है। आकड़ों के अनुसार, 2019-20 में जहां 23,684 ईवी थे, वहीं 2025-26 तक यह संख्या 1.07 लाख से अधिक हो चुकी है, जो जनता के बढ़ते रुझान को दर्शाती है।

-सुनील दहिया, फाउंडर, 'एनवायरोकैटलिस्ट'

ये है प्रमुख चिंताएं

एक ओर जहां टू-वीलर और थ्री-वीलर के लिए बेहद सख्त समय सीमा तय की गई है, वहीं दूसरी ओर सब्सिडी को काफी कम कर दिया गया है। टारगेट को 'स्वैच्छिक' के बजाय 'नियामक' (Regulatory) बनाया जाए, ताकि ईवी 1.0 की तरह लक्ष्यों और उपलब्धि के बीच बड़ा अंतर न रहे। दरअसल, ईवी 1.0 पॉलिसी में टारगेट 25% इलेक्ट्रिफिकेशन का था, लेकिन यह 13 प्रतिशत ही हुआ।

-अनुमिता रॉय चौधरी, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर, सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (CSE)

ईवी को बढ़ावा देने में सब्सिडी अहम है, लेकिन वैश्विक अनुभव बताते हैं कि अकेले सब्सिडी काफी नहीं है। इसके लिए शहरों से इंटरनल कंबशन इंजन (ICE) यानी पेट्रोल-डीजल गाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से बाहर करना जैसे कड़े नियम जरूरी हैं।

-अमित भट्ट, एमडी इंडिया, इंटरनैशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (ICCT)

- एक्सपर्ट ने कहा, टारगेट को 'कागजी' होने से बचाने के लिए रेगुलेटरी सख्ती की जरूरत
- कुछ कारोबारियों में नई पॉलिसी को लेकर असमंजस की स्थिति बनी है

EV सेक्टर में रेयर अर्थ्स की बढ़ती मांग ने बढ़ाई चिंता

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** नए ड्राफ्ट ने EV में इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ एलिमेंट्स (REE) पर निर्भरता की बहस को फिर छेड़ दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि हालांकि भारत वर्तमान में इनके लिए चीन पर निर्भर है, लेकिन तकनीक में सुधार और रिसाइक्लिंग इस चुनौती का ठोस समाधान बन सकते हैं।

यूरोप की तर्ज पर भारत को भी स्क्रैप पर फोकस करने की जरूरतः एक्सपर्ट

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (IEA) के अनुसार, ईवी और विंड एनर्जी जैसी तकनीकों के कारण रेयर अर्थ मैग्नेट की मांग 2015 से अब तक दोगुनी हो चुकी है और 2030 तक इसमें 30% और वृद्धि होने का अनुमान है। वर्तमान में नियोडिमियम-आयरन-बोरॉन मैग्नेट का सबसे ज्यादा उपयोग हो रहा है।

सीएसई (CSE) की अनुमिता राय चौधरी के अनुसार, रेयर अर्थ्स को बार-बार इस्तेमाल किया जा सकता है। बैटरी की लाइफ खत्म होने के बाद उन्हें रिसाइकल कर दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। IEA का अनुमान है कि रिसाइक्लिंग के जरिए 2050 तक प्राइमरी रेयर अर्थ्स की मांग में 35% तक की कमी आ सकती है।

नई पॉलिसी से सेकंड हैंड बाइक मार्केट में मंदी!

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

File Photo

■ **नई दिल्ली:** नई ईवी पॉलिसी को लेकर सेकंड हैंड बाइक बाजार में चिंता बढ़ गई है। कारोबारियों का दावा है कि इस नीति के लागू होने से पुरानी पेट्रोल बाइकों की बिक्री में भारी गिरावट आ सकती है, जिससे कारोबार प्रभावित होगा। कुछ कारोबारियों में नई पॉलिसी पर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

करोल बाग में सेकंड हैंड बाइक कारोबारी मनजीत सिंह ने बताया कि 2028 अप्रैल के बाद पेट्रोल बाइकों के रजिस्ट्रेशन पर रोक की बात सामने आने से खरीदारों से लेकर कारोबारियों में असमंजस की स्थिति बनी है। प्रस्तावित नई ईवी पॉलिसी में गाड़ियों का ट्रांसफर और पुरानी बाइकों के रजिस्ट्रेशन की स्थिति स्पष्ट न होने के कारण लोग सेकंड हैंड बाइक खरीदने से हिचक सकते हैं, जिससे कारोबार सुस्त पड़ सकता है। मनजीत का कहना है कि नई पॉलिसी में पुरानी बाइकों के रजिस्ट्रेशन को लेकर बात स्पष्ट नहीं है। सरकार को इस पर रुख स्पष्ट करना चाहिए कि 2028 के बाद पुरानी बाइकों का भी रजिस्ट्रेशन नहीं होगा? अगर नियम नई बाइकों पर लगा तो पुरानी बाइकों की सेल बढ़ सकती है या नई और पुरानी दोनों पर लगा तो सेकंड हैंड बाइकों के कारोबार में मंदी आ सकती है।

पेट्रोल बाइकों की सेल 90 प्रतिशत

ब्रह्मपुरी में नई बाइक के डीलर दिलशाद बताते हैं कि नई पॉलिसी से ईवी बाइक की सेल तो बढ़ेगी, लेकिन लोगों को आगे दिक्कत झेलनी पड़ सकती है। उनका दावा है कि कुछ समय बाद ईवी बाइकों में खराबी की शिकायत आती है। यही वजह है कि मार्केट में 90 प्रतिशत पेट्रोल बाइकें ही बिकती हैं। इस पॉलिसी से दिक्कत आ सकती है।

नए ड्राफ्ट को लेकर RWA की है कई आपत्तियां

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली सरकार के इस ड्राफ्ट पर RWA ने कड़ा विरोध जताया है। उनका मानना है कि बुनियादी ढांचे के अभाव में दो साल के अंदर केवल इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य व्यावहारिक नहीं है। 'ऊर्जा' के प्रेसिडेंट अतुल गोयल के अनुसार, राजधानी में न पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन हैं और न ही बैटरी डिस्पोजल की व्यवस्था। सार्वजनिक जगहों पर लगे चार्जर अक्सर चोरी हो जाते हैं या खराब पड़े रहते हैं। द्वारका फोरम का कहना है कि ईवी गाड़ियां पेट्रोल-डीजल के मुकाबले महंगी हैं, ऊपर से सरकार सब्सिडी भी कम कर रही है। आरडब्ल्यूए ने 2014 की सोलर पॉलिसी का उदाहरण देते हुए कहा कि वेंडर्स और मैंटेनेंस की कमी के कारण वह योजना भी सफल नहीं हो पाई थी। ईस्ट दिल्ली आरडब्ल्यूए जॉइंट फ्रंट ने भी सवाल उठाया कि बिना ठोस तैयारी के आम जनता पर पाबंदियां थोपना गलत है। संगठन जल्द ही इस पॉलिसी पर अपने विस्तृत सुझाव सरकार को सौंपेंगे।

दिल्ली में पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन का उपलब्ध न होना भी एक बड़ी वजह

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, ग्वालियर म.प्र.

// निविदा आमंत्रण सूचना//

जिला न्यायालय ग्वालियर में वाहन स्टेण्ड हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जा रही है। इच्छुक अपनी निविदायें https://mptenders.gov.in के माध्यम से 500/- रूपये की फीस जमा कर दिनांक 08.05.2026 को दोपहर 2.00 बजे तक जमा कर सकते हैं। प्राप्त निविदायें दिनांक 09.05.2026 को दोपहर 2.00 बजे क्रय समिति के समक्ष खोली जावेगी तथा प्रिबिड मीटिंग दिनांक 25.04.2026 को रखी गई है। निविदा की शर्तें एवं सम्पूर्ण जानकारी म.प्र. उच्च न्यायालय की वेबसाईट www.mphc.gov.in, जिला न्यायालय ग्वालियर की वेबसाईट https://gwalior.dcourts.gov.in एवं https://mptenders.gov.in पर उपलब्ध है, जहां से निविदा प्रारूप एवं शर्तें डाउनलोड की जा सकती हैं।

Sd/-
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
ग्वालियर

"पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर ना करें अत्याचार"

G-11415/26

साइबर ठगी के नेटवर्क का पर्दाफाश, 5 अरेस्ट

Vishal.Sharma3
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** आउटर नॉर्थ जिले की साइबर पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह म्यूल बैंक अकाउंट (फर्जी/कमीशन पर लिए गए बैंक खाते) के जरिए देश और विदेशों तक ठगी की रकम ट्रांसफर करता था। जांच में अब तक करीब 2.31 करोड़ रुपये की ठगी से जुड़े 43 मामलों का पता चला है।

2.31 करोड़ की ठगी का हुआ खुलासा

डीसीपी हरेश्वर वी. स्वामी के मुताबिक 4 अप्रैल को साइबर क्राइम थाने में एक केस दर्ज हुआ था। समन्वय पोर्टल से मिले डेटा में कई ऐसे बैंक खातों की जानकारी सामने आई, जो अलग अलग साइबर ठगी मामलों से जुड़े थे। एसीपी ऑपरेशन दिनेश कुमार के सुपरविजन में इंस्पेक्टर गोविंद सिंह की निगरानी में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम में एसआई वेद प्रकाश, हेड कॉन्स्टेबल विकास, सचिन और कॉन्स्टेबल संजय शामिल थे। टीम ने टेक्निकल सर्विलांस और खुफिया जानकारी के आधार पर छापेमारी कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान राहुल, बंटी, अंकित, सलीम और नूर आलम के रूप में हुई है। सभी आरोपी नरेला के रहने वाले हैं। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों से जुड़े 28 बैंक खातों की पहचान की गई है, जो महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, असम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में दर्ज साइबर ठगी मामलों से जुड़े हैं।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी प्रति बैंक खाता 2500 से 5000 रुपये के कमीशन पर खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराते थे। ठगी की रकम को ट्रेस से बचाने के लिए आरोपी उसे तुरंत क्रिप्टोकरेंसी (USDT) में बदल देते थे और फिर टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म के जरिए विदेश में बैठे हैंडलर्स तक भेज देते थे। तकनीकी जांच में एक विदेशी हैंडलर का आईपी एड्रेस कंबोडिया में ट्रेस किया गया है।

स्कैम की रकम निकलवाने में मददगार बैंक कर्मी गिरफ्तार

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली**

क्राइम ब्रांच ने धोखाधड़ी के मामले में एक बैंक कर्मचारी को गिरफ्तार है। आरोपी की पहचान इरशाद मलिक (35) के रूप में हुई है। आरोपी ने साइबर स्कैम के एक मामले में धोखाधड़ी से हासिल रकम को निकालने के लिए इस्तेमाल किए गए एक फर्जी बैंक खाते को खुलवाने में आरोपी की मदद की थी। आरोपी ने बिना केवाईसी के खाता खुलवाया था। इस खाते का इस्तेमाल टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी धोखाधड़ी के लिए किया गया था।

बिना KYC के खुलवाया था खाता

डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक एक पीड़ित ने पुलिस को बताया था कि एसबीआई से बिना उनकी सहमति या ओटीपी के तीन फर्जी लेन-देन के जरिए 88,000 रुपये निकाले गए थे। बाद में यह रकम आरबीएल बैंक के एक खाते में ट्रांसफर की गई। मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। जांच में पता चला कि बैंक खाता नवा सिंह के बेटे मनमोहन सिंह के नाम पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से खोला गया था। जांच में पुलिस को पता चला कि बैंक खाता खोलने के फॉर्म पर किए गए साइन मनमोहन सिंह के असली साइन से मेल नहीं खाते थे, जिससे यह साबित हो गया कि इसमें जालसाजी की गई थी।

'नारी शक्ति वंदन' के लिए अभियान शुरू

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए महिलाओं के अधिकार और भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में दिल्ली बीजेपी ने इसके प्रचार के लिए मिस्ड कॉल अभियान शुरू किया है। रविवार को सांसद और दिल्ली प्रदेश बीजेपी की महामंत्री कमलजीत सहरावत और सांसद बांसुरी स्वराज ने अभियान के लिए एक नंबर 9667173333 जारी किया। दोनों ने अपील की कि इस नंबर पर मिस्ड कॉल कर अपनी सहमति दें। हैश टैग #NaariShaktiVandan भी जारी किया। कमलजीत ने बताया कि 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद के विशेष सत्र के दौरान इस कानून को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया पर चर्चा होगी।

नारायणा गांव में शुरू हुआ ऑनलाइन बूस्टर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** नारायणा गांव में पानी की नए पाइपलाइन और ऑनलाइन बूस्टर सिस्टम की शुरुआत की गई। नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज और स्थानीय विधायक उमंग बजाज ने इसका उद्घाटन किया।

बांसुरी ने कहा कि पीएम मोदी का सपना है कि हर घर में स्वच्छ जल उपलब्ध हो। सरकार इस दिशा में काम कर रही है। आज का यह उद्घाटन सरकार की हर नागरिक के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 30 साल पुरानी समस्या का समाधान केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वादा का पूरा होना है।

LG को सक्रिय कर सीएम बदलने की जल्दी में बीजेपी : AAP

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने उपराज्यपाल की सक्रियता को सीएम रेखा गुप्ता की कुर्सी के लिए खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि कहीं बीजेपी दिल्ली में मुख्यमंत्री बदलने की जल्दी में तो नहीं है, तभी उपराज्यपाल को मुख्यमंत्री के समानांतर सक्रिय कर दिया है। ऐसा लगता है कि एक साल में ही बीजेपी नेतृत्व को सीएम रेखा गुप्ता में कमी नजर आने लगी है, इसलिए उपराज्यपाल के आगे कर दिया गया है, ताकि जनता सीएम रेखा गुप्ता के कामकाज पर कम ध्यान दे और बीजेपी उनकी कमी दिखाकर नया मुख्यमंत्री बना सके। रविवार को एक्स पर पोस्ट कर सौरभ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी को यह एहसास हो गया है कि उनकी मुख्यमंत्री पद की पसंद रेखा गुप्ता सक्षम नहीं है। उन्हें इतनी जल्दी हटाना पार्टी के लिए बहुत शर्मनाक होगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 04-12-2026 22:58 Color:

स्पेशल कमिश्नर (ट्रैफिक) ने 'NBT संवाद' में बेबाकी से रखी अपनी बात

'हादसों का मिलेगा तुरंत अलर्ट, जल्द लागू होगा स्मार्ट सिस्टम'

बढ़ती आबादी, गाड़ियों की संख्या में बढ़ोतरी, सीमित इन्फ्रास्ट्रक्चर और मिक्स ट्रैफिक के कारण राजधानी की सड़कों पर हालात मुश्किल होते जा रहे हैं। ऐसे में 'जाम के खिलाफ जंग' सीरीज के समापन पर 'एनबीटी संवाद' कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान ट्रैफिक सिस्टम, चुनौतियों, नई तकनीक और भविष्य की योजनाओं पर दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर (ट्रैफिक) नीरज ठाकुर के साथ राजेश सरोहा ने की खास बातचीत:

Photos: Sunil Kataria

Q दिल्ली में बढ़ती आबादी और गाड़ियों के मुकाबले ट्रैफिक पुलिस की स्थिति क्या है?
यह सही है कि ट्रैफिक पुलिस में स्टाफ की कमी एक बड़ी चुनौती है। हाल ही में पुलिस कमिश्नर ने करीब 550 पुलिसकर्मियों को ट्रैफिक पुलिस में ट्रांसफर किया है। कुल मिलाकर दिल्ली पुलिस में 12-13 फीसदी स्टाफ की कमी है, जिसका आंकड़ा ट्रैफिक पुलिस में 15-16 प्रतिशत तक है। इस कमी को पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से डीटीसी के 1200 ड्राइवरों को ट्रैफिक मैनेजमेंट में सहयोग के लिए भेजा है, जिससे काफी मदद मिल रही है।

Q देश के अन्य शहरों की तुलना में दिल्ली में ट्रैफिक की सबसे बड़ी चुनौती क्या है?
हर शहर की अपनी अलग चुनौतियां होती हैं लेकिन दिल्ली एक मेगा सिटी होने के साथ-साथ बड़ा कमर्शल और मैन्युफैक्चरिंग हब भी है। इसलिए कई राज्यों से खरीदारी करने के लिए कारोबारी या आम लोग दिल्ली आते-जाते हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात से आने वाला सामान भी अक्सर दिल्ली के रास्ते ही आसपास के राज्यों तक पहुंचता है। इन कारणों से यहां ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है।

Q आईटीओ जैसे जाम रहने वाले पॉइंट्स से दिल्ली की जनता को कब राहत मिलेगी?
यह मान लेना कि आईटीओ पर जाम नहीं होगा, व्यावहारिक नहीं है। सवाल ये है कि क्या वैकल्पिक मार्ग नहीं हो सकता? ट्रैफिक पुलिस कमर्शल गाड़ियां रोकती है लेकिन प्राइवेट गाड़ियों पर रोक नहीं लगाई जा सकती। अगर मेरठ से जयपुर जाने के लिए लोग गूगल मैप की मदद लेते हैं तो रूट दिल्ली से होते हुए ही दिखाता है। इससे समय, टोल और फ्यूल की बचत भी होती है। यही बाहरी ट्रैफिक दिल्ली के अंदर आता और जाम बढ़ता है।

Q इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS) कब लागू होगा और यह कितना प्रभावी रहेगा?
इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही इसे लागू किया जाएगा। यह सिस्टम ट्रैफिक मॉनिटरिंग के साथ-साथ हर जगह उपलब्ध पार्किंग और मेट्रो की जानकारी देगा। हादसों या रोड की बाधाओं (जैसे पेड़ गिरना या ट्रक पलटना) पर तुरंत अलर्ट जारी करेगा। सिंगापुर, दुबई, लंदन जैसी सिटी में यह सिस्टम सफल है। इससे हादसों में कमी आई है। इसके जरिए 22 तरह के चालान भी जनरेट किए जा सकेंगे।

Q ट्रैफिक कम करने में पब्लिक ट्रांसपोर्ट, खासकर मेट्रो की भूमिका कितनी अहम है?
मेट्रो ने दिल्ली के ट्रैफिक का बड़ा बोझ अपने ऊपर लिया है। अगर मेट्रो नहीं होती तो हालात और बदतर हो सकते थे। हालांकि मेट्रो की राइडरशिप अपेक्षित गति से नहीं बढ़ी है। आंकड़े बताते हैं कि 2024 में जहां 18-20 फीसदी बढ़ोतरी हुई थी, वहीं 2025 में ये सिर्फ 4 प्रतिशत रही। इसके पीछे लास्ट माइल कनेक्टिविटी की समस्या एक बड़ा कारण हो सकती है।

Q ई-रिक्शा लास्ट माइल कनेक्टिविटी के साथ समस्या भी है, इससे कैसे निपटा जा रहा है?
ई-रिक्शा लास्ट माइल कनेक्टिविटी में अहम भूमिका निभाते हैं, खासकर संकरी गलियों में। लेकिन इनकी संख्या काफी अधिक हो गई है। देखने में आया है कि दिल्ली में जितने ई-रिक्शा रजिस्टर्ड हैं, उससे लगभग चार गुना ज्यादा अवैध रूप से चल रहे हैं। एक्सिडेंट होने पर इन पर सवार लोगों की जान का खतरा रहता है, क्योंकि स्ट्रक्चर ही ऐसा है। इसलिए इन पर नियंत्रण के लिए ठोस नीति और रिसर्च की जरूरत है।

Q स्कूलों के आसपास के जाम से कैसे निपटते हैं? ओवरलोडेड वैन पर क्या एक्शन लेते हैं?
रोड पर स्कूल बसों को प्राथमिकता दी जाती है। जरूरत पड़ने पर रूटीन ट्रैफिक को रोक इन बसों को पहले निकाला जाता है, ताकि बच्चे समय पर घर पहुंच सकें। नियमों के अनुसार वैन में सीमित संख्या में ही बच्चे बैठ सकते हैं, लेकिन अगर सख्ती की जाए तो किराया बढ़ेगा और कई पैरेंट्स पर आर्थिक बोझ पड़ेगा, जिसका असर बच्चे की एजुकेशन पर पड़ सकता है।

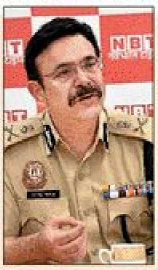

Q ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी में सड़क हादसों को कम करने के लिए क्या कदम उठाए हैं?
सड़क सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। साल 2013 तक करीब 2300 हादसे होते थे, जिन्हें अब घटाकर लगभग 1500 तक लाया गया है, जबकि गाड़ियों की तादाद लगातार बढ़ी है। इसके लिए बेहतर सड़कें और गाड़ियों का पहले से ज्यादा सेफ होने की भी अहम भूमिका है। ट्रैफिक पुलिस की तरफ से एक्सपर्ट्स की मदद ली जा रही है। पिछले साल की तुलना में इस साल हादसों में और कमी आई है।

दिसंबर तक मेट्रो और डबल-डेकर फ्लाईओवर से ट्रैफिक होगा आसान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूत करने और ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए मेट्रो और सड़क परियोजनाओं में तेजी लाई जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाल ही में दिल्ली मेट्रो और फ्लाईओवर परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को तय समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने की दिल्ली मेट्रो और सड़क परियोजनाओं की समीक्षा

CM ने अधिकारियों को तय समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल के अंत तक दिल्ली को बेहतर ट्रांसपोर्ट की सुविधा मिलेगी, मेट्रो और डबल डेकर फ्लाईओवर से ट्रैफिक आसान होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक और सशक्त ट्रांसपोर्ट सिस्टम विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है, जिससे यात्रा आसान होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी।

दरअसल, बैठक में दिल्ली के ट्रैफिक सिस्टम को बेहतर करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करना था। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि मेट्रो परियोजनाओं के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण सड़क और फ्लाईओवर परियोजनाएं भी विकसित की जा रही हैं। दिल्ली मेट्रो का वर्तमान नेटवर्क 416 किलोमीटर में फैला है, जिसमें 303 स्टेशन, 12 लाइनें और 32 इंटरचेंज स्टेशन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 104.45 किलोमीटर लंबा नेटवर्क और 81 स्टेशन निर्माणाधीन हैं।

2 मिनट में पढ़ें

वहीं, आजादपुर से त्रिपोलिया चौक तक 264.27 करोड़ की लागत से 2.16 किमी लंबा फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। 73 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। यह एक डबल-डेकर है, जिसमें मेट्रो और सड़क दोनों इस्तेमाल कर सकेंगी। 291.17 करोड़ से बन रहे यमुना विहार से भजनपुरा तक 1.40 किमी लंबे फ्लाईओवर का 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। साकेत से संगम विहार तक 2.48 किमी लंबा 6-लेन फ्लाईओवर और साकेत और अंबेडकर नगर में अंडरपास बनाए जा रहे हैं। इसकी लागत 694.98 करोड़ रुपये है, 40 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

मां आनंदमयी मार्ग से पुल प्रह्लादपुर तक 2.53 किमी लंबे फ्लाईओवर के लिए डिजाइन और अलाइनमेंट का काम प्रगति पर है। रेखा गुप्ता ने कहा कि परियोजनाओं में आ रही चुनौतियों को जल्द खत्म कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई नए प्रस्ताव भी तैयार किए गए हैं। इनमें वजीराबाद से डीएनडी तक 19.2 किमी लंबा यमुना के किनारे एलिवेटेड रोड प्रस्तावित है, जिसे तीन चरणों सुरघाट से आईएसबीटी, आईएसबीटी से सराय काले खां और सराय काले खां से डीएनडी में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा त्रिपोलिया गेट से बकरखाना तक 2.62 किमी लंबे फ्लाईओवर का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है।

बाबा साहेब के नाम पर बनेगा भव्य कम्युनिटी सेंटर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** रोहिणी सेक्टर-20 में 32 वर्षों से लंबित कम्युनिटी सेंटर का निर्माण होने जा रहा है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की 136वीं जयंती के अवसर पर रविवार को इस परियोजना का भूमि पूजन किया गया। करीब 3.62 करोड़ की लागत से बनने वाला यह आधुनिक सेंटर अगले दो वर्षों में तैयार हो जाएगा।

रोहिणी के सेक्टर-20 में 32 साल से रुका है इसका काम

इस मौके पर समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि यह परियोजना वंचित और कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम है। सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाई जाएं और इसके लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है। क्षेत्र के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए 3.61 करोड़ की लागत से वाल्मीकि पार्क का सौंदर्यीकरण और सीवर लाइन के नवीनीकरण का काम भी किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि इलाके में सीवर और पानी की समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं, जिन्हें अब प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

शराब बिक्री के खातों की होगी जांच, गड़बड़ी पर होगा एक्शनः मुख्यमंत्री

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI image

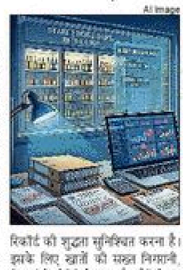

- शराब बिक्री के खातों की 5 साल की जांच, गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई
- सरकारी उपक्रमों के रिकॉर्ड का क्रॉस वेरिफिकेशन, दो महीने में रिपोर्ट देने के निर्देश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि शराब की रिटेल बिक्री से जुड़े सरकारी उपक्रमों के वित्तीय मामलों में किसी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही या गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में यह तथ्य सामने आया है कि शराब बिक्री से जुड़े कुछ सरकारी उपक्रमों में लंबे समय तक खातों का सही से मिलान नहीं किया गया, जिसके चलते वित्तीय अनियमितताओं और सरकारी खजाने को संभावित नुकसान की स्थिति बनी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि शराब की खुदरा बिक्री का संचालन दिल्ली उपभोक्ता सहकारी थोक भंडार (डीसीसीडब्ल्यूएस), दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी), दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम (डीएससीएससी) और दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) जैसी सरकारी संस्थानों को सौंपा गया है, जिन्होंने शहर के विभिन्न हिस्सों में रिटेल आउटलेट बनाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद न केवल वित्तीय रिकॉर्ड की शुद्धता सुनिश्चित करना है। इसके लिए खातों की सख्त निगरानी, रिकॉर्ड के वेरिफिकेशन और वैलिडेशन की प्रक्रिया लागू की जा रही है।

रेखा गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित संस्थाएं अपने पिछले पांच वर्षों के वित्तीय एवं संचालन से जुड़े रिकॉर्ड का व्यापक मिलान करें। इसमें बिक्री, खरीद, स्टॉक और नकद खातों से संबंधित सभी प्रविष्टियों की गहन जांच शामिल होगी। इन संस्थाओं को आबकारी विभाग के साथ समन्वय बनाते हुए सभी रिकॉर्ड का वेरिफिकेशन और वैलिडेशन सुनिश्चित करना होगा। आबकारी आयुक्त द्वारा इन संस्थाओं के बिक्री, स्टॉक और राजस्व संबंधी आंकड़ों का स्वतंत्र रूप से क्रॉस-वेरिफिकेशन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा अगर जांच में किसी भी स्तर पर अनियमितता, वित्तीय कुप्रबंधन या सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने के सबूत सामने आते हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी संबंधित संस्थाएं और आबकारी विभाग इस पूरी प्रक्रिया की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर आदेश जारी होने की तारीख से से दो महीने के भीतर वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से पेश करें। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इन सख्त कदमों से पारदर्शिता मजबूत होगी।

Brilliant Minds Meet Here.
Amity University Gurugram.

AMITY UNIVERSITY GURUGRAM

- Top recruiters in last years include
  Amazon, KPMG, TCS, Accenture, MUFG Bank, Dell, Wipro, British Telecom, Shell, L&T, Cognizant, Spicejet, Yamaha, Deloitte, and global placements in countries like USA, Japan, UAE...
- Employability enhancement initiatives
  include ESBW: Extensive Skill Building Workshops; ICT enabled PPM: Pre-Placement Mock sessions; Student Centric PMM: Profile Mapping Matrix
- CEO Dinner Series, Industry Mentorship
  and Conversation Programs
- Interactions with eminent personalities
  like Mr Aditya Ghosh (Co-Founder, Akasa Airlines), Dr R A Mashelkar (Ex-DG, CSIR), Dr G M Nair (Ex-Chairman, ISRO), Nobel Laureate Kailash Satyarthi...
- 19 Centres of Excellence
  in Robotics & AI, Bioenergy, BRICS Studies, Nanotech, Financial Analytics, Entrepreneurship, Affordable Innovation, Stem Cell, Big Data & Computational Biology, Fake News...
- 200+ Cutting-edge laboratories
  and next-gen immersive learning studios & moot court
- Student innovations
  include ECG Machine Prototype, 3D Printer, Tea Portable Analyser, Remote sensing based dynamic decision support system for disaster management...
- Choice Based Credit System
  to let you design your own degree with 50+ minor track options
- 50+ Student start-ups incubated
  at Amity Incubator including Hast Tag Food Truck, 2 Tree Coffee Café, HerCabs, Blood Donor...
- Strategic collaborations
  with DRDO, NASA-AERONET, Indo German Science & Technology, MoES, AYUSH, ICSSR, Defence Institute of Advanced Tech, Garuda Aerospace...
- Optional 5-week Study Abroad Program
  in New York, Singapore, London or Dubai
- 117 Research projects worth ₹ 50 cr undertaken
  including those funded by CSIR, ICMR, DST, BRNS...
- 780+ Distinguished faculty, scientists & staff
  shaping the learning experience
- Faculty in world's top 2% scientists list by Stanford Research include 8 members
- Faculty credited with 284 patents
  as well as 258 books, 907 chapters and 3,563 Scopus indexed research publications
- Scopus H-Index 80
  of the university reflecting strong research impact

NIRF '25 (University) #1 in Haryana (Pvt) | THE Interdisciplinary Science '26 #1 in Haryana (Pvt & Govt) | THE Asia '25 #1 in Haryana (Pvt & Govt) | Week Hansa Research Survey '25 #1 in Haryana (Pvt)

4.5 Lakh Sqm. Amity Gurugram Campus

2026 ADMISSIONS OPEN FOR 136+ UG & PG PROGRAMMES IN

- Advertising & PR Relations
- Aerospace Engg
- Animation & VG
- Applied Sciences
- Architecture
- AI & ML
- Banking & Finance
- Biomedical Engg
- Biotechnology
- Business Analytics
- Clinical Research
- Commerce
- Computer Sc / IT
- Cyber Security
- Data Sciences
- Defence Technology
- Digital Marketing
- Economics
- Engineering
- English Literature
- Environmental Sciences
- Fashion Design
- Film, TV & OTT Prod
- Fine Arts
- Food Science & Tech
- French, German & Spanish Language
- Forensic Sciences
- Hospital Admin
- Hotel Management
- Interior Design
- International Relations
- Law
- Liberal Arts
- Management
- Media & Communication
- Molecular & Stem Cell Tech
- Nutrition & Dietetics
- Optometry
- Performing Arts
- Pharmacy
- Psychology
- Public Health
- Quantum Computing
- Renewable Energy
- Social Work
- Speech Language Pathology
- Sustainability Mgmt
- Travel & Tourism
- Urban & Regional Planning

- 3 Continent (Study partly in India at Amity and one semester in USA, UK and Canada) and International programmes available in select domains
- Lateral entry & Ph.D programmes also offered
- Bus service available from various key locations
- AC hostel facility available
- 7-Day military training camp
- Student special interest clubs like Aurelia (Fashion), Ek Awaaz (Drama), Saakar (Social Upliftment), Shakti (Women Empowerment), Jhankaar (Dance)...

Scholarships	100%	50%	25%
Programmes after Class 12			
Class 12 (agg.)	93%	88%	80%
Programmes after UG (Non-MBA)			
Class 12 (agg.)	93%	88%	-
Graduate (agg.)	80%	75%	-
MBA			
CAT/MAT (%ile)	90	85	80
GMAT/GRE (Score)	650/161	600/157	500/152

For details check the website

APPLY AT: amity.edu/gurugram
BY: 18TH APRIL 2026
CALL: 7303-399-399

AMITY UNIVERSITY GURUGRAM, AMITY EDUCATION VALLEY, GURUGRAM, MANESAR | E: admissions@ggn.amity.edu

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH06 User: anand.soni@timesofindia.com Time: 04-12-2026 23:46 Color:

पार्सल से कमाई में दिल्ली सबसे ऊपर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : नॉर्दन रेलवे के दिल्ली डिविजन ने 2025-26 में पार्सल बुकिंग के जरिए रेकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए 469.83 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 2.70 प्रतिशत अधिक है। दावा यह है कि यह आंकड़ा भारतीय रेलवे में सबसे ज्यादा है। फरवरी तक के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली मंडल का पार्सल राजस्व भारतीय रेलवे के कुल 2210.33 करोड़ रुपये में 21.26 प्रतिशत और उत्तर रेलवे के 598.79 करोड़ रुपये में 78.46 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है।

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
ई-निविदा सूचना

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से, क्षेत्रीय विद्युत अभियंता, केआरसीएल, रत्नागिरी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-ओपन टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। **कार्य का नाम** – कोंकण रेलवे के रत्नागिरी क्षेत्र में रोहा (छोड़कर) से मडुरे (समेत) स्टेशनों के बीच के खंड में सुरंगों, उपकेंद्रों, प्लेटफार्मों, अप्रोच रोड तथा सर्कुलेटिंग एरिया में उपलब्ध प्रकाश व्यवस्था के लिए दो वर्षों की अवधि हेतु वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **टेंडर संख्या : केआर/आरएन/ईएल/टी/3/2026 तारीख 13/04/2026, अनुमानित लागत** – ₹ 1,60,89,088/- (जीएसटी छोड़कर), **टेंडर फॉर्म शुल्क** – नहीं, **ईएमडी** – ₹ 3,21,800/- (या आयआरईपीएस पोर्टल पर दर्शाए अनुसार). **टेंडर ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय** : 04/05/2026 दोपहर 15:00 बजे तक, अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ क्षेत्रीय विद्युत अभियंता, एमआईडीसी क्षेत्र, मिरजोले, रत्नागिरी के कार्यालय से या रेलवे वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर संपर्क करें।

पी.एम.एम.एल. (PMML) द्वारा "सभी भवनों, परिसंचरण क्षेत्रों और पी.एम.एम.एल. में पार्किंग के लिए 1 वर्ष की अवधि हेतु सफेदी, डिस्टेंपरिंग, पेंटिंग और विविध मरम्मत कार्यों (सिविल) के लिए वार्षिक क्षेत्रीय कार्य हेतु एजेंसी के चयन" के लिए ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। निविदा दस्तावेज https://pmml.nic.in और https://pmml.ewizard.in से 07.04.2026 से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

- **प्री-बिड मीटिंग:** 16.04.2026 को सुबह 11:30 बजे
- **बोली जमा करने की अंतिम तिथि:** 28.04.2026 को शाम 05:30 बजे तक
- **तकनीकी बोली का खुलना:** 29.04.2026 को सुबह 11:00 बजे

सभी आगे के अपडेट/परिशिष्ट केवल उपरोक्त वेबसाइटों पर उपलब्ध होंगे।
CBC 09142/12/0003/2627 निदेशक, पी.एम.एम.एल.

MAMC को मिलेंगे दो नए हॉस्टल

शेयरिंग की दिक्कत से स्टूडेंट्स को मिलेगा छुटकारा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

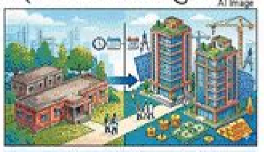

AI Image

573.41 करोड़ रुपये की लागत से दो हॉस्टल बनाए जाएंगे, 36 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (MAMC) में दो नए हॉस्टल बनाने के प्रस्ताव को एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमिटी (EFC) ने मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई ईएफसी की बैठक में इसे पास किया गया। योजना के तहत 573.41 करोड़ रुपये की लागत से लड़के और लड़कियों के लिए दो नए हॉस्टल बनाए जाएंगे। इसे 36 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

दरअसल, पिछले महीने बजट भाषण के दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने यहां दो हॉस्टल की घोषणा की थी। अब इसके लिए वित्तीय मंजूरी भी दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएएमसी में पिछले कुछ वर्षों में छात्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। पहले जहां हर साल 150 छात्रों का दाखिला होता था, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 250 हो गई है। इसके कारण हॉस्टल सुविधाओं पर दबाव बढ़ा है और कई छात्रों को शेयरिंग में रहना पड़ रहा है, कई को हॉस्टल सुविधा ही नहीं मिलती।

कॉलेज के मौजूदा हॉस्टल 1965 से 1982 के बीच बने थे, कई पुराने हो चुके हैं। ऐसे में नए हॉस्टल की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

सीएम का कहना है कि नए हॉस्टल ब्लॉक मौजूदा परिसर में ही विकसित किए जाएंगे। गर्ल्स के लिए साइट-ए पर हॉस्टल बनेगा, जिसकी लागत 269.19 करोड़ रुपये तय की गई है। वहीं, बॉयज के लिए साइट-बी पर हॉस्टल बनेगा, जिसकी लागत 304.22 करोड़ रुपये होगी। दोनों में बेसमेंट और सुपर-स्ट्रक्चर के साथ सिविल एवं इलेक्ट्रिकल काम शामिल होंगे।

सी-डैक Centre for Development of Advanced Computing
Expression of Interest (EoI)
"C-DAC invites Expression of Interest (EOI) from Indian companies for the Transfer of Technology (ToT) of the non-contact 'Ultrasonic Tachometer (UT-200 Mk1)' for rotational speed measurement targeting industrial, automotive, railway and strategic applications."
For details visit 'www.cdac.in',
Contact: 0471 2727508, 9847069184, tpc@cdac.in

'सत्संग से खुलती है हृदय की गांठ'

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली: बटुक भैरव शक्तिपीठ मंदिर नेहरू पार्क, चाणक्यपुरी में सत्संग के मौके पर पुरोहित राजेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि अच्छी संगति में रहने से बड़ा लाभ होता है। हृदय की गांठ खुलती है, आत्मसाक्षात्कार होता है, प्रकाश मिलता है, सब कुछ मिल जाता है ऐसा सत्संग कभी मत छोड़ो। श्री हनुमान मंदिर खिड़की एक्स. मालवीय नगर में रामकथा सुनाते हुए आचार्य कौशल किशोर मिश्र (अवधी) ने कहा कि राम जन्म और लीलाएं दोनों ही दिव्य हैं, राम तो अनादि हैं, जो सृष्टि के कण-कण में समाए हैं। बस उनके आदर्शों पर चलने की जरूरत है। वहीं नीलकंठ मंदिर ईस्ट पटेल नगर में आचार्य नारायण दत्त शास्त्री ने कहा कि गुरु संसार सागर में जलपोत के समान हैं, उनकी कृपा के बिना कुछ संभव नहीं।

प्रस्ताव तैयार, अब कैबिनेट की मुहर का इंतजार

जगमगाएगी दिल्ली, बदली जाएंगी एक लाख स्ट्रीट लाइटें

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

AI Image

■ नई दिल्ली : सड़कों पर बेहतर रोशनी के लिए सरकार ने एक लाख स्ट्रीट लाइट्स लगाने का प्लान तैयार किया है। स्ट्रीट लाइट्स लगाने पर कुल 473 करोड़ रुपये खर्च का एस्टिमेट तैयार किया गया है। प्रस्ताव को मंजूरी के लिए कैबिनेट में भेजा जाएगा। प्रोजेक्ट पर टेंडर होने के बाद 1400 किमी लंबी सड़कों पर लगी स्ट्रीट लाइट्स को चेंज करना होगा। इस बार ऐसी स्ट्रीट लाइट्स लगाई जाएंगी, जिसमें एक स्ट्रीट लाइट की रोशनी सतह पर कम से कम 40 वर्ग मीटर के दायरे में होगी। वर्तमान में 10-15Lux रोशनी वाली स्ट्रीट लाइट्स लगी हैं। जिनकी रोशनी महज 10 से 15 वर्ग मीटर के दायरे तक सीमित रहती है।

> **एक लाइट की रोशनी कम से कम 40 वर्गमीटर के दायरे में होगी**

सरकार के सूत्रों के अनुसार 1400 किमी लंबी सड़कों के नेटवर्क पर करीब एक लाख स्ट्रीट लाइट्स लगी हैं। 50 हजार एलईडी और 40 हजार सोडियम लाइट्स हैं। वर्तमान में इनका संचालन जिस तकनीक से हो रहा है, वह काफी पुरानी हो चुकी है और बिजली खपत काफी अधिक है। नई तकनीक की लाइटें लगाने से बिजली बचत के साथ-साथ मेंटिनेंस कॉस्ट भी कम हो जाएगी। पीडब्ल्यूडी को सालाना करीब 90 करोड़ रुपये का स्ट्रीट लाइट्स का बिल चुकाना पड़ता है।

नई लाइटें लगाने से इसमें करीब 31.5 करोड़ की बचत हो सकती है। इसलिए सरकार ने 40Lux रोशनी वाली लाइट्स लगाने का प्लान बनाया है। एक Lux की लाइट करीब एक वर्ग मीटर एरिया में रोशनी कर सकती है। पुरानी लाइटों के मेंटिनेंस पर हर साल सरकार को 138 करोड़ खर्च करने पड़ते हैं। कुल मिलाकर सरकार को इन लाइटों पर सालाना करीब 230 करोड़ रुपये खर्च आता है।

₹473 करोड़ का मेगा प्लान तैयार

पुरानी लाइटों को बदलने पर सरकार ने 473 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्ताव को कैबिनेट में भेजने की तैयारी की जा रही है। मंजूरी मिलते ही टेंडर कॉल किए जाएंगे। जिस भी कंपनी को टेंडर मिलेगा, उसे एक साल के अंदर एक लाख स्ट्रीट लाइटें बदलनी होंगी। इनकी मॉनिटरिंग के लिए सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल मॉनिटरिंग सिस्टम और इंडिविजुअल लाइट मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किए जाएंगे। कमांड सेंटर में ऑपरेशनल स्टेटस, बिजली की खपत, फॉल्ट का पता लगाना, लाइट की हेल्थ, डेटा लॉगिंग, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) एकीकरण की मॉनिटरिंग की जाएगी। टाइमर और शेड्यूलिंग, डिमिंग कंट्रोल, अलार्म सूचनाओं की भी जानकारी मिलेगी।

ब्लू लाइन : पुरानी ट्रेनें हो रही अपग्रेड

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

ब्लू लाइन मेट्रो ट्रेनों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के मकसद से DMRC ने मिड-लाइफ रिफर्बिशमेंट का काम शुरू कर दिया है। ट्रेनों को आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं से अपग्रेड किया जा रहा है। योजना के तहत रेड और ब्लू लाइनों की कुल 70 ट्रेनों का अपग्रेड किया जा रहा है। पहले चरण में 12 ट्रेनों को अपग्रेड किया जा चुका है। दूसरे चरण में 18 ट्रेनों का काम पूरा हो चुका है, जल्द ही अन्य 9 ट्रेनों पर काम शुरू होगा। तीसरे चरण में नवंबर 2027 तक 22 ट्रेनों को अपग्रेड किया जाएगा। 2002-2007 के बीच शामिल हुई ये ट्रेनें करीब 19 से 24 साल की सर्विस पूरी कर चुकी हैं।

DMRC के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. विकास कुमार ने तीसरे चरण की पहली अपग्रेड ट्रेन को सर्विस में शामिल करने से पहले जायजा लिया। अब तक कुल 31 ट्रेनों को अपग्रेड किया जा चुका है। इसमें ट्रेनों के अंदरूनी हिस्सों और सिस्टम में बड़े सुधार किए गए हैं। कोच और ड्राइवर केबिन को दोबारा पेंट किया गया है और पावर पैनलों को अपग्रेड किया गया है।

मेट्रो प्रशासन के अनुसार, ट्रेनों में आधुनिक पैसेंजर अनाउंसमेंट और इंफर्मेशन सिस्टम लगाया गया है।

मुफ्त हेल्थ चेकअप कैंप में 1,000 लोग आए

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : संत परमानंद अस्पताल के तत्वावधान में आजाद मार्केट के नवाब गंज इलाके में अहसान प्लेस पर मुफ्त हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। करीब 1,000 मरीजों ने मुफ्त सुविधाओं का लाभ उठाया। कैंप में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने विभिन्न बीमारियों की जांच की। कैंप के कन्वीनर और दिल्ली नागरिक सेवा समिति के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद अहसान कुरैशी ने बताया कि कैंप में बीएमडी, ईसीजी, ब्लड शुगर, आंखों की जांच सहित अन्य जरूरी टेस्ट मुफ्त में किए गए।

कानून व्यवस्था को लेकर की गई बैठक

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: आईपेक्स भवन में रविवार को कानून व्यवस्था और नागरिक सहयोग पर एक बैठक का आयोजन किया गया। डिस्ट्रिक्ट डीसीपी राजीव कुमार के अलावा मंडावली और मधु विहार थाने के एसएचओ और अडिशनल एसएचओ मौजूद रहे। इन्द्रप्रस्थ विस्तार सोसायटीज महासंघ और विभिन्न सोसायटी प्रतिनिधि भी शामिल हुए। महासंघ के प्रधान तरुण गुप्ता, महामंत्री मितिन गर्ग और संस्थापक सुरेश बिंदल ने डीसीपी का स्वागत किया। क्षेत्र की समस्याओं को विस्तार से रखा गया।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

स्वर्गीय श्रीमती संतोष गर्ग
(21.01.1946 - 13.04.2017)
आदरणीय मां, आपका दया करुणा एवं सरल जीवन, हमारे लिए हमेशा, प्रेरणा का स्रोत रहेगा, आपकी नौवीं पुण्यतिथि पर, आपके परिवारजन आपको श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए आपको सादर नमन करते हैं। महेश एवं नीलम (पुत्र एवं पुत्रवधु), मीना एवं स्व. अनिल सिंघल (पुत्री एवं दामाद), मंजू एवं नरेश जैन (पुत्री एवं दामाद), Dr. शुभम गर्ग (पौत्र), Adv. इशिका गर्ग (पौत्री), Dr. Sachin Singhal IPS (धेवता), कैप्टन पारस जैन & कैप्टन मयंक जैन (धेवते) PremSang Developers. Rohini. Mob 9312241779 Mob 9818447779.

'God accepts only what is good.'
-Thus Spoke Prophet Mohammad

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.

Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

Maximum 20 lines

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

real estate

COMMERCIAL PROPERTY- LEASE/ SALE
BHOSARI MIDC, PUNE, MAHARASHTRA
New Standalone Building
36,000 Sq.Ft. (Built up Area)
Basement + Parking + 5 Floors
Stack Parking Provision, Prime- Connected Location, 24 Mtr. Road on both sides.
IDEAL For: Corporate HQ, IT Park, Institutes, Hospital, Hotel & Lodging, Mall etc.
Umesh Phalke 9922435387

BOOK YOUR PROPERTY ADS
CALL : 18001205474 (Toll Free)
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE | SCAN QR CODE

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
अन्य रिक्तियां
घर से काम (वर्क फ्रॉम होम)

FEMALE candidates (Age 18-22) needed for MNC.High income opportunity(Fixed salary + incentives).Work from home,Call 9098118084

टेंडर और नोटिस
न्यायालय सूचना

COURT NOTICE
IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI (ORDINARY ORIGINAL CIVIL JURISDICTION)
(Under Order V Rule 20 r/w Section 151 CPC)
I.A. 32696/2025 in CS (COMM) 987/2018
National Fire Protection Association, Inc.
........PLAINTIFF(S)
Vs
M/s Swets Information Services Pvt. Ltd. & Ors.
........DEFENDANT(S)
To,
Mr. Jatin Goel,
11, Ansari Road,
Daryaganj, Delhi-110002
...Defendant No. 5
WHEREAS the above named Plaintiff has instituted the captioned suit against you, the above named Defendant No. 5, and whereas it has been shown to the satisfaction of this Court that it is not possible to serve you, the above named Defendant No. 5, in the ordinary way, therefore, this notice is given by way of publication directing you, the above named Defendant No. 5, to make appearance before **Joint Registrar (Judicial) on 09th day of July, 2026 at 11:00 A.M.**
Take further notice that in default of appearance of you, the above named Defendant No. 5, on the date(s) fixed in the captioned suit, the suit will be heard and determined ex parte in the absence of you, the above named Defendant No. 5.
Given under my hand and the seal of this Court, this 04th Day of April, 2026.
ASSISTANT REGISTRAR (IPD)
For REGISTRAR GENERAL

निविदाएं (टेंडर्स)

SBI
स्टेट बैंक अकादमी
प्लॉट नं-77, सेक्टर-18, गुड़गांव-122015
निविदा आमंत्रण सूचना (NIT)
स्टेट बैंक अकादमी, गुरुग्राम में स्थापित किए जाने वाले 750 केवीए और 500 केवीए क्षमता के 02 डीजी सेटों की खरीद के लिए प्रस्तावित "विद्युत सलाहकार/ विद्युत परामर्श फर्म" की पूर्व योग्यता के लिए दो लिफाफे प्रणाली (तकनीकी और मूल्य बोली) में आवेदन आमंत्रित करती है।
निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण https://sbi.bank.in पर "Procurement NEWS" टैब के अंतर्गत 13.04.2026 से 05.05.2026 तक दोपहर 03:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा।
संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे बैंक की वेबसाइट को नियमित रूप से देखते रहें, क्योंकि यदि कोई संशोधन/स्पष्टीकरण/विस्तार आदि होगा तो उसे केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।
डीजीएम (आर एंड ए)

बिजनेस
बिक्री के लिए

RUNNING Polyester Dyeing Plant, High-volume production with consistent quality. Well-maintained, Located excellent connectivity, vender network. Ideal for textile manufacturers, exporters.+91-9999908037, kushagrawal.98@gmail.com

BOOK YOUR CLASSIFIED ADS
FOR PROPERTY ADS PLEASE CONTACT
SUNIL : 9999499496
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

I Vinod Kumar Gupta S/o Bal Mukand r/o Hno106,Sec-5,Rachna,Vaishali,Gzb,UP201010 have changed my name from Vinod Kumar Gupta to Vinod Kumar. Henceforth I would be known by the name of Vinod Kumar

I Dinesh Katharia S/o Mehar Singh R/o A 98 A Block Om Vihar Uttam Nagar West, West Delhi 110059 have changed my name to Dinesh Kumar.

मैं, सविता भवन उर्फ नरेश, 15.6.1954 को पैदा हुई, जेई-23, पहली मंजिल, खिरकी एक्सटेंशन, मालवीयनगर, नई दिल्ली-110017 निवासी, अशोक कुमार भवन की पत्नी, अब से नरेश भवन के रूप में जानी जाएगी।

I Shalini Gupta w/o Anil Gupta r/o Hno106,Sec-5,Rachna,Vaishali,Gzb,UP201010 have changed my name from Shalini Gupta to Shalini. Henceforth I would be known by the name of Shalini

मैं सत्यपाल पिता पातीराम निवासी अ- 367, ब्लॉक- अ, सुदामापुरी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201009 ने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम सत्यपाल सिंह से बदलकर सत्यपाल कर लिया है।

HEALTH & WELLNESS TIMES interact

लड्डू खाने मे परेशानी?
डेंटल इम्प्लांट से पाएं मजबूत दांत
AVM Smiles Dental Wellness
FREE Consultation
+91 91671 95818
+91 96653 16531
Flexismile Pvt. Ltd. | CIN No.: U33119MH2020PTC337184

SEX रोगों के लिए मिलें

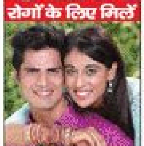

सबलोक क्लिनिक दरियागंज
नेताजी सुभाष मार्ग (निकट दिल्ली गेट) नई दिल्ली-2
9891300008
समय : 1 से 6 रविवार : अवकाश
Consultation fees 500/-
हमारी कहीं कोई ब्रांच नहीं है।

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
Central Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi	Sunil Srivastava	99994 99496
Noida + East Delhi	Sumit Negi	98992 68321

महानगर खेल

आप भी हमें अपनी खेल खबर और फोटो भेजिए nbtreader@timesofindia.com पर। सब्जेक्ट में लिखें Khel

ध्रुव का शतक

ध्रुव कौशिक (101 रन, 1/22), सुमित माथुर (3/15) और प्रतीक (3/23) के दम पर रोहतक रोड जिमखाना (193/7) ने डीडीसीए टी20 लीग में हिंद सीसी (116/10) को 77 रन से हराया। पराजित टीम से सुमित कुमार (47) और आर्यवीर सहवाग (3/58) ने योगदान दिया।

सार्थक, अरविंद का उम्दा खेल

सार्थक शर्मा (86 रन, 1/4), यश तोमर (3/25), दीक्षित पटेल (2/37) और महिष (2/49) के शानदार खेल से 7वें मजीत और जीवन कल्की स्पोर्ट्स ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में विश्वकर्मा अकैडमी ने 196/9 का मजबूत टोटल बनाया। जवाब में अरविंद वर्मा (80 रन और 3/30) ने ऑलराउंड खेल दिखाया लेकिन मोहन मीकिन क्लब (184/19) को 12 रन से हार टाल नहीं सके।

ईशान की सेंचुरी

ईशान सिंह (113), आर्यन कपूर (52), कुश बानेला (42), कार्तिक सूरी (3/42) और यश वोहरा (3/52) के दम पर वेंकटेश्वर क्रिकेट अकैडमी (267/7) ने सोढ़ी स्पोर्ट्स अंडर-19 टूर्नामेंट में मास्टर क्लास अकैडमी (258/10) को 3 रन से हराया। पराजित टीम से हरमन (49 रन, 3/34) ने संघर्ष किया।

यश की फिफ्टी

यश चौहान (77*), अनीश गौतम (45) और मृणायक (40) की पारियों के दम पर आरपीसीसी अकैडमी (261/8) ने दूसरे राधे श्याम शर्मा इनविटेशनल टूर्नामेंट में बारिश से बाधित मैच में पैलिकन क्रिकेट क्लब (18/1, चार ओवर में) पर टॉस के आधार पर जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। पराजित टीम से कृष्णा अग्रवाल (4/47) ने अच्छी गेंदबाजी की।

ब्राइट सीसी फाइनल में

कुशाल (62), यशजीत (2 विकेट) और सुभाष यादव (2 विकेट) के शानदार प्रदर्शन से ब्राइट सीसी (196/9) ने आरपीएस टी20 टूर्नामेंट सेमीफाइनल में एआईएमआईएल (186/6) को 10 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पराजित टीम से विकास सिंह (77) ने अच्छी पारी खेली।

कुणाल, आयुष का तूफान

कुणाल सिंह (157*), आयुष (5/38) और परम चंदेला (2/35) के शानदार प्रदर्शन से विजय यादव अकैडमी फरीदाबाद (232/7) ने दूसरे राधे श्याम शर्मा इनविटेशनल ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में दिल्ली ब्लूज क्लब (226/10) को 3 विकेट से हराया। पराजित टीम से अर्णव कौल (106) ने शतकीय पारी खेली।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 13-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH07 User: cci Time: 04-12-2026 22:37 Color:

दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में 21 घंटे की बातचीत बेनतीजा | **परमाणु, होर्मुज, प्रतिबंध और मुआवजे पर भी हल नहीं निकला**

शर्तों पर टकराव, क्या फिर भड़केगा अमेरिका-ईरान युद्ध?

अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे लंबी हाई-स्टेक बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई। यह एक दशक से ज्यादा समय में दोनों देशों के बीच सबसे बड़ी सीधी बातचीत थी, लेकिन अंत में मतभेद इतने गहरे रहे कि कोई साझा रास्ता नहीं निकल पाया। परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट, प्रतिबंध और युद्धविराम जैसे मुद्दों पर टकराव ने बातचीत को पटरी से उतार दिया। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया एक और बड़े युद्ध के करीब पहुंच रही है?

Q दोनों देशों के बीच बातचीत क्यों बेनतीजा रही?
इस्लामाबाद में हुई बातचीत की असफलता की सबसे बड़ी वजह ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर असहमति रही। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वान्स ने साफ कहा कि अमेरिका को यह भरोसा चाहिए था कि ईरान न सिर्फ अभी, बल्कि लंबे समय तक परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। लेकिन तेहरान इस तरह की स्थायी प्रतिबद्धता देने को तैयार नहीं हुआ। अमेरिका के अनुसार समस्या तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि इरादे की थी।

Q अमेरिका की मुख्य मांग क्या थी?
अमेरिका की सबसे अहम मांग थी कि ईरान स्पष्ट और स्थायी रूप से परमाणु हथियार न बनाने का वादा करे। यह सिर्फ अस्थायी रोक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रतिबद्धता होनी चाहिए थी। जेडी वान्स के मुताबिक, यह ट्रंप प्रशासन का गोल था। अमेरिका चाहता था कि ईरान न सिर्फ हथियार न बनाए, बल्कि उन तकनीकों से भी दूर रहे जो उसे तेजी से परमाणु हथियार विकसित करने में मदद कर सकती हैं।

Q दोनों देशों के बीच किन मुद्दों पर टकराव हुआ?
बातचीत कई बड़े मुद्दों पर अटक गई। इनमें प्रमुख थे:
■ होर्मुज स्ट्रेट ■ ईरान का परमाणु कार्यक्रम ■ युद्ध के मुआवजे ■ आर्थिक प्रतिबंध ■ युद्ध का औपचारिक अंत।
अमेरिका ने 15-पॉइंट प्रस्ताव दिया, जिसमें परमाणु कार्यक्रम पर सख्त नियंत्रण और स्ट्रेट खोलने की मांग थी। वहीं ईरान ने काउंटर में युद्ध खत्म करने की गारंटी, स्ट्रेट पर नियंत्रण और आर्थिक मुआवजे की मांग रखी। यहीं पर टकराव गहरा गया।

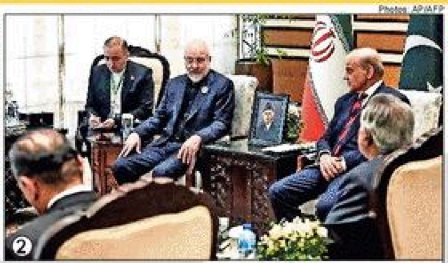

Photos: AP/AFP

Q अमेरिका की अगली कार्रवाई क्या होगी?

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बातचीत से पहले ही कहा था कि अमेरिका को वैकल्पिक योजना की जरूरत नहीं है। जेडी वान्स इस सवाल का सीधा जवाब देने से बचे। एक्सपर्ट के अनुसार, संकेत मिलता है कि फिलहाल अमेरिका युद्ध को लेकर खुलकर कुछ नहीं कह रहा, लेकिन सैन्य विकल्प पूरी तरह खारिज भी नहीं किया गया है।

1. जब इस्लामाबाद में बैठक चल रही थी तब ट्रंप फाइटिंग चैंपियनशिप UFC 327 इवेंट में शामिल थे।
2. ईरानी डेलिगेशन के अधिकारी ने कहा, गेंद अब US के पाले में है।
3. जेडी वान्स ने कहा, ईरान के साथ 21 घंटे की वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हुई।

Q क्या युद्ध दोबारा शुरू हो सकता है?

एक्सपर्ट के अनुसार, स्थिति नाजुक है। अगर होर्मुज स्ट्रेट पर टकराव होता है, तो संघर्ष फिर से भड़क सकता है। हालांकि, दोनों देशों के लिए एक बड़ा युद्ध आर्थिक और रणनीतिक रूप से भारी पड़ सकता है। इसलिए तनाव और कूटनीति साथ-साथ चलेंगे लेकिन एक छोटी सी चिंगारी भी बड़े टकराव में बदल सकती है।

Q अमेरिका-ईरान एक-दूसरे को क्यों दोष दे रहे हैं?
ईरान का कहना है कि अमेरिका की अवास्तविक और सख्त मांगों ने समझौते को असंभव बना दिया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, उनकी टीम ने 21 घंटे लगातार बातचीत की, लेकिन अमेरिकी पक्ष लचीला नहीं रहा। दूसरी ओर, जेडी वान्स ने कहा कि अमेरिका मिलनसार था, लेकिन ईरान ने उनकी शर्तें मानने से इनकार कर दिया। यानी दोनों पक्ष एक-दूसरे को बातचीत फेल होने का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

Q ईरान का रुख इतना सख्त क्यों है?
विश्लेषकों के अनुसार, ईरान को लगता है कि समय उसके पक्ष में है। उसका मानना है कि युद्ध के मैदान में उसने खुद को कमजोर नहीं होने दिया और अमेरिका पर दबाव बना हुआ है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान को लगता है कि अमेरिका अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने के लिए बातचीत चाहता था। इसलिए तेहरान अपनी शर्तों से पीछे हटने को तैयार नहीं हुआ। होर्मुज स्ट्रेट पर भी ईरान ने साफ किया कि बिना उचित समझौते के वह कोई रियायत नहीं देगा।

Q क्या आगे बातचीत की कोई संभावना है?
इस्लामाबाद वार्ता के बाद ईरान ने फिलहाल नई बातचीत में रुचि नहीं दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरानी टीम ने स्पष्ट कर दिया है कि अगला राउंड तुरंत नहीं होगा। हालांकि ईरान के विदेश मंत्रालय ने यह जरूर कहा कि कूटनीति का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। फिलहाल दोनों पक्ष पीछे हटते नजर आ रहे हैं।

वॉर अपडेट

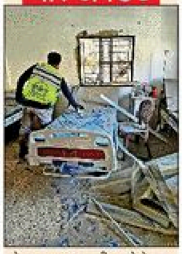

लेबनान पर इस्राइली हमले के बाद एक रेस्क्यूकर्मी मेडिकल बिल्डिंग के नुकसान का जायजा लेते हुए।

अभियान अभी खत्म नहीं: नेतन्याहू

इस्राइल के पीएम बेन्यामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल करने का दावा करते हुए कहा कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। वहीं, सेना प्रमुख ने अपनी सेनाओं को ईरान के साथ युद्ध फिर से शुरू होने की संभावित स्थिति के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है।

होर्मुज में पाक के टैंकरों का यू-टर्न

ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक पाकिस्तानी झंडे वाले दो तेल टैंकर, 'खैरपुर' और 'शालामार', होर्मुज स्ट्रेट के पास से ही लौट गए। रिपोर्ट में कहा गया कि दोनों जहाज इस अहम समुद्री मार्ग से गुजर नहीं सके। वहीं, सऊदी अरब ने कहा है कि ईरान के हमलों के बाद प्रभावित हुई उसकी प्रमुख ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन अब फिर से चालू हो गई है।

ट्रंप बोले, ईरान को टोल दिया तो होर्मुज़ से गुज़रने नहीं देंगे

कहा, नौसेना होर्मुज़ में जहाज़ों की आवाजाही पर नाकाबंदी शुरू करेगी

■ एएफपी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बेनतीजा शांति वार्ता के बाद बड़ा कदम उठाते हुए होर्मुज में अमेरिकी नौसेना द्वारा नाकेबंदी शुरू करने का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना अब उन सभी जहाजों को रोकेगी जो इस रणनीतिक जलमार्ग में प्रवेश या बाहर निकलने की कोशिश करेंगे।

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लैटफॉर्म पर कहा कि तुरंत प्रभाव से अमेरिकी नौसेना होर्मुज में आने-जाने वाले सभी जहाजों की नाकेबंदी शुरू करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ईरान इस अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग को लेकर अनिश्चितता पैदा कर रहा है और इसे दुनिया से जबरन वसूली करार दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन जहाजों को भी रोका जाएगा, जिन्होंने ईरान को किसी प्रकार का टोल भुगतान किया है।

नाकेबंदी अभियान में अन्य देश भी शामिल हो सकते हैं: ट्रंप

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका होर्मुज में बिछाई गई माइंस को हटाने और नष्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी भी ईरानी तत्व ने अमेरिकी बलों या शांतिपूर्ण जहाजों पर हमला किया, तो उसे कड़ी सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। भविष्य में किसी समय सभी जहाजों को स्वतंत्र रूप से आने-जाने की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन फिलहाल ईरान की स्थिति ने इसे संभव नहीं होने दिया है।

File

■ होर्मुज में बिछाई गई माइंस को हटाने, नष्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू करने की बात कही

■ स्ट्रेट में बारूदी सुरंगों को हटाने में मदद के लिए अतिरिक्त बलों को भेजने का दावा किया

'वार्ता में परमाणु मुद्दा अहम था'
अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता पर ट्रंप ने कहा कि एकमात्र मुद्दा ईरान का परमाणु कार्यक्रम था, जिस पर तेहरान झुकने को तैयार नहीं हुआ। उसी पर सहमति नहीं बन सकी।

अगर किसी भी ईरानी तत्व ने अमेरिकी बलों या शांतिपूर्ण जहाजों पर हमला किया, तो उसे कड़ी सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।
—डॉनल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति, US

होर्मुज़ पर टोल टैक्स तो चुकाना ही होगा: ईरान

■ **NBT रिपोर्ट:** ईरान की संसद के उपाध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट ईरान के लिए एक अति संवेदनशील सीमा है। इस्लामिक प्रोपेगेशन ऑर्गनाइजेशन से जुड़ी मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक बाबाई का कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से ईरान के कब्जे में है और इसका शुल्क रियाल में ही चुकाना होगा। रियाल ईरान की मुद्रा है। इससे पहले अमेरिका की 'सेंट्रल कमांड' ने भी शनिवार को बताया था कि नौसेना के दो विध्वंसक जहाजों ने जलमार्ग को समुद्री सुरंगों से मुक्त कराने के एक बड़े अभियान के तहत होर्मुज को पार किया है। लेकिन ईरान ने इस दावे को खारिज कर दिया है कि ये दोनों जहाज उस इलाके से गुजरे थे। एजेंसी एएफपी ने ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के हवाले से बताया कि ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा है कि किसी भी सैन्य जहाज के होर्मुज से गुजरने की कोशिश का सख्ती से जवाब दिया जाएगा।

दो अमेरिकी जहाजों के गुजरने के दावे को खारिज किया

ईरान में 44 दिन से नेट बंद, रेकॉर्ड टूटा: रिपोर्ट

■ NBT रिपोर्ट

ईरान में जारी इंटरनेट ब्लैकआउट अब 44वें दिन में पहुंच गया है, जिसे इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्था NetBlocks ने दुनिया का अब तक का सबसे लंबा राष्ट्रीय स्तर का शटडाउन बताया है। CNN की रिपोर्ट के अनुसार, यह स्थिति ऐसे समय में बनी हुई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता बेनतीजा रही।

नेटब्लॉक्स के अनुसार, यह ब्लैकआउट किसी भी देश में अब तक का सबसे लंबा इंटरनेट बंद है, जिसके चलते सामाजिक और आर्थिक प्रभाव लगातार बढ़ते जा रहे हैं। संस्था ने कहा कि इस तरह की सेंसरशिप ने एक कनेक्टेड समाज में वैश्विक रेकॉर्ड तोड़ दिया है।

हमलों के बाद ईरानी सरकार ने इंटरनेट एक्सेस पूरी तरह से बंद कर दिया। इससे पहले इसी साल जनवरी में भी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कई हफ्तों तक इंटरनेट सेवाएं बाधित रही थीं।

रिपोर्ट में अब तक का सबसे लंबा इंटरनेट बंद का दावा

AP

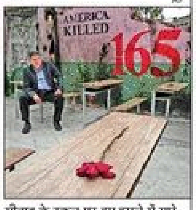

मीनाब के स्कूल पर हुए हमले में मारे गए बच्चों की याद में स्मारक बना।

युद्ध में अब तक 3,375 लोगों की मौत: ईरान

ईरान ने कहा है कि अमेरिका और इस्राइल के साथ हुए युद्ध में अब तक 3,375 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी ईरान की फरेंसिक मेडिसिन संस्था के प्रमुख अब्बास मस्जेदी अरानी ने दी है। उन्होंने बताया कि मरने वालों में 2,875 पुरुष और 496 महिलाएं शामिल हैं।

US-इस्राइल का बड़ा जासूसी नेटवर्क: ईरान

■ **NBT रिपोर्ट:** ईरान में अधिकारियों ने जासूसी के आरोप में करीब 50 लोगों को गिरफ्तार किया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इन पर अमेरिका और इस्राइल के साथ मिलकर संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक ये सर्विस फैसिलिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी लोकेशन जैसी अहम जानकारी दुश्मन देशों को भेज रहे थे।

ईरान में जासूसी के आरोप में 50 लोग गिरफ्तार

अधिकारियों ने इनके पास से इलेक्ट्रॉनिक्स, सैटलाइट उपकरण और हथियार जब्त किए हैं। उन्होंने कहा कि देश में अमेरिका-इस्राइल के लिए जासूसी का बड़ा नेटवर्क है। ईरान ने हाल के समय में जासूसी के मामलों में कई गिरफ्तारियां की हैं। ईरान ने हाल ही में जासूसी से जुड़े कानून को और सख्त किया है। इस कानून के तहत दोषी पाए जाने पर मौत की सजा और संपत्ति जब्त करने का प्रावधान है।

ईरान को चीन की मदद पर ट्रंप सख्त

■ NBT रिपोर्ट

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने चीन को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि अगर चीन ईरान को हथियार सप्लाई करता पाया गया, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने स्पष्ट कहा कि किसी भी तरह की सैन्य मदद को अमेरिका अपने हितों के खिलाफ मानेगा और इसका जवाब दिया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है और किसी भी संभावित सप्लाई को गंभीरता से ले रहा है। चीन की संभावित भूमिका को लेकर अमेरिकी प्रशासन पहले से ही सतर्क है। ट्रंप ने चीन को धमकी दी है कि अगर वह ईरान की सैन्य मदद करता है, तो उस पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा। एक्सपर्ट के अनुसार, ट्रंप की चेतावनी ने संकेत दिया है कि अगर पेइचिंग ने ईरान के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया, तो वैश्विक टकराव की स्थिति गहरा सकती है।

सैन्य मदद पर 50% टैरिफ लगाने की धमकी दी

File

ट्रंप ने कहा, पूरे घटनाक्रम पर अमेरिका नजर बनाए हुए है।

लेबनान में हिज्बुल्लाह की पकड़ कितनी मज़बूत?

लेबनान में बढ़ते हमलों के बीच हिज्बुल्लाह मिसाइल-ड्रोन से इस्राइली सेना पर हमला कर रहा

इस्राइल और लेबनान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। हिज्बुल्लाह और इस्राइल डिफेंस फोर्स के बीच लगातार हमले न केवल सीमा को अस्थिर कर रहे हैं, बल्कि अमेरिका-ईरान के बीच हुए नाजुक युद्धविराम को भी खतरे में डाल रहे हैं। हालिया हमलों में भारी जनहानि हुई है और कूटनीतिक प्रयास दबाव में हैं। सवाल यह है कि यह टकराव इतना पुराना क्यों है और अब अचानक इतना गंभीर क्यों हो गया?

Q यह संघर्ष कितना पुराना है?
इस्राइल और लेबनान के बीच संघर्ष 1948 से शुरू माना जाता है, जब लेबनान ने अरब देशों के साथ मिलकर इस्राइल के गठन का विरोध किया। इसके बाद दोनों देशों के बीच कभी औपचारिक शांति समझौता नहीं हुआ। 1975-1990 के लेबनानी गृहयुद्ध के दौरान हालात और बिगड़े, जब इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान में सैन्य हस्तक्षेप किया।

Q 2006 की जंग क्यों जरूरी थी?
2006 में हिज्बुल्लाह और इस्राइल डिफेंस फोर्स के बीच बड़ा युद्ध हुआ। हिज्बुल्लाह की ओर से इस्राइल पर हमले के बाद इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान में सैन्य कार्रवाई शुरू की। यह संघर्ष करीब एक महीने तक चला। हालांकि इस्राइल ने भारी सैन्य ताकत का इस्तेमाल किया, लेकिन हिज्बुल्लाह ने मजबूत प्रतिरोध दिखाया।

Q 2023 के बाद तनाव क्यों बढ़ा?
अक्टूबर 2023 में हमास-इस्राइल युद्ध शुरू होने के बाद हिज्बुल्लाह ने इस्राइल के खिलाफ हमले शुरू कर दिए। इसका उद्देश्य हमास के समर्थन में दबाव बनाना था। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच लगभग रोजाना मिसाइल और ड्रोन हमले होने लगे। 2024 में संघर्ष और बढ़ गया, जिसमें हजारों लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए।

File

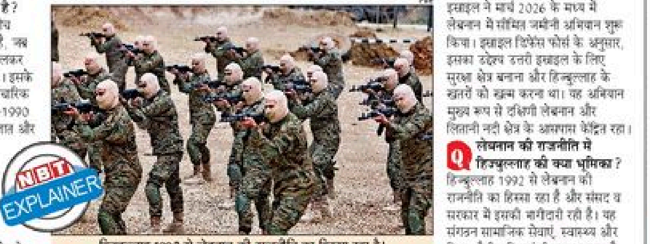

हिज्बुल्लाह 1992 से लेबनान की राजनीति का हिस्सा रहा है।

Q हिज्बुल्लाह क्या है और क्यों अहम है?

हिज्बुल्लाह एक ईरान समर्थित शिया मुस्लिम संगठन है, जिसकी स्थापना 1982 में इस्राइल के लेबनान पर आक्रमण के बाद हुई। इसका उद्देश्य इस्राइली कब्जे का विरोध करना और उसे खत्म करना था। समय के साथ यह संगठन सिर्फ एक मिलिटेंट ग्रुप नहीं रहा, बल्कि लेबनान की राजनीति, समाज और सुरक्षा ढांचे में गहराई से शामिल हो गया। आज हिज्बुल्लाह को लेबनान में एक शक्तिशाली राजनीतिक और सैन्य ताकत माना जाता है।

Q 2026 में हालात क्यों बिगड़े?
फरवरी 2026 में अमेरिका और ईरान के बीच सीधा सैन्य टकराव शुरू हुआ। इसके तुरंत बाद हिज्बुल्लाह ने इस्राइल पर हमले तेज कर दिए। जवाब में इस्राइल ने लेबनान में बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक्स और जमीनी अभियान शुरू किए। इन हमलों में भारी जनहानि हुई, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया।

Q इस्राइल ने लेबनान में ग्राउंड ऑपरेशन कब शुरू किया?
इस्राइल ने मार्च 2026 के मध्य में लेबनान में सीमित जमीनी अभियान शुरू किया। इस्राइल डिफेंस फोर्स के अनुसार, इसका उद्देश्य उत्तरी इस्राइल के लिए सुरक्षा क्षेत्र बनाना और हिज्बुल्लाह के खतरों को खत्म करना था। यह अभियान मुख्य रूप से दक्षिणी लेबनान और लितानी नदी क्षेत्र के आसपास केंद्रित रहा।

Q लेबनान की राजनीति में हिज्बुल्लाह की क्या भूमिका?
हिज्बुल्लाह 1992 से लेबनान की राजनीति का हिस्सा रहा है और संसद व सरकार में इसकी भागीदारी रही है। यह संगठन सामाजिक सेवाएं, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाएं भी प्रदान करता है, जिससे इसे जनसमर्थन मिला। हालांकि, वह एक समानांतर शक्ति के रूप में भी देखा जाता है, जो सरकारी संस्थाओं को चुनौती देता है। इसके कारण लेबनान की राजनीतिक स्थिरता पर असर पड़ता है।

Q इस्राइल पर हिज्बुल्लाह का रुख क्या है?
हिज्बुल्लाह इस्राइल को अपना मुख्य दुश्मन मानता है। वह लगातार उसके खिलाफ हमले करता रहा है। 2009 के अपने घोषणापत्र में भी उसने इस्राइल को खत्म करने की बात दोहराई थी। सीमा विवाद, खासकर शेबा फार्म्स क्षेत्र को लेकर भी दोनों के बीच लगातार तनाव बना रहता है।

लेबनान पर इस्राइल के हमले जारी, कई इलाकों में तबाही, 13 की मौत

■ NBT रिपोर्ट

दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हमले रविवार तड़के तक जारी रहे, जिसमें कई इलाकों में भारी नुकसान और 13 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सरकारी नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने दो कस्बों को निशाना बनाया, जबकि एक अन्य इलाके में तोपखाने से गोलाबारी की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, माब्का कस्बे में एक घर पर हुए हमले में सात से अधिक लोगों का परिवार निशाना बना, जिससे मौतें और कई लोगों के घायल होने की सूचना है। इसके अलावा रातभर दक्षिणी लेबनान के अलग-अलग हिस्सों में हमलों की खबरें सामने आई हैं। यह कार्रवाई उस समय तेज हुई जब ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह ने इस्राइल पर रॉकेट दागे थे, जो अमेरिका-इस्राइल के ईरान पर हमलों के जवाब में थे। इस्राइली डिफेंस फोर्स ने दावा किया है कि उसने जौया इलाके में एक तैयार रॉकेट लॉन्चर को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया।

एक घर पर हुए हमले में सात से अधिक लोग घायल

हिज्बुल्लाह के ड्रोन-रॉकेट हमले

हिज्बुल्लाह ने इस्राइली बलों पर कई हमलों का दावा किया है। कहा कि कब्जे वाले वेस्ट बैंक के तायबेह कस्बे में एक सैन्य वाहन को ड्रोन से निशाना बनाया, जिसमें कमांड टीम मौजूद थी। CNN की रिपोर्ट के अनुसार, एक अन्य बयान में हिज्बुल्लाह ने उत्तरी इस्राइल स्थित किर्यात शमोना बैरक पर कई ड्रोन हमले करने की बात कही है। इसके अलावा, उत्तरी इस्राइल के शिरोन इलाके में तैनात सैनिकों पर भी ड्रोन अटैक का दावा किया गया है। इसी बीच, दक्षिणी लेबनान से उत्तरी इस्राइल के अपर गैलीली क्षेत्र की ओर दो रॉकेट दागे जाने की खबर है। मेटुला इलाके में सायरन बजने लगे, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन ने अलर्ट जारी किया।

इस्राइली सेना पर कई हमले का दावा किया

Career Launcher After XII
LAW | IPM | CUET
2-Year, 1-Year, Crash Course available
New batches starting soon. Enroll now!
9289-911-842

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in